● वर्ष : 17 ● अंक : 137 ● मूल्य : 02 रुपया मात्र ● पृष्ठ : 08

LKS

RNI NO.: DELHIN / 2008 / 23928

www.loktantrakishaan.com

दैनिक लोकतंत्र की शान

दिल्ली से प्रकाशित

रविवार 08 मार्च 2026

लोकतंत्र का स्तंभ

सस्ती दवाओं से लाखों परिवारों को राहतः मोदी

एजेंसी। नई दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शनिवार को जन औषधि दिवस के अवसर पर देशवासियों, विशेष रूप से प्रधान मंत्री भारतीय जन औषधि परियोजना से लाभान्वित लोगों को शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि यह पहल हर नागरिक को सस्ती और गुणवत्तापूर्ण दवाएं उपलब्ध कराने की सरकार की प्रतिबद्धता को दर्शाती है। प्रधानमंत्री मोदी ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर माईगॉवइंडिया की ओर से साझा पोस्ट पर प्रतिक्रिया देते हुए लिखा, "जनऔषधि दिवस 2026 पर, उन सभी लोगों को मेरी शुभकामनाएं जिन पर प्रधानमंत्री भारतीय जनऔषधि परियोजना का अच्छा असर हुआ है। यह पहल यह पक्का करने के हमारे कमिटमेंट को दिखाती है कि हर नागरिक को सस्ती कीमतों पर अच्छी दवाइयां मिलें। जन औषधि केंद्रों के ज़रिए, अनगिनत परिवार हेल्थकेयर खर्च बचा रहे हैं और सही इलाज पा रहे हैं। उन्होंने एक अन्य पोस्ट में इस योजना के परिवर्तनकारी प्रभाव की झलक भी साझा की। माईगॉवइंडिया की ओर से साझा किए गए एक पोस्ट में कहा गया कि दीर्घकालिक बीमारी किसी परिवार के लिए आर्थिक बोझ नहीं बननी चाहिए। प्रधानमंत्री की सोच के अनुरूप यह योजना दीर्घकालिक बीमारियों के लिए आवश्यक दवाओं को सुलभ और किफायती बनाकर स्वास्थ्य सेवाओं में बदलाव ला रही है। आंकड़ों के अनुसार जन औषधि केंद्रों पर उपलब्ध दवाएं ब्रांडेड दवाओं की तुलना में 50 से 80 प्रतिशत तक सस्ती हैं, जिससे देशभर के परिवारों के स्वास्थ्य खर्च में उल्लेखनीय कमी आई है। इन केंद्रों से दवाएं खरीदकर लोगों ने अब तक 40,000 करोड़ रुपये से अधिक की बचत की है और प्रतिदिन लगभग 15 लाख ग्राहक यहां से दवाएं खरीदते हैं। योजना के तहत केंद्रों का नेटवर्क भी तेजी से बढ़ा है। वर्ष 2014 में जहां केवल 80 केंद्र थे, वहीं 2026 तक इनकी संख्या बढ़कर लगभग 18,000 हो गई है। जन औषधि केंद्रों की बिक्री में भी उल्लेखनीय वृद्धि दर्ज की गई है। वर्ष 2014-15 में 7.29 करोड़ रुपये की बिक्री से बढ़कर फरवरी 2025 तक यह आंकड़ा 2,000 करोड़ रुपये से अधिक हो गया है, जो योजना पर बढ़ते जन विश्वास को दर्शाता है। इन केंद्रों पर वर्तमान में 29 चिकित्सीय श्रेणियों में 2,110 से अधिक दवाएं और 315 सर्जिकल उत्पाद उपलब्ध हैं। इसके साथ ही मासिक धर्म स्वच्छता को बढ़ावा देने के लिए यहां एक रुपये प्रति पैड की दर से सेनेटरी पैड उपलब्ध कराए जा रहे हैं और अब तक 100 करोड़ से अधिक पैड बेचे जा चुके हैं। पोस्ट के अनुसार पिछले तीन वित्तीय वर्षों में खुले नए जन औषधि केंद्रों में लगभग 60 प्रतिशत महिलाओं द्वारा संचालित किए जा रहे हैं, जो इस योजना में महिला उद्यमियों की बढ़ती भागीदारी को दर्शाता है।

जन औषधि केंद्रों से रोजाना 15 लाख से अधिक लोग खरीदते हैं दवाइयांः नड्डा

नई दिल्ली। केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री जेपी नड्डा ने कहा कि आज जन औषधि दिवस मनाया जा रहा है। ऐसे में यह आवश्यक है कि हम प्रधानमंत्री भारतीय जनऔषधि परियोजना की उस महत्वपूर्ण भूमिका को पहचानें, जिसके माध्यम से देशभर के लोगों तक सस्ती दवाइयां पहुंचाई जा रही हैं। मोदी सरकार की यह पहल कम कीमत वाली जेनेरिक दवाओं की उपलब्धता को मजबूत बना रही है। नड्डा ने शनिवार को एक्स पोस्ट पर कहा कि आज देश के शहरों, कस्बों और गांवों में लगभग 18,000 जन औषधि केंद्र संचालित हो रहे हैं, जो लोगों के घरों के नज़दीक आवश्यक दवाइयाँ उपलब्ध करा रहे हैं। ये केंद्र परिवारों को स्वास्थ्य संबंधी खर्चों को संभालने में मदद कर रहे हैं और इलाज के आर्थिक बोझ को कम कर रहे हैं। वर्तमान में 15 लाख से अधिक लोग प्रतिदिन इन केंद्रों से दवाइयां खरीदते हैं, जिससे जन औषधि केंद्र लाखों लोगों के लिए एक विश्वसनीय और किफायती स्वास्थ्य समाधान बन गए हैं। उल्लेखनीय है कि जन औषधि दिवस भारत के रसायन एवं उर्वरक मंत्रालय के तहत डिपार्टमेंट ऑफ फार्मास्यूटिकल्स द्वारा आयोजित एक वार्षिक जागरूकता अभियान है। हर साल 7 मार्च को मनाए जाने वाले इस दिवस का उद्देश्य लोगों को जेनेरिक दवाओं के बारे में जानकारी देना और उन्हें सस्ती दवाओं के उपयोग के लिए प्रोत्साहित करना है। इस अवसर पर देशभर में कई कार्यक्रम आयोजित किए जाते हैं, जैसे स्वास्थ्य शिविर, जागरूकता अभियान, मुफ्त जांच और परामर्श, जन औषधि केंद्रों के बारे में जानकारी- इन कार्यक्रमों के माध्यम से लोगों को बताया जाता है कि वे कम कीमत में भी अच्छी क्वालिटी की दवाएं प्राप्त कर सकते हैं।

ज्वलंत मुद्दा | संपादकीय

खाड़ी देशों में खुली अमेरिका की कलई

अमेरिका और इजरायल ने ईरान के ऊपर हमला किया। इस हमले में ईरान को बड़ा नुकसान हुआ, इससे इनकार नहीं किया जा सकता है। इस युद्ध में सबसे बड़ा नुकसान ईरान के सुप्रीमो और शिया समुदाय के सबसे बड़े धार्मिक गुरु आयतुल्लाह खामेनेई और लगभग दो दर्जन से अधिक ईरान के प्रमुख नेता इस युद्ध में शहीद हो गए हैं। जिसके कारण युद्ध ने विकराल स्वरूप धारण कर लिया है। इस युद्ध में इजरायल और अमेरिका को बड़ा नुकसान होने जा रहा है, जिसकी कल्पना अमेरिका और इजरायल ने शायद नहीं की थी। अमेरिका ने खाड़ी देशों में सैन्य बल स्थापित करके खाडी देशों को सुरक्षा देने के नाम पर हर साल अरबो रुपए वसूल किये थे। जब सुरक्षा का समय आया, तब अमेरिका खाड़ी देशों की सुरक्षा नहीं कर पाया। ईरान के ड्रोन और मिसाइलों ने बड़े पैमाने पर खाडी देशों के अमेरिकी सैन्य ठिकानों को नष्ट कर दिया। खाडी देशों को उनके हाल पर छोड़कर अमेरिका खुद अपने बचाव में लग गया। खाड़ी देशों का आयात और निर्यात व्यापार पूरी तरह से ठप्प हो गया है। खाड़ी देशों के शासको को लग रहा है, पिछले कई दशक से अमेरिका उन्हें सुरक्षा के नाम पर लूट रहा था।

सुरक्षा देने के नाम पर अरब देशों का शोषण, आपस में लड़ाकर, अमेरिका अपना आर्थिक हित साधकर उल्लू सीधा कर रहा था। खाड़ी देशों के शासक अब अमेरिका पर भड़क रहे हैं। इजरायल और अमेरिका ने अपने निजी हितों को ध्यान में रखते हुए जिस तरह से ईरान के ऊपर हमला थोपा है, इसके बाद वैश्विक अर्थव्यवस्था लगभग तीन दशक पीछे जाती हुई दिख रही है। तेल की कीमतों में भारी वृद्धि देखने को मिल रही है। प्राकृतिक गैस की कमी विश्व के अधिकांश देशों में हो चुकी है। पिछले कई वर्षों से रूस और यूक्रेन के बीच युद्ध चल रहा है। इसके चलते पूरी दुनिया में अराजकता की स्थिति बनी हुई थी। अमेरिका के 70 फ़ीसदी लोगों का मानना है, यह युद्ध अमेरिका का नहीं है। अमेरिकी नागरिक और विपक्षी दल इस युद्ध का विरोध कर रहे हैं। इस युद्ध के कारण वैश्विक अर्थ व्यवस्था बुरी तरह से प्रभावित हुई है।

दुनिया में आर्थिक मंदी की संभावना तेजी के साथ बढ़ती चली जा रही है। 1993 में वैश्विक व्यापार संधि लागू होने के बाद सारी दुनिया के देशों में एक दूसरे से व्यापार करने तथा विकास के लिए ऋण लेकर विकास कार्य शुरू होने से अर्थ व्यवस्था बड़ी तेजी के साथ बढ़ी थी। वह व्यवस्था ध्वस्त होती हुई दिख रही है। जिन देशों ने वैश्विक वित्तीय संस्थानों से बड़ी मात्रा में कर्जा लिया है। नागरिकों को भी बड़े पैमाने पर पिछले 20 वर्षों में कर्ज दिया गया है। कर्ज की अर्थव्यवस्था के कारण पिछले 30 सालों में दुनिया का व्यापार और व्यवसाय कई गुना बढ़ गया था। उधार की अर्थव्यवस्था चरम पर है। वर्तमान स्थिति में सरकारों और नागरिकों को ब्याज और मूल चुकाना मुश्किल हो रहा है। ऐसी स्थिति में रूस-यूक्रेन युद्ध, इजराइल-फिलिस्तीन युद्ध के चलते पहले ही अर्थव्यवस्था डंवाडोल हो रही थी।

सैयद जकी हैदर | सम्पदक/प्रकाशक
MOBE NO.9911371802
EMAIL. SYEDZAKIHAIDER786@GMAIL.COM

संक्षिप्त समाचार

हाईकोर्ट ने डेरा प्रमुख राम रहीम को किया बरी, अब पीड़ित परिवार जाएगा सुप्रीम कोर्ट

चंडीगढ़। पंजाब और हरियाणा हाईकोर्ट ने शनिवार को एक अत्यंत महत्वपूर्ण और चौंकाने वाला फैसला

सुनाते हुए सिरसा के पत्रकार रामचंद्र छत्रपति हत्याकांड में डेरा सच्चा सौदा प्रमुख गुरमीत राम रहीम सिंह को बरी कर दिया है। यह निर्णय विशेष सीबीआई अदालत द्वारा राम रहीम को दी गई उम्रकैद की सजा के करीब सात साल बाद आया है। मुख्य न्यायाधीश शील नागू और न्यायमूर्ति विक्रम अग्रवाल की खंडपीठ ने 2019 के फैसले को चुनौती देने वाली अपीलों पर गहन सुनवाई के बाद राम रहीम की सजा को रद्द कर दिया और उन्हें सभी आरोपों से मुक्त कर दिया। अदालत ने अपने आदेश में स्पष्ट किया कि डेरा प्रमुख के खिलाफ लगाए गए आरोप कानूनी रूप से पर्याप्त रूप से साबित नहीं हो पाए हैं। साक्ष्यों के अभाव और विरोधाभासों को देखते हुए अदालत ने उन्हें संदेह का लाभ देते हुए दोषमुक्त किया है। हालांकि, इस मामले के अन्य तीन दोषियों-कुलदीप, निर्मल सिंह और किशन लाल के लिए राहत की कोई खबर नहीं है, हाईकोर्ट ने उनकी उम्रकैद की सजा को बरकरार रखा है। उल्लेखनीय है कि राम रहीम फिलहाल रोहतक की सुनारिया जेल में दो साध्वियों के साथ दुष्कर्म के मामले में 20 साल की सजा काट रहा है, इसलिए इस मामले में बरी होने के बाद भी वह जेल में ही रहेगा। यह मामला साल 2002 का है, जिसने पूरे देश को झकझोर कर रख दिया था। सिरसा में पूरा सच नामक स्थानीय समाचार पत्र चलाने वाले निडर पत्रकार रामचंद्र छत्रपति की उनके घर के बाहर गोली मारकर हत्या कर दी गई थी।

इजरायल ने फिर दी सफाई कहा- पीएम मोदी के दौरे से ईरान पर हमले का कोई संबंध नहीं था

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 25-26 फरवरी को इजरायल के दौरे पर थे और उनके लौटने के ठीक दो दिन बाद यह हमला हुआ। हमले की इस सटीक टाइमिंग को लेकर विपक्षी दलों और सोशल मीडिया पर कई तरह के सवाल उठाए जा रहे हैं। विवाद को बढ़ता देख अब इजरायल ने आधिकारिक तौर पर स्पष्ट किया है कि इस सैन्य कार्रवाई का पीएम मोदी के दौरे से कोई संबंध नहीं था। इजरायल के विदेश मंत्री गिदोन सार ने शुक्रवार को रायसीना डायलॉग में वर्चुअली हिस्सा लेते हुए स्पष्ट किया कि प्रधानमंत्री मोदी को इस हमले के बारे में कोई पूर्व जानकारी या ब्रीफिंग नहीं दी गई थी। उन्होंने कहा, भारत और प्रधानमंत्री मोदी के साथ हमारे संबंध बेहद मजबूत और रणनीतिक हैं, लेकिन हम उन्हें इस बारे में सूचित नहीं कर सके क्योंकि सैन्य कार्रवाई का अंतिम निर्णय उनके जाने के बाद, शनिवार तड़के लिया गया था। इजरायल ने स्पष्ट किया कि जब अमेरिका और ईरान के बीच कूटनीतिक बातचीत पूरी तरह विफल हो गई, तब यह कड़ा कदम उठाना अनिवार्य हो गया था।

जेडीयू में शामिल होने से पहले सक्रिय हुए निशांत कुमार, पार्टी नेताओं के साथ की अहम बैठक

8 मार्च को लेंगे जेडीयू की सदस्यता!

पटना। बिहार की राजनीति में एक नए अध्याय की आहट सुनाई देने लगी है। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के बेटे निशांत कुमार ने जनता दल यूनाइटेड (जेडीयू) में औपचारिक रूप से शामिल होने से पहले ही अपनी राजनीतिक सक्रियता बढ़ा दी है। शनिवार सुबह वह जेडीयू के राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष और सांसद संजय झा के आवास पर पहुंचे, जहां उन्होंने पार्टी के कई वरिष्ठ नेताओं और युवा विधायकों के साथ लंबी अनौपचारिक बैठक की। सूत्रों के अनुसार इस बैठक में बिहार की वर्तमान राजनीतिक स्थिति, जेडीयू के संगठनात्मक ढांचे और भविष्य की रणनीति पर चर्चा हुई। निशांत कुमार ने पार्टी की कार्यशैली, सरकार की योजनाओं के जमीनी क्रियान्वयन और संगठन को मजबूत बनाने के तरीकों को समझने की कोशिश की। बैठक में एमएलसी संजय गांधी, ललन सर्राफ समेत पार्टी के कई युवा विधायक भी मौजूद रहे। राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि निशांत कुमार की यह सक्रियता जेडीयू के भीतर नई ऊर्जा भरने का संकेत है। अब तक राजनीति से दूरी बनाए रखने वाले निशांत के इस कदम ने सियासी गलियारों में हलचल पैदा कर दी है। सूत्रों के मुताबिक निशांत कुमार 8 मार्च को पटना में आयोजित एक कार्यक्रम के दौरान औपचारिक रूप से जेडीयू की सदस्यता ले सकते हैं। इस कार्यक्रम में राज्य के विभिन्न जिलों से पार्टी कार्यकर्ताओं और नेताओं के जुटने की संभावना है।

प्रधानमंत्री ने कोटा एयरपोर्ट का शिलान्यास किया, कहा- हाड़ौती क्षेत्र के विकास को मिलेगी नई गति

एजेंसी। नई दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शनिवार को कोटा एयरपोर्ट के शिलान्यास समारोह को वीडियो संदेश के माध्यम से संबोधित करते हुए कहा कि यह आधुनिक हवाई अड्डा हाड़ौती क्षेत्र के विकास को नई गति देगा और आने वाले समय में यहां व्यापार, पर्यटन और रोजगार के अवसर तेजी से बढ़ेंगे। प्रधानमंत्री ने कहा कि कोटा, बूंदी, बारां और झालावाड़ सहित पूरे हाड़ौती क्षेत्र के लिए आज का दिन नई उम्मीद और नई उपलब्धि का दिन है। लगभग 1500 करोड़ रुपये की लागत से बनने वाला यह आधुनिक एयरपोर्ट आने वाले समय में पूरे क्षेत्र के विकास को नई गति देने वाला है। उन्होंने कहा कि जब यह एयरपोर्ट चालू हो जाएगा तो कोटा सहित पूरे इलाके में यात्रा आसान होगी और व्यापार तेजी से बढ़ेगा। पहले लोगों को हवाई यात्रा के लिए जयपुर या जोधपुर जाना पड़ता था लेकिन अब क्षेत्र के लोगों को बड़ी सुविधा मिलेगी। प्रधानमंत्री ने कोटा को शिक्षा और ऊर्जा का अनोखा केंद्र बताते हुए कहा कि यहां परमाणु, कोयला, गैस और जल से बिजली उत्पादन होता है। कोटा डोरिया साड़ियों, कोटा स्टोन और बूंदी के बासमती चावल जैसे स्थानीय उत्पादों को भी इस एयरपोर्ट से नई पहचान और बाजार मिलेगा।

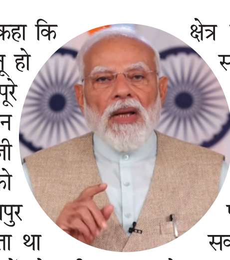

क्षेत्र में पर्यटन की भी अपार संभावनाएं हैं। श्री मथुराधीश जी, गरड़िया महादेव और मुकुंदरा हिल्स जैसे धार्मिक और प्राकृतिक स्थल देश-विदेश के पर्यटकों को आकर्षित कर सकते हैं। बेहतर हवाई संपर्क से इसका सीधा लाभ युवाओं, व्यापारियों और स्थानीय अर्थव्यवस्था को मिलेगा। प्रधानमंत्री ने कहा कि कोटा में कनेक्टिविटी के क्षेत्र में तेजी से काम हो रहा है। अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत कोटा के दोनों प्रमुख रेलवे स्टेशनों को आधुनिक सुविधाओं से सुसज्जित किया जा रहा है, जबकि दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेसवे कोटा और बूंदी से होकर गुजरते हुए पूरे क्षेत्र के विकास के लिए नया द्वार खोल रहा है। उन्होंने कहा कि देश में 2014 में जहां केवल 70 हवाई अड्डे थे, वहीं आज उनकी संख्या बढ़कर 160 से अधिक हो गई है। उन्होंने विश्वास जताया कि कोटा का नया एयरपोर्ट भी इसी तरह क्षेत्र के विकास को नई दिशा देगा। प्रधानमंत्री ने कोटा के सांसद और लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला की भी सराहना करते हुए कहा कि उन्होंने क्षेत्र के विकास के लिए लगातार प्रयास किए हैं। उन्होंने कहा कि मजबूत इरादों और डबल इंजन की सरकार के साथ राजस्थान तेज गति से विकास के मार्ग पर आगे बढ़ रहा है और विकसित राजस्थान, विकसित भारत के संकल्प को और मजबूती दे रहा है।

सीकर में सुबह 3.5 तीव्रता का भूकंप, खाटूश्यामजी सहित कई क्षेत्रों में महसूस हुए झटके

सीकर। राजस्थान के सीकर जिले में शनिवार सुबह भूकंप के हल्के झटके महसूस किए गए, जिससे कुछ समय के लिए लोगों में दहशत का माहौल बन गया। राष्ट्रीय भूकंप विज्ञान केंद्र के अनुसार सुबह 6 बजकर 32 मिनट पर आए इस भूकंप की तीव्रता रिक्टर पैमाने पर 3.5 दर्ज की गई। भूकंप का केंद्र सीकर जिले में ही बताया गया है। झटके खाटूश्यामजी, रानोली, फतेहपुर और लक्ष्मणगढ़ सहित आसपास के कई गांवों और कस्बों में महसूस किए गए। अचानक आए कंपन के कारण कई घरों में पंखे और बर्तन हिलने लगे, जिससे लोग घबराकर अपने घरों से बाहर निकल आए। स्थानीय लोगों के अनुसार झटके कुछ सेकंड तक ही महसूस हुए, लेकिन सुबह-सुबह भूकंप आने से लोग काफी घबरा गए और एहतियातन कुछ समय तक घरों के बाहर ही रहे। खाटूश्यामजी क्षेत्र में होटल और धर्मशालाओं में ठहरे श्रद्धालु भी झटके महसूस होने के बाद बाहर निकल आए। हालांकि प्रशासन और स्थानीय सूत्रों के मुताबिक इस भूकंप से किसी तरह के जान-माल के नुकसान की कोई सूचना नहीं मिली है।

मैं उन सभी संतों के साथ हूं जो गो माता, गीता और सनातन की बात करते हैंः धीरेंद्र शास्त्री

वाराणसी। बागेश्वर धाम के पीठाधीश्वर पंडित धीरेंद्र शास्त्री ने शंकराचार्य अविमुक्तेश्वरानंद का समर्थन किया है। उन्होंने कहा कि मैं उन सभी संतों के साथ हूं जो गो माता, गीता और सनातन की बात करते हैं। शंकराचार्य ने गाय का मुद्दा उठाया है। पूरे देश में गो माता को लेकर अभियान चल रहा है। हम गो सेवक होने के नाते उनका नैतिक रूप से समर्थन करते हैं। लेकिन लखनऊ के लिए हमें आमंत्रण नहीं मिला है। मैं एक महीने के लिए एकांतवास के लिए जा रहा हूं। धीरेंद्र शात्री शुक्रवार को अपनी मां के साथ काशी पहुंचे। उन्होंने बाबा विश्ननाथ के दर्शन किए। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक सीएम योगी से टकराव के बीच शंकराचार्य अविमुक्तेश्वरानंद गो, गंगा और सनातन की रक्षा के लिए 11 मार्च को लखनऊ में सभा करेंगे। हालांकि अभी उन्हें सभा की परमिशन नहीं मिली है। डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य भी काशी में थे। पत्रकारों ने उनसे सवाल किया कि क्या शंकराचार्य को सभा करने की अनुमति मिलेगी? इस पर केशव ने कहा कि परमिशन देना मेरा काम नहीं है। इसके बाद उन्होंने इस मसले पर चुप्पी साध ली। धीरेंद्र शास्त्री ने प्रशंसकों को सकारात्मक जीवन जीने का संदेश दिया।

बजट सत्र का दूसरा चरणः 9 मार्च को स्पीकर को हटाने के प्रस्ताव पर चर्चा की संभावना

एजेंसी। नई दिल्ली

संसद के बजट सत्र का दूसरा चरण 9 मार्च से शुरू होकर 2 अप्रैल तक चलेगा। सत्र के दूसरे चरण की शुरुआत ही राजनीतिक रूप से काफी अहम मानी जा रही है, क्योंकि पहले ही दिन लोकसभा अध्यक्ष को पद से हटाने के प्रस्ताव पर चर्चा होने की संभावना जताई जा रही है। इस मुद्दे को देखते हुए भाजपा और कांग्रेस दोनों ने अपने-अपने लोकसभा सांसदों को 9 से 11 मार्च तक सदन में अनिवार्य रूप से उपस्थित रहने के लिए तीन-लाइन व्हिप जारी किया है। कांग्रेस ने अपने सांसदों को निर्देश दिया है कि वे इन दिनों सदन में उपस्थित रहें, क्योंकि विपक्ष की ओर से लोकसभा अध्यक्ष के खिलाफ लाए गए प्रस्ताव

पर चर्चा हो सकती है। वहीं सत्तारूढ़ भाजपा ने भी अपने सांसदों को सदन में मौजूद रहने का निर्देश देते हुए महत्वपूर्ण मतदान के लिए तैयार रहने को कहा है। दरअसल, विपक्षी दलों ने लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला को उनके पद से हटाने के लिए प्रस्ताव का नोटिस दिया है। इस प्रस्ताव पर विपक्ष के 118 सांसदों ने हस्ताक्षर किए हैं। हालांकि तृणमूल कांग्रेस के 29 सांसदों ने इस नोटिस पर हस्ताक्षर नहीं किए हैं। इसके बावजूद पार्टी सूत्रों के अनुसार तृणमूल कांग्रेस के सांसद पार्टी नेतृत्व के निर्देश के अनुसार प्रस्ताव का समर्थन कर सकते हैं और मतदान के दौरान स्पीकर के खिलाफ वोट देने की संभावना है। विपक्ष का आरोप है कि लोकसभा अध्यक्ष ने सदन की कार्यवाही के संचालन में पक्षपातपूर्ण रवैया अपनाया और कई मौकों पर विपक्षी नेताओं को अपनी बात रखने का पर्याप्त अवसर नहीं दिया। इसी आरोप के आधार पर उन्हें पद से हटाने का प्रस्ताव लाया गया है। संसदीय नियमों के अनुसार लोकसभा अध्यक्ष को हटाने का प्रस्ताव साधारण बहुमत से पारित किया जा सकता है। हालांकि मौजूदा लोकसभा की संख्या बल को देखते हुए इस प्रस्ताव के पारित होने की संभावना कम मानी जा रही है।

अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस पर कर्तव्य पथ पर निकलेगी शक्ति वॉक 'शी लीड्स भारत', 3000 महिलाएं होंगी शामिल

एजेंसी। नई दिल्ली

अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर केंद्र सरकार 8 मार्च को कर्तव्य पथ पर शक्ति वॉक 'शी लीड्स भारत' का आयोजन करेगी। केंद्रीय महिला एवं बाल विकास मंत्रालय के अनुसार, यह वॉक सुबह 7.30 बजे से 10.00 बजे तक आयोजित होगी। करीब 2 किलोमीटर की यह पदयात्रा इंडिया गेट से विजय चौक तक कर्तव्य पथ पर निकाली जाएगी। इसमें 150 से अधिक मंत्रालयों, विभागों और संगठनों की लगभग 3000 महिलाएं भाग लेंगी। कार्यक्रम में सशस्त्र बलों, पुलिस, मीडिया, स्वास्थ्य, खेल, उद्योग, सरकारी संस्थानों और जमीनी संगठनों से जुड़ी महिलाएं शामिल होंगी। प्रतिभागी 'शी लीड्स भारत' थीम के साथ एकजुट होकर महिलाओं की

भूमिका को रेखांकित करेंगी। इस वॉक का नेतृत्व महिला जनप्रतिनिधि करेंगी, जिनमें केंद्रीय मंत्री, राज्य मंत्री, सांसद, विधायक और विभिन्न क्षेत्रों की प्रमुख महिला हस्तियां शामिल होंगी। कार्यक्रम की शुरुआत गणमान्य व्यक्तियों के संक्षिप्त संबोधन से होगी और इसके बाद वॉक को हरी झंडी दिखाई जाएगी। कर्तव्य पथ पर महिलाओं से जुड़ी प्रमुख सरकारी योजनाओं और विभिन्न क्षेत्रों में महिलाओं की उपलब्धियों को दर्शाने वाली प्रदर्शनी भी लगाई जाएगी। इंडिया गेट पर सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित होगा, जिसमें वंदे मातरम की सामूहिक प्रस्तुति के साथ डोल्लू कुनिथा, कलारिपयट्टू, श्रृंगारिमेलम, रणचंडी और घूमर जैसे पारंपरिक नृत्य प्रस्तुत किए जाएंगे।

भारत ने ईरान के आईरिस लावन को दी शरण, 183 चालक दल के सदस्यों को कोच्चि में ठहराया

नई दिल्ली। मिडिल ईस्ट में अमेरिका और ईरान के बीच जारी संघर्ष अब भारत के समुद्री पड़ोस तक पहुंच गया है। श्रीलंका के तट के पास एक अमेरिकी पनडुब्बी द्वारा ईरानी युद्धपोत को डुबोए जाने के बाद, भारत ने ईरान के एक दूसरे युद्धपोत आईरिस लावन को कोच्चि बंदरगाह पर रुकने की अनुमति दे दी है। इस कदम को भारत द्वारा अमेरिका और ईरान के बीच एक बेहद जटिल बैलेंसिंग एक्ट के रूप में देखा जा रहा है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक तनाव की शुरुआत बुधवार को हुई जब श्रीलंका के तट से करीब 19 समुद्री मील दूर एक अमेरिकी पनडुब्बी ने ईरानी फ्रिगेट आईरिस डेना पर टॉरपीडो से हमला कर उसे डुबो दिया था। इस भीषण हमले में 87 ईरानी नाविकों की मौत हो गई। इस घटना ने पूरे हिंद महासागर क्षेत्र में सुरक्षा को लेकर चिंता पैदा कर दी है, क्योंकि यह पहली बार है जब अमेरिका-ईरान संघर्ष भारत के इतने करीब पहुंच गया है। ईरानी युद्धपोत आईरिस लावन एक उभयचर युद्धपोत है। यह पिछले महीने भारत द्वारा आयोजित इंटरनेशनल फ्लीट रिव्यू में हिस्सा लेने आया था।

ख़ास ख़बर

औद्योगिक गोदामों में चोरी के मामलों में वांछित आरोपित गिरफ्तार

लोकतंत्र की शान : नई दिल्ली। दिल्ली पुलिस की क्राइम ब्रांच ने औद्योगिक गोदामों में चोरी के 16 साल पुराने मामलों में फरार चल रहे भगोड़े अपराधी को गिरफ्तार किया है। पकड़े गए आरोपित की पहचान जिला बांका, बिहार निवासीसंतोष मंडल उर्फ संतोष कुमार उर्फ सदानंद मंडल (36) के रूप में हुई है। वह वर्ष 2011 में समयपुर बादली थाना क्षेत्र में दर्ज तीन गोदाम चोरी के मामलों में वांछित था और 2019 में रोहिणी कोर्ट ने उसे भगोड़ा घोषित किया था। पुलिस उपायुक्त (क्राइम ब्रांच) हर्ष इंदौरा ने शनिवार को बताया कि क्राइम ब्रांच की डब्ल्यूआर-2 यूनिट लंबे समय से फरार अपराधियों की तलाश में अभियान चला रही है। इसी दौरान 6 मार्च को हेड कांस्टेबल अजय को सूचना मिली कि घोषित अपराधी संतोष मंडल रोहिणी इलाके में लांसर कॉन्वेंट स्कूल के पास आने वाला है। सूचना को गंभीरता से लेते हुए एक टीम का गठन किया गया। पुलिस उपायुक्त के अनुसार जांच के दौरान एसआई अनुज छिकारा और हेड कांस्टेबल रविंदर ने तकनीकी निगरानी कर आरोपित की लोकेशन ट्रेस की। इसके बाद पुलिस टीम ने रोहिणी इलाके में बताए गए स्थान के पास घेराबंदी कर छापा मारा और आरोपित संतोष मंडल को दबोच लिया। पुलिस के अनुसार आरोपित वर्ष 2011 में समयपुर बादली थाना क्षेत्र में औद्योगिक गोदामों में चोरी के तीन मामलों—एफआईआर नंबर 337/2011, 245/2011 और 221/2011—में वांछित था। इन मामलों में उसके खिलाफ आईपीसी की धारा 380, 457, 411 और 34 के तहत मुकदमे दर्ज किए गए थे। आरोपित अदालत में पेश नहीं हुआ, जिसके बाद 29 नवंबर 2019 को रोहिणी कोर्ट ने उसे भगोड़ा घोषित कर दिया था। पूछताछ में आरोपित ने खुलासा किया कि वह औद्योगिक क्षेत्रों के गोदामों में चोरी और लूटपाट करने वाले गिरोह का सदस्य था। आरोपित पढ़ा-लिखा नहीं है और बिहार के अपने गांव में पला-बढ़ा। वर्ष 2011 में वह काम की तलाश में दिल्ली आया था और शुरुआत में मजदूरी करता था। कम कमाई से असंतुष्ट होकर वह आपराधिक साथियों के संपर्क में आ गया और औद्योगिक गोदामों में चोरी और लूट की वारदातें करने लगा। पुलिस के अनुसार आरोपित पहले भी कई मामलों में गिरफ्तार हो चुका है और उससे चोरी का सामान भी बरामद किया गया था। बाद में जमानत पर छूटने के बाद वह दिल्ली छोड़कर बिहार भाग गया और वहीं रहकर गिरफ्तारी से बचता रहा। वहीं पुलिस रिकॉर्ड के अनुसार आरोपित पर समयपुर बादली, कंझावला और पश्चिम विहार पश्चिम थानों में चोरी, लूट और डकैती के मामले दर्ज हैं। इनमें वर्ष 2011 के दौरान दर्ज की कई एफआईआर भी शामिल हैं।

होली पर दो समुदाय के बीच झगड़े में 6 गिरफ्तार

लोकतंत्र की शान : नई दिल्ली। द्वारका जिले के उत्तम नगर इलाके में पानी के गुब्बारे को लेकर दो समुदाय के बीच हुआ झगड़ा हिंसक हो गया। मारपीट में घायल 26 वर्षीय युवक की मौत हो गई। मामले में द्वारका जिला पुलिस ने छह आरोपितों को गिरफ्तार किया है, जबकि एक नाबालिग को पकड़ा है। पुलिस का कहना है कि इलाके में स्थिति पूरी तरह नियंत्रण में है। द्वारका जिला के पुलिस उपायुक्त कुशल पाल सिंह ने शनिवार को बताया कि चार मार्च की रात करीब 11:09 बजे उत्तम नगर थाने में पड़ोसियों के बीच झगड़े की पीसीआर कॉल मिली थी। पुलिस टीम मौके पर पहुंची तो पता चला कि एक लड़की द्वारा पानी का गुब्बारा फेंकने को लेकर विवाद शुरू हुआ था, जो बाद में दो परिवारों के बीच मारपीट में तब्दील हो गया। घटना के दौरान दोनों पक्षों के लोग सड़क पर इकट्ठा हो गए और आपस में हाथापाई होने लगी। इस झगड़े में एक पक्ष के तीन और दूसरे पक्ष के पांच लोग घायल हो गए। सभी घायलों को अस्पताल ले जाया गया, जहां एक को छोड़कर बाकी सभी को उसी दिन छुट्टी दे दी गई। मामले में पुलिस ने शुरू में भारतीय न्याय संहिता की धारा 110 और 3(5) के तहत मामला दर्ज कर चार वयस्क आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया था, जबकि एक नाबालिग को पकड़ लिया गया था। हालांकि 5 मार्च की दोपहर अस्पताल में भर्ती घायल तरुण (26) की इलाज के दौरान मौत हो गई। इसके बाद पुलिस ने मामले में बीएनएस की धारा 103(1) भी जोड़ दी। पुलिस के अनुसार दोनों परिवार पिछले कई वर्षों से एक-दूसरे को जानते हैं और उनके बीच पहले भी पार्किंग, कूड़ा फेंकने जैसे मामूली मुद्दों को लेकर विवाद होता रहा है। पुलिस उपायुक्त ने बताया कि मामले में त्वरित कार्रवाई करते हुए अब तक कुल सात लोगों को पकड़ लिया गया है। जिनमें छह वयस्कों को गिरफ्तार किया गया है और एक नाबालिग को बीती देर रात पकड़ा है। पुलिस ने कहा कि कुछ असामाजिक तत्व इस घटना को अलग रंग देने की कोशिश कर रहे हैं और कानून-व्यवस्था बिगाड़ने का प्रयास कर रहे हैं। ऐसे लोगों के खिलाफ भी सख्त कार्रवाई की जा रही है। पुलिस ने लोगों से अपील की है कि वे अफवाहों और सुनी-सुनाई बातों पर विश्वास न करें। फिलहाल इलाके में स्थिति पूरी तरह नियंत्रण में है।

तरुण की हत्या के दोषियों को बख्शा नहीं जाएगा : रविंद्र इंद्राज

लोकतंत्र की शान : नई दिल्ली। दिल्ली के समाज कल्याण मंत्री रविंद्र इंद्राज सिंह ने उत्तम नगर में होली के दौरान युवक तरुण की हत्या पर संवेदनाएं व्यक्त की। उन्होंने कहा कि समाज में शांति और भाईचारे को बिगाड़ने

वाले तत्वों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी और किसी भी दोषी को बख्शा नहीं जाएगा। मंत्री इंद्राज ने शनिवार को दिल्ली के स्वास्थ्य मंत्री पंकज कुमार सिंह, सांसद कमलजीत सहरावत और नजफगढ़ जिला अध्यक्ष राज शर्मा के साथ पीड़ित परिवार से मिले। उन्होंने कहा कि यह घटना अत्यंत पीड़ादायक और हृदयविदारक है। उन्होंने कहा कि होली जैसे आपसी भाईचारे, प्रेम और उल्लास के पर्व को कुछ दोषियों ने अपनी हिंसक मानसिकता से कलंकित करने का दुस्साहस किया है, जो अत्यंत दुर्भाग्यपूर्ण है। मंत्री इंद्राज ने कहा कि दिल्ली सरकार इस कठिन घड़ी में पीड़ित परिवार के साथ मजबूती से खड़ी है। उन्होंने परिवार को आश्वस्त किया कि दोषियों को उनके किए की कड़ी से कड़ी सजा दिलाई जाएगी और कानून पूरी मुस्तैदी के साथ अपना काम करेगा। उन्होंने कहा कि सरकार यह सुनिश्चित करेगी कि पीड़ित परिवार को न्याय मिले और इस मामले में हर आवश्यक कदम उठाया जाएगा। मंत्री पंकज सिंह ने कहा कि हमने सांसद और अन्य लोगों के साथ शोक संतप्त परिवार से मुलाकात की। इस कठिन समय में दिल्ली सरकार परिवार के साथ खड़े हैं। उन्होंने कहा कि प्रशासन और पुलिस अपना काम कर रही है। यह घटना बेहद निंदनीय है और ऐसी त्रासदी को शब्दों में बयान करना असंभव है। मंत्री पंकज सिंह ने कहा कि होली के दिन एक पिता ने अपने बेटे को इस तरह खो दिया। उन्होंने कहा कि पुलिस अपना कर्तव्य पूरी तरह निभाएगी और हम सभी को शांति और भाईचारा बनाए रखना चाहिए। सांसद कमलजीत सहरावत ने कहा कि इस अमानवीय घटना ने पूरे क्षेत्र को झकझोर दिया है। शोक संतप्त परिवार के दुख में हम सब समान रूप से सहभागी हैं। हमने परिवार को हर संभव सहायता का आश्वासन दिया है और संबंधित प्रशासनिक अधिकारियों को इस मामले में शीघ्र, निष्पक्ष और कठोर कार्रवाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने कहा कि दोषियों को किसी भी स्थिति में बख्शा नहीं जाएगा। पीड़ित परिवार को न्याय दिलाना हमारी प्राथमिकता है।

दिल्ली में दो करोड़ की ड्रग्स के साथ दो आरोपित गिरफ्तार

लोकतंत्र की शान

नई दिल्ली। दिल्ली पुलिस की क्राइम ब्रांच की एंटी नारकोटिक्स टास्क फोर्स (एएनटीएफ) ने अंतरराज्यीय ड्रग तस्करी नेटवर्क का भंडाफोड़ करते हुए करीब दो करोड़ रुपये की नशीली दवाएं बरामद कर दो आरोपितों को गिरफ्तार किया है। पुलिस उपायुक्त (एएनटीएफ/क्राइम ब्रांच) संजीव कुमार यादव के मुताबिक गिरफ्तार मुख्य आरोपित की पहचान मोती नगर निवासी सार्थक त्यागी (30) के रूप में हुई है। इसके अलावा उसके सप्लायर अशोक विहार निवासी कुलप्रीत सिंह उर्फ सनी (29) के रूप में हुई है।पुलिस उपायुक्त यादव ने शनिवार को बताया कि दिल्ली पुलिस के चल रहे एंटी-ड्रग अभियान के तहत एएनटीएफ लगातार ड्रग तस्करों के खिलाफ कार्रवाई कर रही है। इस बीच रात करीब 10 बजे टीम को गुप्त सूचना मिली कि मोती नगर इलाके में रहने वाला एक व्यक्ति बड़ी मात्रा में

नशीले पदार्थों की तस्करी में शामिल है। सूचना की पुष्टि के बाद एक टीम गठित की गई। पुलिस टीम ने मोती नगर स्थित आरोपित के घर पर छापा मारा और पहली मंजिल पर बने कमरे से सार्थक त्यागी को पकड़ लिया। तलाशी के दौरान उसके पास से कई तरह के मादक और साइकोट्रोपिक पदार्थ बरामद हुए, जिससे संगठित ड्रग तस्करी का खुलासा हुआ। बरामद नशीले पदार्थों में 1016 ग्राम गांजा, 1112 ग्राम चरस, 17 ग्राम एमडीएमए, 1 ग्राम एक्स्टेसी टैबलेट और 4 ग्राम शरूम्स शामिल हैं। पुलिस के मुताबिक इन सभी नशीले पदार्थों की अंतरराष्ट्रीय अवैध बाजार में कीमत करीब एक करोड़ रुपये आंकी गई है। सभी मादक पदार्थों को एनडीपीएस एक्ट के तहत कानूनी प्रक्रिया का पालन करते हुए जब्त कर लिया गया और आरोपित को गिरफ्तार कर लिया गया। इस संबंध में क्राइम ब्रांच थाने में एफआईआर नंबर 32/26 के तहत एनडीपीएस एक्ट की धाराओं 20, 22 और 25 में मामला दर्ज किया गया है। पूछताछ के दौरान आरोपित ने खुलासा किया कि वह अंतरराज्यीय नेटवर्क के जरिए अलग-अलग प्रकार के नशीले पदार्थ मंगाकर दिल्ली में सप्लाई करता था। जांच के दौरान पुलिस को उसके एक सप्लायर के बारे में जानकारी मिली। जिसकी पहचान कुलप्रीत सिंह उर्फ सनी के रूप में हुई। इसके बाद एसआई रोहित के नेतृत्व में क्राइम ब्रांच की टीम ने त्वरित कार्रवाई करते हुए कुलप्रीत सिंह उर्फ सनी को भी दबोच लिया। पुलिस अब इस नेटवर्क से जुड़े अन्य लोगों की पहचान कर उन्हें पकड़ने की कोशिश कर रही है।पुलिस के अनुसार मुख्य आरोपित सार्थक त्यागी पेशे से प्रॉपर्टी डीलर है और उसके खिलाफ पहले भी आपराधिक मामले दर्ज हैं। वर्ष 2018 में मोती नगर थाने में हत्या के प्रयास (धारा 307) और वर्ष 2015 में गैर इरादतन हत्या के प्रयास (धारा 308) का मामला दर्ज हो चुका है। प्रारंभिक जांच में यह भी सामने आया है कि सह-आरोपित कुलप्रीत सिंह उर्फ सनी हिमाचल प्रदेश के मंडी जिले में एनडीपीएस एक्ट के एक मामले में भी कथित रूप से शामिल रहा है। इसकी जानकारी की पुष्टि की जा रही है। पुलिस ने कहा है कि ड्रग तस्करी के खिलाफ जीरो टॉलरेंस नीति के तहत ऐसे ऑपरेशन लगातार जारी रहेंगे। इस मामले में आगे की जांच की जा रही है और पूरे नेटवर्क को ध्वस्त करने के लिए अन्य आरोपितों की तलाश की जा रही है।

मंत्री पंकज सिंह ने सांसद सहरावत के साथ उत्तम नगर हत्या मामले में पीड़ित परिवार से मुलाकात की

लोकतंत्र की शान

नई दिल्ली। दिल्ली के कैबिनेट मंत्री पंकज सिंह ने सांसद कमलजीत सहरावत के साथ शनिवार को उत्तम नगर हत्या मामले में पीड़ित परिवार से मुलाकात की। उन्होंने इस घटना को अत्यंत शर्मनाक और दुखद बताते हुए परिवार को सांत्वना दी। पंकज सिंह ने कहा कि आज सांसद और अन्य लोगों के साथ दुखी परिवार से मिला। इस कठिन समय में सरकार परिवार के साथ खड़ी हैं और उन्हें आश्वासन दिया है कि प्रशासन और पुलिस अपना काम करेगी। जो घटना हुई है वह बेहद निंदनीय है और ऐसी त्रासदी का वर्णन करने के लिए शब्द नहीं हैं। दो दिन पहले ही एक पिता ने अपने बेटे को इस तरह खो दिया है। पंकज सिंह ने इसे अत्यंत शर्मनाक घटना बताते हुए दोषियों के खिलाफ सख्त कार्यवाही का भरोसा दिया है और सभी से शांति और भाईचारा बनाए रखने की अपील की। इस मौके पर सांसद सहरावत ने जनता से अपराधियों को कड़ी सजा दिलाने का आश्वासन दिया है। उन्होंने बताया कि पीड़ित बच्चा विवाद में शामिल नहीं था और बाहर से आकर बाइक पार्क कर रहा था, जब उस पर हमला किया गया। उन्होंने इस घटना की निंदा की। उल्लेखनीय है कि होली के दिन उत्तम नगर की जेजे कॉलोनी में एक नाबालिग लड़की के पानी से भरा गुब्बारा फेंकने को लेकर अलग-अलग समुदाय के दो परिवार भिड़ गए थे। बाद में दूसरे पक्ष ने होली खेलकर आ रहे लड़की के रिश्तेदार तरुण की पीट-पीट कर हत्या कर दी। घटना को लेकर इलाके में तनाव है और इलाके में भारी संख्या में पुलिस बल तैनात हैं। शुक्रवार को आक्रोशित लोगों ने आरोपितों के घर के सामने बाइक और कार में आग लगा दी थी।

संयुक्त राष्ट्र मुख्यालय में आयोजित महिलाओं की स्थिति पर गठित आयोग के 70वें सत्र में भाग लेंगी सावित्री ठाकुर

लोकतंत्र की शान

नई दिल्ली। महिला एवं बाल विकास राज्यमंत्री सावित्री ठाकुर 9 से 12 मार्च तक अमेरिका की यात्रा पर रहेंगी। इस दौरान वे संयुक्त राष्ट्र मुख्यालय में आयोजित महिलाओं की स्थिति पर गठित आयोग के 70वें सत्र में भाग लेंगी। महिलाओं की स्थिति पर आयोग लैंगिक समानता को बढ़ावा देने और महिलाओं के सशक्तीकरण के लिए समर्पित प्रमुख वैश्विक अंतर-सरकारी निकाय है। इस यात्रा के दौरान मंत्री आयोग की चर्चा में भारत की ओर से वक्तव्य देंगी। इसके अलावा वे "महिलाओं और बालिकाओं के खिलाफ हिंसा" विषय पर आयोजित उच्चस्तरीय बैठक को भी संबोधित करेंगी। महिला एवं बाल विकास मंत्रालय के बयान के अनुसार सावित्री ठाकुर अपने संबोधन में महिला-नेतृत्व वाले विकास, न्याय तक बेहतर पहुंच तथा महिलाओं और बालिकाओं की सुरक्षा, सम्मान और सशक्तीकरण के लिए भारत की पहलों को उजागर करेंगी।

मंत्री एक साइड इवेंट में भी भाग लेंगी जिसका विषय होगा- "महिला-नेतृत्व वाला विकास और दक्षिण-दक्षिण सहयोग फंड की सफलता की कहानियां" है।यह कार्यक्रम न्यूयॉर्क में संयुक्त राष्ट्र में भारत के स्थायी मिशन द्वारा आयोजित किया जा रहा है। इसमें भारत-ब्राज़ील-दक्षिण अफ्रीका फंड के तहत चलाए गए सफल विकास सहयोग कार्यक्रमों को प्रदर्शित किया जाएगा, विशेषकर वे पहल जो महिलाओं के सशक्तीकरण और ग्लोबल साउथ के देशों में समावेशी विकास को मजबूत

करने पर केंद्रित हैं।सीएसडब्ल्यू -70वें सत्र के मुख्य विषयों में सभी महिलाओं और बालिकाओं के लिए न्याय तक पहुंच सुनिश्चित और मजबूत करना, जिसमें समावेशी और समान कानूनी व्यवस्था को बढ़ावा देना, भेदभावपूर्ण कानूनों, नीतियों और प्रथाओं को समाप्त करना तथा संरचनात्मक बाधाओं को दूर करना शामिल है।समीक्षा विषय के तहत सार्वजनिक जीवन में महिलाओं की पूर्ण और प्रभावी भागीदारी और निर्णय-निर्माण तथा महिलाओं और बालिकाओं के खिलाफ हिंसा के उन्मूलन की प्रगति की समीक्षा की जाएगी। यह 65वें सत्र के सहमति निष्कर्षों के अनुरूप होगा।

राहुल बोलेः भारत का डेटा दुनिया में सबसे कीमती, मोदी सरकार इसे अमेरिका को सौंप रही

लोकतंत्र की शान

नई दिल्लीः लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी कहा है कि भारत का डेटा दुनिया में सबसे कीमती है, लेकिन मोदी सरकार व्यापार समझौते के जरिए इसे अमेरिका को सौंप रही है। उन्होंने कहा कि भारत को अपनी ताकत को समझते हुए ही वैश्विक स्तर पर बातचीत करनी चाहिए। केरल के तिरुवनंतपुरम स्थित टेक्नोपार्क में आईटी पेशेवरों और उद्यमियों के साथ संवाद के दौरान राहुल गांधी ने कहा कि भारत के पास प्रतिभाशाली मानव संसाधन, विविधता और मजबूत इंजीनियरिंग तथा मेडिकल क्षमता है। इन ताकतों के आधार पर भारत लोकतांत्रिक मूल्यों को बनाए रखते हुए विश्वस्तरीय उत्पादन और औद्योगिक व्यवस्था खड़ी कर सकता है और सही नीतियों व दूरदृष्टि के साथ चीन से मुकाबला कर सकता है। राहुल गांधी ने मौजूदा आर्थिक ढांचे की आलोचना करते हुए कहा कि देश की अर्थव्यवस्था कुछ बड़े व्यवसायिक समूहों के नियंत्रण में सिमटती जा रही है। उनके अनुसार बड़े उद्योगपति मुख्यतः विदेशी उत्पाद बेच रहे हैं, जिससे घरेलू विनिर्माण और स्थानीय उत्पादकों को नुकसान पहुंच रहा है। उन्होंने वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) को "उत्पादन विरोधी" बताते हुए कहा कि इससे रोजगार सृजन की रीढ़ माने जाने वाले छोटे और मध्यम उद्योग प्रभावित हुए हैं। गांधी ने कहा कि मौजूदा कर व्यवस्था उत्पादन आधारित राज्यों को नुकसान पहुंचाती है, जबकि उपभोग आधारित राज्यों को अपेक्षाकृत लाभ मिलता है। कांग्रेस नेता ने कहा कि नौकरियां दुनिया से खत्म नहीं होतीं, बल्कि

एक स्थान से दूसरे स्थान पर स्थानांतरित होती हैं। उनके अनुसार देशों के बीच आज प्रतिस्पर्धा इस बात को लेकर है कि वे अपने नागरिकों के लिए रोजगार के अवसर किस तरह आकर्षित करते हैं, जिसके लिए बेहतर कनेक्टिविटी, अवसंरचना और मजबूत औद्योगिक नीति आवश्यक है।

बेटी की हत्या के मामले में दस साल से फरार आरोपित गिरफ्तार

लोकतंत्र की शान

नई दिल्ली। दिल्ली पुलिस की क्राइम ब्रांच ने 10 साल पुराने हत्या के मामले में फरार चल रहे आरोपित को दिल्ली से गिरफ्तार किया है। आरोपित वर्ष 2016 में जम्मू के गांधी नगर इलाके में अपनी ही 10 वर्षीय बेटी की हत्या करने के बाद फरार हो गया था और पहचान बदलकर दिल्ली में रह रहा था। क्राइम ब्रांच के पुलिस उपायुक्त हर्ष इंदौरा ने शनिवार को बताया कि गिरफ्तार आरोपित की पहचान छतरपुर (मध्य प्रदेश)निवासी रमेश कुमार के रूप में हुई है। वह जम्मू के गांधी नगर थाने में दर्ज एफआईआर नंबर 176/2016 में हत्या (धारा 302 आईपीसी) के मामले में वांछित था। वारदात के बाद से यह मामला करीब एक दशक तक

अनसुलझा पड़ा हुआ था, क्योंकि आरोपित लगातार पुलिस से बचता रहा और उसने अपनी पहचान बदल ली थी। पुलिस उपायुक्त के मुताबिक वर्ष 2016 में रमेश कुमार जम्मू में मजदूरी करता था। उसी दौरान उसे शक हुआ कि उसकी 10 वर्षीय बेटी उसकी जैविक संतान नहीं है। इसी शक में उसने अपनी बेटी के सिर पर डंडे से हमला कर दिया। गंभीर रूप से घायल बच्ची को इलाज के लिए अस्पताल ले जाया गया, लेकिन उपचार के दौरान उसकी मौत हो गई। वारदात के बाद आरोपित जम्मू से फरार हो गया। गिरफ्तारी से बचने के लिए आरोपित दिल्ली आ गया और यहां अपना नाम बदलकर राजवीर रख लिया। वह दक्षिण दिल्ली के भाटी माइंस इलाके स्थित संजय कॉलोनी में रह रहा था और इसी नाम से अपनी पहचान छिपाकर कई वर्षों तक पुलिस से बचता रहा। पुलिस उपायुक्त ने बताया कि क्राइम ब्रांच की डब्ल्यूआर-2 यूनिट टीम अंतरराज्यीय अपराधियों के खिलाफ लगातार अभियान चला रही है। इसी दौरान जम्मू पुलिस की ओर से इस मामले में आरोपित की तलाश को लेकर सूचना और अनुरोध प्राप्त हुआ। इसके बाद क्राइम ब्रांच ने आरोपित की तलाश शुरू की। जांच के दौरान हेड कांस्टेबल मयंक को सूचना मिली कि आरोपित भाटी माइंस इलाके में रह रहा है। पुलिस टीम ने संदिग्ध इलाके में कई दिनों तक तकनीकी विश्लेषण और मैनुअल निगरानी की। लगातार प्रयासों और जमीनी स्तर पर की गई जांच के बाद टीम ने भाटी माइंस क्षेत्र में आरोपित का पता लगा लिया और उसे दबोचा। आरोपित को पकड़ने के बाद इसकी सूचना तुरंत जम्मू पुलिस को दी गई। इसके बाद जम्मू पुलिस के जांच अधिकारी दिल्ली पहुंचे और आरोपित को इस मामले में औपचारिक रूप से गिरफ्तार कर अपने साथ ले गए। क्राइम ब्रांच के अधिकारियों ने कहा कि आरोपित की गिरफ्तारी से 10 साल पुराने हत्या के मामले का खुलासा हुआ है।

एआई समिट में प्रदर्शन मामले में सिद्धार्थ अवधूत की रिहाई का आदेश

लोकतंत्र की शान

नई दिल्ली। दिल्ली के पटियाला हाउस कोर्ट ने एआई शिखर सम्मेलन के दौरान अर्धनग्न प्रदर्शन के मामले में भारतीय युवा कांग्रेस के कार्यकर्ता सिद्धार्थ अवधूत को जेल से रिहा करने का आदेश दिया। कोर्ट ने सिद्धार्थ अवधूत की ओर से पेश जमानती के सत्यापन के बाद यह आदेश दिया। अवधूत को हिमाचल प्रदेश से गिरफ्तार किया गया था। कोर्ट ने 5 मार्च को ही सिद्धार्थ अवधूत की जमानत मंजूर की थी। कोर्ट ने 50 हजार के मुचलके पर रिहा करने का आदेश दिया था। सुनवाई के दौरान सिद्धार्थ अवधूत के वकील नंदिता राव ने कहा कि याचिकाकर्ता की भूमिका दूसरे सह-आरोपितों से अलग है। सुनवाई के दौरान दिल्ली पुलिस ने जमानत याचिका का विरोध किया था। दिल्ली पुलिस के वकील अतुल श्रीवास्तव ने कहा कि जमानत याचिका पहले भी खारिज की जा चुकी है और वो दूसरे सह-आरोपितों को मिली जमानत को आधार नहीं बना सकता है। तब नंदिता राव ने कहा कि अवधूत के खिलाफ जांच पूरी हो चुकी है। उसके भागने का भी डर नहीं है और समाज में उसकी जड़ें गहरी हैं। सुनवाई के दौरान दिल्ली पुलिस ने कहा कि प्रदर्शनकारियों द्वारा पहनी गई टी-शर्ट को डिजाइन करने और प्रिंट करवाने में सिद्धार्थ अवधूत की मुख्य भूमिका थी। दो मार्च को पटियाला हाउस कोर्ट की मजिस्ट्रेट कोर्ट ने इस मामले में युवा कांग्रेस के नौ कार्यकर्ताओं को जमानत दी थी। मजिस्ट्रेट कोर्ट के आदेश को दिल्ली पुलिस ने सेशंस कोर्ट में चुनौती दी थी जिस पर नौ कार्यकर्ताओं को नोटिस जारी किया गया था। इस मामले में युवा कांग्रेस के अध्यक्ष उदय भानु चिब को 28 फरवरी को मजिस्ट्रेट कोर्ट के जमानत मिली थी। 28 फरवरी को ही सेशंस कोर्ट ने जमानत पर रोक लगा दिया था। दिल्ली उच्च न्यायालय ने 2 मार्च को चिब को जमानत पर लगी रोक को हटा दिया था। इस मामले में युवा कांग्रेस के महासचिव निगम भंडारी को 24 मार्च तक की अंतरिम जमानत मिल चुकी है।

महिलाओं द्वारा 90 से अधिक शहरों में थैलेसीमिया एवं कैंसर जागरूकता के लिए राष्ट्रीय अभियान

» "आईआईएफएल उद्देश्य सहित राष्ट्रीय कार रैली" महिला दिवस पर, इंडिया बुक ऑफ रिकॉर्ड्स में स्थान बनाने का लक्ष्य

लोकतंत्र की शान

8 मार्च 2026 को अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर देशभर की हजारों महिलाएँ "आईआईएफएल उद्देश्य सहित राष्ट्रीय कार रैली" के माध्यम से सड़कों पर उतरेंगी। यह एक शक्तिशाली राष्ट्रीय पहल है, जिसका उद्देश्य थैलेसीमिया और कैंसर के प्रति जागरूकता फैलाना तथा समाज को निवारक स्वास्थ्य देखभाल को प्राथमिकता देने के लिए प्रेरित करना है। जैन इंटरनेशनल ट्रेड ऑर्गेनाइजेशन

(जीटो) लेडीज़ विंग द्वारा आयोजित यह रैली भारत के 90 से अधिक शहरों में आयोजित की जा रही है, जहाँ प्रत्येक शहर में 50 से अधिक कारों की भागीदारी होगी। यह असाधारण पहल देश की सबसे बड़ी समन्वित स्वास्थ्य जागरूकता कार रैलियों में से एक बनने की दिशा में अग्रसर है और इसका लक्ष्य इंडिया बुक ऑफ रिकॉर्ड्स में स्थान प्राप्त करना है। यह अभियान रोकथाम, समय पर पहचान और जागरूक स्वास्थ्य निर्णयों के महत्व पर विशेष जोर देता है। कई शहरों में चिकित्सकों द्वारा जागरूकता सत्र आयोजित किए जाएंगे, जिनमें परिवारों को थैलेसीमिया वाहक जाँच, कैंसर के प्रारंभिक लक्षणों तथा नियमित स्वास्थ्य परीक्षण के महत्व के बारे में जानकारी दी जाएगी। कुछ स्थानों पर स्वास्थ्य परीक्षण शिविर भी आयोजित किए जाएंगे, जिससे जागरूकता को वास्तविक और प्रभावी कार्यवाही में परिवर्तित किया जा सके।

विजय भंडारी, अध्यक्ष, जीटो एपेक्स, ने कहाः "स्वास्थ्य जागरूकता एक प्रगतिशील समाज की सबसे महत्वपूर्ण जिम्मेदारियों में से एक है। यह रैली दर्शाती है कि समुदाय किस प्रकार एक साथ आकर रोकथाम को बढ़ावा दे सकते हैं, समय पर चिकित्सा देखभाल के लिए प्रेरित कर सकते हैं और एक स्वस्थ भविष्य का निर्माण कर सकते हैं।"

सोनाली दुगर, डीआईसी एपेक्स जेएलडब्ल्यू (जीटो लेडीज़ विंग) ने कहाः "जब महिलाएँ एक उद्देश्य के साथ एकजुट होती हैं, तो उसका प्रभाव सड़कों से कहीं आगे तक जाता है। यह रैली जागरूकता पैदा करने, लोगों को प्रेरित करने और समाज को अपने स्वास्थ्य की जिम्मेदारी लेने के लिए प्रोत्साहित करने का एक सशक्त माध्यम है।"

शीतल दुगर, राष्ट्रीय अध्यक्षा - जेएलडब्ल्यू, ने कहाः "थैलेसीमिया के बारे में जागरूकता बढ़ाकर हम एक थैलेसीमिया-मुक्त भारत की दिशा में कदम बढ़ा सकते हैं, वहीं कैंसर की समय पर पहचान अनगिनत जीवन बचा सकती है। मैं एपेक्स कार्यसमिति के सभी सदस्यों तथा सभी अध्याय अध्यक्षों और मुख्य सचिवों का हृदय से आभार व्यक्त करती हूँ, जिनकी प्रतिबद्धता और अथक प्रयासों से यह राष्ट्रीय अभियान संभव हो पाया है।"

संक्षिप्त समाचार

संपूर्ण समाधान दिवस में डीएम एसपी ने सुनी फरियादियों की फरियाद

लोक तंत्र की शान प्रवीण अग्रवाल जिला प्रभारी अमरोहाः हसनपुर : शनिवार को संपूर्ण समाधान दिवस में जिलाधिकारी एवं पुलिस अधीक्षक ने फरियादियों की फरियाद सुनी, संपूर्ण समाधान दिवस में 28 शिकायतें दर्ज की गई जिसमें से अधिकारियों द्वारा तीन शिकायतों का मौके पर निस्तारण कर दिया गया, बाकी बची हुई 25 शिकायतों के निस्तारण हेतु संबंधित विभाग के अधिकारियों को आदेशित किया गया, शासन के निर्देश पर शनिवार को ग्राम करनपुर माफी स्थित तहसील कार्यालय के सभागार कक्ष में संपूर्ण समाधान दिवस का आयोजन किया गया संपूर्ण समाधान दिवस में जिलाधिकारी निधि गुप्ता वत्स एवं पुलिस अधीक्षक अमित कुमार आनंद द्वारा क्षेत्र वासियों की समस्याएं शिकायतें सुनी गई, संपूर्ण समाधान दिवस में राजस्व विभाग की 9, पुलिस विभाग की 5, विकास विभाग की 4, पूर्ति विभाग की 1, चकबंदी विभाग की 3, विद्युत विभाग की 4, एवं अन्य विभागों की 2, कुल 28 शिकायत दर्ज की गई, जिसमें से अधिकारी द्वारा तीन शिकायतों का मौके पर निस्तारण करा दिया गया, बाकी बची हुई 25 शिकायतों के निस्तारण के गुणवत्ता पूर्वक निस्तारण करने के निर्देश संबंधित विभाग के अधिकारियों को जिलाधिकारी द्वारा दिए गए, जिलाधिकारी ने शिकायतों को गंभीरता से लेते हुए मौके पर जाकर निस्तारण करने के निर्देश दिए हैं, संपूर्ण समाधान दिवस में एसडीएम हिमांशु उपाध्याय, तहसीलदार परमानंद श्रीवास्तव, प्रभारी निरीक्षक राजेश कुमार तिवारी, अधिशासी अधिकारी विजयपाल सिंह, वन क्षेत्र अधिकारी नरेश कुमार, एसडीओ मिथिलेश यादव आदि सहित समस्त विभागों के अधिकारी व कर्मचारी मौजूद रहे 1

यूजीसी बिल वापस लेने को स्वर्ण परिषद ने प्रधानमंत्री के नाम संबोधित ज्ञापन सौंपा

लोक तंत्र की शान प्रवीण अग्रवाल जिला प्रभारी अमरोहाः हसनपुरः शनिवार को यूजीसी बिल वापस लेने को स्वर्ण परिषद के लोगों ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नाम संबोधित ज्ञापन उप जिला अधिकारी हसनपुर को सौपा, बता ते चले कि शनिवार को स्वर्ण परिषद के कार्यकर्ताओं ने करनपुर स्थित नवीन तहसील में पहुंचकर जमकर विरोध प्रदर्शन एवं नारेबाजी की वही प्रदर्शन एवं नारेबाजी की आवाजों को सुनकर मौके पर पहुंचे एसडीएम हिमांशु उपाध्याय को स्वर्ण परिषद के कार्यकर्ताओं ने भारत के प्रधानमंत्री के नाम संबोधित चार सूत्रीय ज्ञापन सौंपा, ज्ञापन के माध्यम से तर्क दिया गया कि नए नियम देश की उच्च शिक्षा व्यवस्था में असमानता और भेदभाव पैदा कर सकते हैं वहीं प्रस्तावित कानून एकपक्षीय है जिससे सामान्य वर्ग के छात्र-छात्राओं का शैक्षणिक और व्यावसायिक भविष्य प्रभावित हो सकता है, वही संगठन का मानना है कि इन नियमों से अगड़ी जाति के छात्रों और शिक्षकों को अनुचित रूप से निशाना बनाया जा सकता है, वही स्वर्ण परिषद ने झूठी शिकायतों के खिलाफ सुरक्षात्मक प्रावधानों की कमी पर भी चिंता व्यक्त की है, उन्होंने कहा कि नियमों में दुरुपयोग रोकने या झूठी शिकायत करने वालों को दंडित करने का कोई स्पष्ट प्रावधान नहीं है जिससे भविष्य में कानूनी संकट पैदा हो सकता है परिषद की मांग है कि इन विवादित नियमों को तत्काल प्रभाव से निरस्त किया जाए और इस यूजीसी बिल को वापस लिया जाए, इस मौके पर पंडित यतींद्र शंकर गोड़, कपिल देव एडवोकेट, मधुसूदन शर्मा, राजेंद्र, हिमांशु, पुनीत अग्रवाल, प्रशांत शर्मा, मनोज गोयल, उमेश त्यागी, राजीव चौहान, रवि शंकर शर्मा एडवोकेट, रिंकू चौहान, धर्मपाल सिंह, बलवंत कुमार, गिरिराज शर्मा, अरुण त्यागी आदि सहित भारी संख्या में स्वर्ण परिषद के लोग मौजूद रहे 1

सम्पूर्ण समाधान दिवस में उमड़ी फरियादियों की भीड़, अधिकारियों ने सुनी समस्याएं

लोकतंत्र की शान, (खिज़्र अहमद): नजीबाबादः तहसील नजीबाबाद में शनिवार को आयोजित सम्पूर्ण समाधान दिवस के अवसर पर उपजिलाधिकारी शैलेन्द्र सिंह और क्षेत्राधिकारी नीतेश प्रताप सिंह नजीबाबाद ने जनसुनवाई कर लोगों की समस्याएं सुनीं। इस दौरान विभिन्न विभागों से संबंधित कई शिकायतें अधिकारियों के समक्ष प्रस्तुत की गईं। अधिकारियों ने सभी फरियादियों की समस्याओं को गंभीरता से सुनते हुए संबंधित विभागों के अधिकारियों को निर्देश दिए कि प्राप्त शिकायतों का गुणवत्तापूर्ण निस्तारण सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने कहा कि जनता की समस्याओं का समाधान शासन की प्राथमिकता है, इसलिए किसी भी शिकायत को लंबित न रखा जाए। सम्पूर्ण समाधान दिवस में राजस्व, पुलिस, विकास और अन्य विभागों के अधिकारी भी मौजूद रहे, जिन्होंने मौके पर ही कुछ शिकायतों का निस्तारण किया तथा शेष मामलों को जल्द समाधान के लिए संबंधित विभागों को सौंप दिया।

यूपी बना विश्वास का प्रतीक, यही हमारी सबसे बड़ी पूंजी :मुख्यमंत्री

लोकतंत्र की शान

आगरा/लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि समाज, सरकार व संस्थाएं एक साथ एक दिशा में सोचना शुरू करती हैं तो उसका परिणाम विश्वास में बदलता है। विश्वास ही हमारी सबसे बड़ी पूंजी होनी चाहिए। इसके लिए लोगों को प्रयास करना होता है। यूपी आज विश्वास का प्रतीक बना है। मुख्यमंत्री शनिवार को आगरा में यथार्थ हॉस्पिटल का लोकार्पण करने के उपरांत उपस्थित लोगों को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने अपने संबोधन में 9 वर्ष में उत्तर प्रदेश में मेडिकल क्षेत्र में आए सकारात्मक बदलावों का जिक्र करते हुए कहा कि स्वास्थ्य से बढ़कर कुछ भी नहीं। स्वास्थ्य सुविधा सही, सस्ती और विश्वसनीय होनी चाहिए। सीएम ने आशा जताई कि यथार्थ ग्रुप अवश्य परिणाम देगा और लोगों को स्वस्थ जीवन देकर पुण्य अर्जित करेगा। सरकार भी इस क्षेत्र में हर सहयोग देने को तैयार है।

हर संप्रभु देश को अपने नागरिकों को देना चाहिए अच्छी स्वास्थ्य सुविधा का अधिकार- मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि हर व्यक्ति को अच्छी स्वास्थ्य सुविधा का अधिकार मिलना चाहिए और हर संप्रभु देश को अपने नागरिकों को यह सुविधा देनी चाहिए। 11 वर्ष में पीएम मोदी के नेतृत्व में भारत को दुनिया में नई पहचान मिली है। हम सभी नए भारत का दर्शन कर रहे हैं। दुनिया की तीसरी बड़ी अर्थव्यवस्था के रूप में उभरते भारत को देख रहे हैं। यहां विरासत व विकास के अद्भुत समन्वय का स्वरूप है तो समग्र विकास की सभी अवधारणाओं को भी साकार रूप से उद्घाटित होते हुए देख रहे हैं। हाईवे, एक्सप्रेसवे, मेट्रो, रेलवे की नई लाइनें और टेक्नोलॉजी के साथ ही वंदे भारत, अमृत भारत, नमो भारत में यात्रा करने का आनंद प्राप्त हो रहा है।

राजकीय इंटर कॉलेज पपसरा खादर के सामने हो रहे जल भराव को लेकर किया प्रदर्शन

लोक तंत्र की शान प्रवीण अग्रवाल जिला प्रभारी अमरोहा

अमरोहा/गजरौला : शनिवार को भारतीय किसान यूनियन बी आर अंबेडकर के कार्यकर्ताओं ने गजरौला ब्लॉक स्थित ग्राम पपसरा खादर में राजकीय विद्यालय के सामने हो रहे जल भराव को लेकर प्रदर्शन किया और सरकार से इस समस्या का समाधान जल्द किए जाने की मांग की, बता ते चले कि ब्लॉक गजरौला में स्थित ग्राम पसरा खादर में भारतीय किसान यूनियन बी आर अंबेडकर द्वारा यूनियन से लोगों को जोड़ा गया एवं गांव की मुख्य समस्या राजकीय इंटर कॉलेज के सामने स्थित तालाब के कारण विद्यालय में पढ़ने वाले बच्चों को बीमारी होने का खतरा एवं बदबू का सामना करना पड़ रहा है जिसे लेकर भारतीय किसान यूनियन बी आर अंबेडकर के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ दिग्विजय सिंह भाटी ने तालाब के सामने स्कूल गेट के आगे प्रदर्शन किया वहीं उन्होंने कहा कि यदि इस समस्या का समाधान जल्द से जल्द ना हुआ तो वह स्कूल के छात्र-छात्राओं के साथ गंदे पानी में बैठकर पढ़ाई का कार्य तथा धरना देने का कार्य करेंगे, इस मौके पर मुख्य रूप से दिग्विजय सिंह भाटी, दीपक गुर्जर, सोनू पोसवाल सोनू गुर्जर, कुलदीप भारती, अरविन जाटव, रूम सिंह खड़कवंशी, मेवाराम खड़कवंशी, सूरजपाल जाटव, मंथन प्रधान, मुखिया, तालिब प्रधान आदि सहित भारी संख्या में छात्र मौजूद रहे छात्र एवं ग्रामीण मौजूद रहे 1

दिल्ली में चेयरमैन कौसर अब्बास ने ईरान के रहबर-ए-इंक़लाब सैयद अली ख़ामेनाई की शहादत पर जताया गहरा दुख

» शोक डायरी में दर्ज किए जज़्बात, कहा-मज़लूमों की आवाज़ हमेशा ज़िंदा रहेगी

लोकतंत्र की शान, सैय्यद कुमैल ज़ैदी

नई दिल्ली / सिरसीः नगर पंचायत सिरसी के चेयरमैन जनाब कौसर अब्बास ने आज नई दिल्ली में इस्लामी गणराज्य ईरान के सर्वोच्च नेता रहबर-ए-इंक़लाब सैयद अली हुसैनी ख़ामेनाई के नुमाइंदे से मुलाकात कर उनकी शहादत पर गहरा दुख और अफसोस व्यक्त किया। इस दौरान चेयरमैन कौसर अब्बास ने शोक डायरी में अपने जज़्बात दर्ज करते हुए लिखा कि रहबर-ए-इंक़लाब सैयद अली ख़ामेनाई की शहादत पूरी उम्मत-ए-मुस्लिमह के लिए एक बहुत बड़ा सदमा है। उन्होंने कहा कि आयतुल्लाह ख़ामेनाई सिर्फ ईरान ही नहीं बल्कि पूरी दुनिया के मज़लूमों की आवाज़ थे और उनका पैग़ाम इंसाफ, हक़ और इंसानियत के लिए संघर्ष करने वालों को हमेशा राह दिखाता रहेगा। कौसर अब्बास ने अपने संदेश में कहा कि ऐसी अज़ीम शख्सियतें किसी एक मुल्क तक सीमित नहीं होतीं, बल्कि पूरी इंसानियत के लिए उम्मीद और हौसले का पैग़ाम होती हैं। उन्होंने कहा कि रहबर-ए-इंक़लाब का मिशन—मज़लूमों की हिमायत, इंसाफ और अमन का पैग़ाम—हमेशा ज़िंदा रहेगा और दुनिया भर के लोग उनके विचारों से प्रेरणा लेते रहेंगे। इस अवसर पर कौसर अब्बास की इस पहल और उनके जज़्बात को लोगों ने क़ाबिले-तारीफ बताते हुए कहा कि उन्होंने न सिर्फ अपने शहर बल्कि पूरे समाज की भावनाओं को बखूबी पेश किया है।

इमामबाड़ा कलां ग़र्बी में मजलिस-ए-अज़ा बराए इसाल-ए-सवाब आयतुल्लाह सैयद अली ख़ामेनेई (स.ब.) मुनअक़िद

» मौलाना सैयद इकरार रज़ा आबिदी ने किया खिताब किया अकीदतमंदों की बड़ी तादाद में शिरकत

लोकतंत्र की शान, सैय्यद कुमैल ज़ैदी

सम्भल/सिरसी इमामबाड़ा कलां ग़र्बी में 6 मार्च 2026 को आयतुल्लाह सैयद अली हुसैनी ख़ामेनेई (स.ब.) के इसाल-ए-सवाब के सिलसिले में एक पुरअसर मजलिस-ए-अज़ा मुनअक़िद की गई, जिसमें अकीदतमंदों और अहल-ए-इलाक़ा ने बड़ी तादाद में शिरकत कर के मरहूम को ख़िराज-ए-अकीदत पेश किया।मजलिस का आग़ाज़ सोज़ख़्वानी से हुआ, जिसके फ़राइज़ मास्टर ग़दीर-उल-हसन ने बेहद दर्द-ओ-ग़म के साथ अंजाम दिए। उनकी सोज़ख़्वानी ने मजलिस में मौजूद अज़ादारों को ग़मगीन कर दिया और माहौल को पूरी तरह अजादारी के रंग में रंग दिया। मजलिस को ख़िताब करते हुए मौलाना सैयद इकरार रज़ा आबिदी ने आयतुल्लाह सैयद अली ख़ामेनेई (स.ब.) की इल्मी, दीनि और उम्मत-ए-मुस्लिमा के लिए की गई ख़िदमात पर तफ़सीली रोशनी डाली। उन्होंने कहा कि आयतुल्लाह ख़ामेनेई जैसी बुलंद शख़्सियतें उम्मत के लिए रहनुमा और मिसाल होती हैं, जिनकी ज़िंदगी इल्म, दीन और इंसाफ़ की तालीम से भरपूर रही। मौलाना ने अपने असरदार अंदाज़-ए-बयान में अहल-ए-बैत (अ.स.) की तालीमात और इंसानियत के पैग़ाम को भी वाज़ेह किया, जिसे अज़ादारों ने बेहद गौर-ओ-ख़ुशू के साथ सुना। मिनजानिब इदारा औन-ओ-मुहम्मद (अ.स.) मजलिस के ख़तीब मौलाना सैयद इकरार रज़ा आबिदी साहब की इल्मी काबिलियत, पुरअसर तक़रीर और दीन-ओ-मिल्लत की ख़िदमत को ख़िराज-ए-तहसीन पेश किया गया। इदारे के जिम्मेदारान ने कहा कि मौलाना सैयद इकरार रज़ा आबिदी साहब की तक़रीर ने मजलिस में मौजूद अज़ादारों के दिलों पर गहरा असर डाला और उन्होंने बेहद ख़ूबसूरत अंदाज़ में दीन-ए-इस्लाम और अहल-ए-बैत (अ.स.) की तालीमात को बयान किया। मजलिस के आख़िर में दुआ कराई गई और उम्मत-ए-मुस्लिमा की सलामती, अमन-ओ-अमान और मरहूम के लिए बुलंदी-ए-दरजात की दुआ मांगी गई।

नजीबाबाद के शगुन कौशल ने UPSC-2025 में 145वीं रैंक हासिल कर जनपद बिजनौर का नाम रोशन किया

» नगीना सांसद चंद्रशेखर आजाद मुरादाबाद मण्डल प्रभारी खुर्शीद मंसूरी सहित अन्य संगठन के लोग बधाई शुभकामनाएं सहित कई जनप्रतिनिधियों और सामाजिक संगठनों ने उन्हें बधाई देकर उज्ज्वल भविष्य की कामना की

लोकतंत्र की शान, (खिज़्र अहमद)

नजीबाबाद/बिजनौर। तहसील नजीबाबाद के पैतृक गांव सराय आलम तथा वर्तमान में आदर्श नगर नजीबाबाद निवासी शगुन कौशल ने संघ लोक सेवा आयोग (UPSC) सिविल सेवा परीक्षा 2025 में 145वीं रैंक प्राप्त कर जनपद बिजनौर का नाम रोशन किया है। उनकी इस उपलब्धि से पूरे क्षेत्र में खुशी की लहर है और परिजनों व शुभचिंतकों द्वारा लगातार बधाइयाँ दी जा रही हैं। शगुन कौशल, बीएसएनएल टेलीकॉम टेक्नीशियन पुष्पेंद्र कुमार और गृहणी विनीता कौशल के पुत्र हैं। उन्होंने अपनी प्रारंभिक शिक्षा नजीबाबाद के सेंट मैरी स्कूल से प्राप्त की, जहां वह 10वीं और 12वीं कक्षा में टॉपर रहे। इसके बाद उन्होंने सिविल इंजीनियरिंग में स्नातक की पढ़ाई आईआईटी दिल्ली से पूरी की। बताया जाता है कि शगुन कौशल पढ़ाई में शुरू से ही मेधावी रहे हैं। उन्होंने यूपीएससी 2022 में अपने पहले ही प्रयास में इंटरव्यू तक पहुंचकर अपनी प्रतिभा का परिचय दिया था, लेकिन अंतिम चयन नहीं हो सका। इस असफलता से वे कुछ समय के लिए निराश हुए, परंतु परिवार के सहयोग और प्रोत्साहन ने उनका मनोबल बढ़ाया। बड़े भाई अमर कौशल, जो आईटीआई कॉलेज मुरादाबाद में प्रधानाचार्य हैं, तथा बहन निशिका कौशल, जो अमरोहा में चिकित्सा अधिकारी हैं, ने उन्हें निरंतर प्रेरित किया। शगुन कौशल ने बताया कि उन्होंने बिना किसी कोचिंग के अपनी मेहनत और आत्मविश्वास के दम पर यह मुकाम हासिल किया है। वे डॉ. भीमराव अंबेडकर के जीवन संघर्ष और उनकी सफलता से प्रेरित होकर लगातार अपने लक्ष्य की ओर बढ़ते रहे। शगुन कौशल के घर पहुंचने पर परिवार और क्षेत्रवासियों ने उनका जोरदार स्वागत किया। ढोल-नगाड़ों के साथ फूल-मालाएं पहनाकर और बुके भेंट कर उन्हें सम्मानित किया गया। इस दौरान क्षेत्र के जनप्रतिनिधि और सामाजिक लोग भी बधाई देने पहुंचे। नगीना के सांसद Chandrashekhar Azad भी शगुन कौशल के घर पहुंचे और उन्हें बधाई देते हुए कहा कि युवाओं की यह सफलता पूरे क्षेत्र के लिए गर्व की बात है और इससे अन्य युवाओं को भी प्रेरणा मिलेगी। शगुन कौशल ने अपनी सफलता का श्रेय अपने माता-पिता, भाई-बहन और गुरुजनों को दिया है।

भारतीय किसान संघ ने मासिक बैठक कर मनाया 47 वा स्थापना दिवस

लोक तंत्र की शान प्रवीण अग्रवाल जिला प्रभारी अमरोहा

हसनपुर/ गंगेश्वरीः शनिवार को भारतीय किसान संघ की मासिक बैठक का आयोजन गंगेश्वरी स्थित ब्लॉक सभागार कक्ष में मनाया गया बैठक में सभी कार्यकर्ताओं द्वारा जिला अध्यक्ष चंद्रप्रकाश शर्मा के नेतृत्व में संगठन का 47 वा स्थापना दिवस मनाया गया, कार्यकर्ताओं द्वारा सर्वप्रथम भारतीय किसान संघ के संस्थापक एवं भारत माता तथा भगवान बलराम जी के चित्र के सम्मुख पुष्प अर्पित किए गए, बैठक को संबोधित करते हुए जिला अध्यक्ष चंद्र प्रकाश शर्मा द्वारा कहा गया कि भारतीय किसान संघ स्थापना किसानो के हितों की रक्षा करने के लिए की गई थी, बैठक में संगठन के विस्तार एवं सदस्यता अभियान को लेकर चर्चा की गई, बैठक के बाद किसानों की समस्याओं से संबंधित ज्ञापन सहायक विकास अधिकारी गंगेश्वरी को ज्ञापन सौंपा गया, बैठक में प्रकाश शर्मा, दिव्यांशु यादव, अखिलेश शर्मा, जिला जैविक प्रमुख हरि प्रकाश राणा, जयप्रकाश शर्मा, बॉबी कुमार, मुकेश कुमार, उपदेश, रामदेव, सोमपाल, प्रहलाद, चंद्रसेन, प्रेम सिंह, दीपक कुमार, पाल सिंह रामदेव आदि किसान मौजूद रहे 1

तूबा के सपनों को मिले पंख, 'मुख्यमंत्री युवा योजना' से जुड़कर बनाया 'सॉइल कॉन्सेप्ट' ब्रांड

लोक तंत्र की शान

लखनऊ । उत्तर प्रदेश में युवाओं को स्वरोजगार से जोड़कर उन्हें उद्यमी बनाने की दिशा में शुरू किया गया 'मुख्यमंत्री युवा उद्यमी विकास अभियान' नई संभावनाओं के द्वार खोल रहा है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में इस योजना के तहत युवाओं को बिना बैंक गारंटी और ब्याजमुक्त ऋण की सुविधा मिल रही है। इससे वे अपना व्यवसाय शुरू कर रोजगार मांगने के बजाय रोजगार देने वाले बन रहे हैं। लखनऊ की रहने वाली बायोटेक्नोलॉजिस्ट तूबा की सफलता की कहानी इसी पहल का उदाहरण है। उन्होंने 'सॉइल कॉन्सेप्ट' ब्रांड के माध्यम से न केवल पर्यावरण के अनुकूल प्राकृतिक सौंदर्य उत्पाद तैयार किए, बल्कि कई युवाओं को रोजगार देकर आत्मनिर्भरता की मिसाल भी पेश की है।

'मुख्यमंत्री युवा योजना' के तहत मिला ऋण बना सहारा–तूबा ने बताया कि उन्होंने प्राकृतिक पर्सनल केयर 'सॉइल कॉन्सेप्ट' ब्रांड की शुरुआत कर पर्यावरण के अनुकूल रोजमर्रा में उपयोग होने वाले उत्पाद बनाने का लक्ष्य बनाया। अपने उत्पादों में एक ऐसा ब्रांड बनाने की यात्रा शुरू की जो पर्यावरण के अनुकूल हो। शुरुआती दिनों में इनको कच्चा माल तैयार करने और मशीनरी इत्यादि खरीदने में समस्याओं का सामना करना पड़ा। इंटीग्रेटेड फाउंडेशन के माध्यम से मुख्यमंत्री युवा योजना की जानकारी मिली। योजना के लिए आवेदन किया और महज 15 दिनों के अंदर ही 05 लाख रुपए का ऋण मिला, जो बिना किसी बैंक गारंटी और पूर्ण रूप से ब्याजमुक्त है। अब वे रसायनमुक्त सौंदर्य प्रसाधन बनाती हैं। इनमें प्रमुख रूप से हर्बल शैम्पू, कंडीशनर, हेयर सीरम, हर्बल हेयर ऑयल, बॉडीवाश, लोशन और हाथ से बने साबुन आदि प्रमुख हैं। इनकी बिक्री से उन्हें अच्छी आय हो रही है।

कई युवाओं को रोजगार देकर पेश की आत्मनिर्भरता की मिसाल–तूबा ने बताया कि 'मुख्यमंत्री युवा' योजना के तहत मिले 05 लाख के ऋण से मैंने मशीनरी और कच्चा माल खरीदा। आज हम बड़े-बड़े ऑर्डर लेकर काम कर रहे हैं। हमारे इस प्रयास से 04 महिलाओं समेत कुल 07 कर्मचारियों को रोजगार का अवसर मिला है। हमारे उत्पाद 50 से ज्यादा आउटलेट्स और ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म्स के माध्यम से देशभर में उपलब्ध हैं। 'मुख्यमंत्री युवा' योजना का लाभ लेकर केवल तुबा ही नहीं बल्कि प्रदेश की अन्य युवा महिलाएं भी इसी प्रकार अपना व्यवसाय शुरू कर रहीं हैं। इस पहल ने युवाओं के आत्मविश्वास को बढ़ाने के साथ-साथ स्वरोजगार के नए अवसर सृजित किए हैं।

उत्तर प्रदेश के विकास व सुधार के लिए पं. गोविंद बल्लभ पंत ने अनेक कदम उठाएः मुख्यमंत्री योगी

लोक तंत्र की शान

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने देश के पूर्व गृह मंत्री व उत्तर प्रदेश के प्रथम मुख्यमंत्री 'भारत रत्न' पंडित गोविंद बल्लभ पंत की पुण्यतिथि पर शनिवार को श्रद्धांजलि अर्पित की। मुख्यमंत्री ने लोकभवन स्थित उनकी प्रतिमा पर पुष्प अर्पित किए और उन्हें भारत मां का महान सपूत, प्रख्यात स्वतंत्रता संग्राम सेनानी, कुशल अधिवक्ता व सुयोग्य प्रशासक बताया। सीएम ने कहा कि पं. गोविंद बल्लभ पंत के कार्य हमारे लिए प्रेरणास्रोत हैं, जो हमारा मार्गदर्शन कर रहे हैं। उन्होंने अपने समय में उत्तर प्रदेश के विकास व सुधार के लिए अनेक कदम उठाए।

राष्ट्रपिता के आह्वान पर वकालत छोड़कर स्वाधीनता संग्राम में कूद पड़े थे पं. पंत -मुख्यमंत्री ने कहा कि पंडित गोविंद बल्लभ पंत का जन्म वर्तमान उत्तराखंड में हुआ था, उस समय उत्तराखंड संयुक्त प्रांत का हिस्सा था। राष्ट्रपिता महात्मा गांधी के आह्वान पर वह वकालत छोड़कर स्वाधीनता संग्राम में कूद पड़े थे। जब देश गुलाम था, तब 1937 में उत्तर प्रदेश के प्रीमियर के रूप में उनका चयन हुआ था। उत्तर प्रदेश के प्रथम मुख्यमंत्री के रूप में पं. गोविंद बल्लभ पंत जी का स्मरण सभी करते हैं।

मुख्यमंत्री के रूप में उन्होंने रखी थी विकास की आधारशिला–सीएम योगी ने कहा कि उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री के रूप में पंत जी ने विकास की जो आधारशिला रखी और जो विजन प्रस्तुत किया, उसका अनुसरण करते हुए उत्तर प्रदेश आज भारत की अर्थव्यवस्था का प्रमुख आधार बना हुआ है। यूपी आज जो कुछ भी कर पा रहा है, उसके पीछे पं. गोविंद बल्लभ पंत की सोच है। उन्होंने अपने समय में उत्तर प्रदेश के विकास व सुधार के लिए अनेक कदम उठाए। उन्होंने गृह मंत्री के रूप में देश को अमूल्य सेवाएं दीं। राजभाषा हिंदी के प्रोत्साहन, प्रचार-प्रसार में उनकी महत्वपूर्ण भूमिका थी। देश की स्वाधीनता में अमूल्य योगदान तथा उत्तर प्रदेश व देश की बहुमूल्य सेवा के लिए 1957 में उन्हें 'भारत रत्न' प्रदान किया गया। पं. गोविंद बल्लभ पंत के कार्य आज भी हमारा मार्गदर्शन कर रहे हैं।

संक्षिप्त समाचार

सहरसा में 11 मार्च को लगेगा जिला स्तरीय रोजगार मेला, युवाओं को मिलेगा निजी क्षेत्र में नौकरी का अवसर

लोकतंत्र की शान : सहरसा, मो. जियाउद्दीन, जिला संवाददाताः बिहार सरकार के युवा, रोजगार एवं कौशल विकास विभाग की ओर से बेरोजगार युवाओं के लिए एक दिवसीय जिला स्तरीय रोजगार मेला का आयोजन किया जा रहा है। यह रोजगार मेला 11 मार्च 2026 को सुबह 10 बजे से शाम 4 बजे तक जिला स्कूल मैदान, सहरसा में आयोजित होगा। इस रोजगार मेले का मुख्य उद्देश्य जिले के युवा-युवतियों को निजी क्षेत्र में रोजगार के अवसर उपलब्ध कराना है। मेले में विभिन्न प्रतिष्ठित कंपनियां भाग लेंगी और योग्य अभ्यर्थियों का चयन करेंगी। खास बात यह है कि इस रोजगार मेले में चयन प्रक्रिया पूरी तरह निःशुल्क होगी। आयोजकों के अनुसार, इस मेले में नॉन-मैट्रिक से लेकर उच्च शिक्षित सभी बेरोजगार युवक-युवतियां भाग ले सकते हैं। साथ ही मेले में एनसीएस (नेशनल करियर सर्विस) पोर्टल पर पंजीकरण की सुविधा भी उपलब्ध रहेगी। इच्छुक अभ्यर्थी अवर प्रादेशिक नियोजनालय, सहरसा के कार्यालय में या सीधे मेले के स्थल पर पहुंचकर निःशुल्क पंजीकरण करा सकते हैं। युवा, रोजगार एवं कौशल विकास विभाग ने जिले के अधिक से अधिक युवाओं से इस अवसर का लाभ उठाने की अपील की है, ताकि उन्हें रोजगार प्राप्त करने के लिए एक बेहतर मंच मिल सके। अधिक जानकारी के लिए इच्छुक अभ्यर्थी 9472800989 पर संपर्क कर सकते हैं।

हाजीपुर में रोड एक्सीडेंट में युवक की मौत, कुत्तों के झुंड का पीछा करने से बाइक बेकाबू हुई

लोकतंत्र की शान : हाजीपुर। हाजीपुर औद्योगिक थाना क्षेत्र में एक सड़क हादसे में 25 वर्षीय युवक सचिन कुमार की मौत हो गई। यह घटना देर रात करीब 11 बजे वास्तु बिहार फेज वन के अंदर हुई।मृतक की पहचान जंदाहा थाना क्षेत्र के खोपी गांव निवासी के रूप में हुई है। घटना सीसीटीवी में कैद हुई है। फुटेज में दिख रहा है कि रात करीब 11 बजे वास्तु बिहार फेज वन के अंदर एक चलती कार का कुत्तों का झुंड पीछा कर रहा था। इसी दौरान एक बाइक आ गई और कुत्ते कार को छोड़कर बाइक के पीछे दौड़ने लगे।इससे बाइक चालक अपना संतुलन खो बैठा और कार से टकराकर सड़क पर गिर गया,जिससे सचिन कुमार की मौत हो गई। मृतक सचिन कुमार अमरनाथ सिंह के पुत्र थे और अविवाहित थे। वह दो भाई-बहनों में सबसे बड़े थे। फिलहाल,वह हाजीपुर औद्योगिक थाना क्षेत्र के वास्तु बिहार फेज वन में किराए के मकान में रहते थे। परिजनों ने सचिन की मौत को संदिग्ध बताया है और पुलिस से निष्पक्ष जांच कर आवश्यक कार्रवाई की मांग की है। मृतक के चाचा पिंटू कुमार सिंह ने बताया कि उन्हें कोलकाता से फोन पर सड़क हादसे में सचिन के गंभीर रूप से घायल होने की सूचना मिली थी। जब वे अस्पताल पहुंचे,तो उन्हें सचिन की मौत की जानकारी मिली। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल हाजीपुर भेज दिया है। मृतक के फूफा श्याम सुंदर सिंह ने बताया कि सचिन अपने पूरे परिवार के साथ वास्तु बिहार फेज वन में रहता था। घटना के दिन वह अपने तीन दोस्तों के साथ घर से निकला था। श्याम सुंदर सिंह के अनुसार, सचिन गाड़ी में बीच में बैठा था,जबकि उसके आगे और पीछे बैठे दोस्त सुरक्षित हैं। उन्होंने कहा कि मौत कैसे हुई, यह स्पष्ट नहीं है और वे इसे संदिग्ध मानते हैं। उन्होंने पुलिस से जांच कर आवश्यक कानूनी कार्रवाई करने की मांग की है। इस संबंध में औद्योगिक थाना अध्यक्ष अरविंद पासवान ने बताया कि प्रारंभिक जांच में कुत्ते के पीछा करने से बाइक से गिरकर मौत हुई है। उन्होंने कहा कि घटना स्थल के पास सीसीटीवी फुटेज की जांच की गई है,जिसमें घटना अस्पष्ट दिखाई दे रही है।

पुलिस उप-निरीक्षक सुमनजी झा सेवा से बर्खास्त, भ्रष्टाचार और बरामद सोना-नगदी गायब करने का आरोप

लोकतंत्र की शान : हाजीपुर। वैशाली में पुलिस उप-निरीक्षक सुमनजी झा को भ्रष्टाचार के गंभीर आरोपों के चलते आज 7 मार्च से सेवा से बर्खास्त कर दिया गया है। उन पर रिश्वत लेने और बरामद सोने तथा अन्य बहुमूल्य सामग्री को जब्त सूची में पूरी तरह से न दिखाने का आरोप था। सुमनजी झा वर्तमान में वैशाली जिले में पदस्थापित थे। यह कार्रवाई निगरानी अन्वेषण ब्यूरो, बिहार, पटना में पवन कुमार नामक एक शिकायतकर्ता द्वारा दर्ज कराई गई शिकायत के बाद शुरू हुई। शिकायत के सत्यापन में भ्रष्टाचार के आरोप सही पाए गए। इसके उपरांत, निगरानी थाना कांड संख्या 08/24, दिनांक 04.09.2024 को भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम, 1988 (संशोधित अधिनियम, 2018) की धारा 7 (ए) के तहत सुमनजी झा के खिलाफ मामला दर्ज किया गया। 4 सितंबर 2024 को सुमनजी झा को सिवाईपट्टी थाना क्षेत्र के बंधारा बाजार के पास परिवादी से 11,000 रुपये रिश्वत लेते हुए रंगे हाथ गिरफ्तार किया गया था। इस आरोप के संबंध में उनके विरुद्ध मुजफ्फरपुर जिला में विभागीय कार्यवाही संख्या 39/24 शुरू की गई। अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी पूर्वी-2, मुजफ्फरपुर, मनोज कुमार सिंह को इसका संचालन अधिकारी नियुक्त किया गया था। विभागीय जांच के बाद संचालन अधिकारी ने सुमनजी झा को रिश्वत के आरोप में दोषी पाया। इसी क्रम में, सुमनजी झा के खिलाफ लालगंज थानांतर्गत लगभग 1.5 किलोग्राम सोना और अन्य बहुमूल्य सामग्री/नकदी को जब्त सूची में पूरी तरह से न दिखाने के आरोप में एक और प्राथमिकी दर्ज की गई। यह लालगंज थाना कांड संख्या 11/26, दिनांक 05.01.2026 को भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) और भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम, 1988 की धाराओं के तहत दर्ज हुई। इस मामले में अलग से विभागीय कार्यवाही 10/26 भी शुरू की गई है। पुलिस विभाग एक अनुशासित संगठन है। विभाग का मानना है कि भ्रष्टाचार में संलिप्त पुलिस अधिकारियों या कर्मियों का सेवा में बने रहना आम जनता और संगठन के अन्य पुलिस कर्मियों पर प्रतिकूल प्रभाव डालता है। उक्त सभी आरोपों की गहन समीक्षा और जांच प्राधिकार के मंतव्य से सहमत होते हुए, सुमनजी झा को 7 मार्च 2026 से सेवा से बर्खास्त करने का अंतिम निर्णय लिया गया।

जुड़ावनपुर फायरिंग मामले में चार गिरफ्तार, आपसी विवाद के बाद हुई थी घटना, खोखा- जिंदा कारतूस बरामद

लोकतंत्र की शान : हाजीपुर। वैशाली जिले के जुड़ावनपुर थाना क्षेत्र में हुई फायरिंग की घटना के संबंध में पुलिस ने चार आरोपियों को गिरफ्तार किया है। यह घटना 4 मार्च 2026 को शिवनगर इकौना में आपसी विवाद के चलते हुई थी। पुलिस के अनुसार, इस वारदात को दो बाइकों पर सवार चार लोगों ने अंजाम दिया था। घटना की सूचना मिलते ही जुड़ावनपुर थाना पुलिस ने त्वरित कार्रवाई की। पुलिस ने घटनास्थल से एक खाली कारतूस (खोखा) और एक जिंदा कारतूस बरामद किया। इसके बाद विभिन्न स्थानों पर छापेमारी कर घटना में शामिल सभी चारों अभियुक्तों को गिरफ्तार कर लिया गया। इस मामले में जुड़ावनपुर थाना में कांड संख्या 42/26 दर्ज किया गया है। गिरफ्तार किए गए सभी आरोपियों को न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है। गिरफ्तार अभियुक्तों की पहचान धर्मेंद्र कुमार उर्फ भुला, रामाधार राय, प्रमोद राय उर्फ बोधि राय और नंदलाल राय के रूप में हुई है। ये सभी जुड़ावनपुर थाना क्षेत्र, वैशाली जिले के निवासी हैं।

सड़क किनारे मिले बच्चे के शव की हुई पहचान, 25 फरवरी को बीमारी से हुई थी मौत, मां-नानी ने फेंका बॉडी

लोकतंत्र की शान : हाजीपुर। वैशाली जिले के सदर थाना क्षेत्र के रजौली गांव में 3 मार्च को सड़क किनारे मिले अज्ञात शिशु के शव की पहचान हो गई है। मृतक की पहचान गुड्डू सिंह के 3 वर्षीय पुत्र अंश कुमार के रूप में हुई है। पुलिस जांच में सामने आया कि बच्चे की मां और नानी ने ही उसका शव सड़क किनारे फेंका था। सदर थाना पुलिस के अनुसार, बच्चा लगातार बीमार रहता था और परिजन उसके इलाज में असमर्थ थे। 25 फरवरी को बच्चे की मौत उसकी नानी के घर महुआ थाना क्षेत्र के सुरजपुर में हो गई थी। बच्चे की मौत के बाद उसकी नानी और मां ने अंतिम संस्कार करने के बजाय शव को घर से लाकर रजौली गांव में सड़क किनारे फेंक दिया। पांच दिन बाद, 3 मार्च को स्थानीय लोगों ने शव पर नजर पड़ी, जिसके बाद उन्होंने सदर थाना पुलिस को सूचना दी। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर शव को कब्जे में लिया और पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल भेजा। पुलिस लगातार बच्चे की पहचान करने में जुटी थी।

अवैध बैनर-पोस्टर लगाने वालों पर होगी सख्त कार्रवाई : विजय सिन्हा

लोकतंत्र की शान , पटना

बिहार के उपमुख्यमंत्री सह नगर विकास एवं आवास विभाग के मंत्री विजय कुमार सिन्हा ने शनिवार को कहा कि राज्य में अवैध बैनर और पोस्टर लगाने वाले विज्ञापनकर्ताओं के खिलाफ सख्त कार्रवाई की तैयारी की जा रही है। उन्होंने कहा कि ऐसे लोगों से विभाग आर्थिक अपराधियों की तरह निपटेगा, क्योंकि ये संगठित तरीके से सरकार को राजस्व की हानि पहुंचा रहे हैं। विजय सिन्हा ने कहा कि राज्य के विभिन्न शहरों में कुछ लोग सिंडिकेट बनाकर अवैध होर्डिंग और बैनर लगाकर सरकार के राजस्व को नुकसान पहुंचा रहे हैं। जब विभाग इनके खिलाफ कार्रवाई करता है तो ये लोग आजीविका का हवाला देकर न्यायालय की शरण में चले जाते हैं। उन्होंने बताया कि विभाग की सख्ती के बाद राज्य के 38 जिलों के 264 नगर निकायों में 11 हजार से अधिक अवैध होर्डिंग के मामलों में करीब 20 लाख रुपये की दंड राशि वसूली की जा चुकी है।

उपमुख्यमंत्री ने कहा कि भागलपुर नगर निगम ने अवैध होर्डिंग के मामले में 10 प्रतिष्ठानों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कराई है और 19 लाख रुपये से अधिक का जुर्माना वसूला है। दरभंगा नगर निगम की टीम ने कार्रवाई करते हुए अवैध होर्डिंग हटाकर उससे संबंधित सामान जब्त कर लिया है। वहीं मुजफ्फरपुर नगर निगम क्षेत्र में करीब 55 अवैध होर्डिंग हटाए गए हैं। बेगूसराय नगर निगम में सात अवैध होर्डिंग हटाए गए हैं और 71 अवैध होर्डिंग के खिलाफ नोटिस जारी किया गया है। कटिहार नगर निगम ने वित्त वर्ष 2025-26 के लिए होर्डिंग लगाने को लेकर लगभग 25 लाख 75 हजार रुपये का एकरारनामा किया है।

पटना नगर निगम क्षेत्र में भी अवैध होर्डिंग के खिलाफ अभियान तेज किया गया है। अब तक 200 से अधिक अवैध होर्डिंग हटाए जा चुके हैं, जबकि 250 से अधिक होर्डिंग को हटाने के लिए नोटिस जारी किए गए हैं। सबसे अधिक पाटलिपुत्र अंचल में 59 अवैध होर्डिंग हटाए गए हैं, जबकि कंकड़बाग अंचल में 89 अवैध होर्डिंग के खिलाफ नोटिस जारी किए गए हैं। शहर के सौंदर्यीकरण, यातायात सुगमता और जन-सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए निगम के सभी छह अंचलों में विशेष अभियान चलाया जा रहा है।

नगर निगम क्षेत्र में बिना अनुमति सार्वजनिक स्थलों, सड़कों के किनारे, विद्युत पोल, सरकारी परिसरों और निजी भवनों पर लगाए गए विज्ञापन सामग्री, यूनिपोल और होर्डिंग के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जा रही है। निजी भवनों की छतों और दीवारों पर लगाए गए अवैध होर्डिंग को हटाने के लिए नोटिस जारी किए जा रहे हैं और जिन एजेंसियों पर बकाया है, उन्हें जल्द भुगतान करने का निर्देश दिया गया है।

विज्ञापन एजेंसियों को नोटिस जारीः उपमुख्यमंत्री के निर्देश के बाद पटना नगर निगम ने राजस्व वसूली को लेकर सख्त रुख अपनाया है। शहर की 54 विज्ञापन एजेंसियों पर निगम का भारी बकाया है, जिसे जमा करने के लिए नोटिस भेज दिया गया है। आंकड़ों के अनुसार विज्ञापन मद में कुल 107.12 करोड़ रुपये की बकाया राशि है।

सरकारी विद्यालयों का निरीक्षण, गुणवत्तापूर्ण शिक्षा व्यवस्था सुनिश्चित करने के दिए गए निर्देश

लोकतंत्र की शान

सहरसा, Mohammad जियाउद्दीन, जिला संवाददाताः जिले के विभिन्न प्रखंडों में शनिवार को वरीय पदाधिकारियों, प्रखंड विकास पदाधिकारियों तथा प्रखंड शिक्षा प्रसार पदाधिकारियों द्वारा सरकारी विद्यालयों का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान विद्यालयों में गुणवत्तापूर्ण शैक्षणिक व्यवस्था सुनिश्चित करने के लिए किए जा रहे प्रयासों, शिक्षकों एवं विद्यार्थियों की उपस्थिति तथा विद्यालय परिसर के रख-रखाव की समीक्षा की गई। साथ ही विद्यालयों के बेहतर संचालन और प्रबंधन के लिए आवश्यक दिशा-निर्देश भी दिए गए। इस अवसर पर शैक्षणिक व्यवस्था में गुणात्मक सुधार लाने के उद्देश्य से पूर्व में दिए गए निर्देशों के अनुपालन में आयोजित साप्ताहिक जांच परीक्षा का भी जायजा लिया गया। इसके साथ ही विद्यार्थियों में खेल-कूद गतिविधियों को बढ़ावा देने के लिए खेल सामग्री की उपलब्धता और खेल मैदान का भी निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान आयोजित जांच परीक्षा के बाद उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों को पुरस्कृत कर उनका उत्साहवर्धन किया गया। अधिकारियों ने विद्यालयों में शिक्षा की गुणवत्ता बढ़ाने तथा विद्यार्थियों की सहभागिता सुनिश्चित करने पर विशेष बल दिया।

पटना हाई कोर्ट के आदेश का भी असर नहीं

लोकतंत्र की शान , पटना

♦ **राजीव नगर में आवास बोर्ड की जमीन पर कब्जा जारी, शिकायत महज पुलिस के लिए खानापूर्ति**

पटना के राजीव नगर इलाके में आवास बोर्ड की जमीन पर निर्माण कार्य जारी है। इसमें बहुत सारी ऐसी प्लॉट हैं, जिनके बारे में आवास बोर्ड की ओर से पहले ही थाने में शिकायत दर्ज कराई जा चुकी है। इसके बावजूद इन प्लॉट पर निर्माण कार्य जारी है। आवास बोर्ड की सहायक अभियंता ने भी राजीव नगर थाने की पुलिस पर सवाल खड़े किए हैं। उनका आरोप है कि राजीव नगर थाने की पुलिस की रवैए भी इस तरीके के मामले में ठीक नहीं है।

आवास बोर्ड की जमीन पर काम जारीः सहायक अभियंता जियाउल हसन ने बताया कि, 'रोस्टर ड्यूटी के मुताबिक निरीक्षण करने राजीव नगर पहुंचे थे। तीन जगहों पर अवैध तरीके से निर्माण चल रहा था। बार-बार समझाने के बावजूद भी वह लोग नहीं माने। इसमें से कुछ प्लॉट ऐसे थे, जिनके ऊपर पहले से ही राजीव नगर थाने में शिकायत दर्ज है। बावजूद इसके निर्माण कराए जा रहे थे।' सहायक अभियंता जियाउल हसन के मुताबिक, राजीव नगर थाने पर पहुंचकर जब उन्होंने शिकायत की तो FIR नहीं दर्ज की गई और ना रिसीविंग मिली। उनका आरोप है कि पुलिस कर्मियों ने आवेदन लेने से इनकार कर दिया। आवेदन में सुधार करने के नाम पर घंटों टालमटोल करते रहे। फिर आवास बोर्ड की ओर से की जा रही है, लेकिन काम नहीं रुक रहा है।

आधारभूत संरचना विकास कार्यों में तेजी लाने का निर्देश, तिलावे नदी की उड़ाही अप्रैल तक पूरी करने की सख्त हिदायत

लोकतंत्र की शान

सहरसा, मो. जियाउद्दीन, जिला संवाददाताः जिलाधिकारी श्री दीपेश कुमार की अध्यक्षता में शुक्रवार को आधारभूत संरचना विकास से संबंधित विभिन्न योजनाओं की मासिक समीक्षात्मक बैठक आयोजित की गई। बैठक में विभिन्न तकनीकी विभागों द्वारा संचालित योजनाओं की प्रगति की समीक्षा करते हुए जिलाधिकारी ने निर्माणाधीन परियोजनाओं में तेजी लाने और निर्धारित समय-सीमा के भीतर कार्य पूरा करने के निर्देश दिए। बैठक में ग्रामीण कार्य विभाग, भवन प्रमंडल, पर्यटन विभाग, लोक स्वास्थ्य अभियंत्रण विभाग, बुडको, बिहार पुलिस भवन निर्माण निगम सहित अन्य तकनीकी विभागों द्वारा संचालित योजनाओं की वर्तमान स्थिति की समीक्षा की गई। पर्यटन विभाग द्वारा मत्स्यगंधा झील के विकास कार्य की समीक्षा के दौरान बताया गया कि सुपर स्ट्रक्चर का कार्य प्रगति पर है। इस पर जिलाधिकारी ने क्रियान्वयन एजेंसी को कार्य में तेजी लाने के साथ-साथ मंडन मिश्र धाम और मां उग्रतारा मंदिर के विकास कार्यों को भी शीघ्र गति से आगे बढ़ाने का निर्देश दिया। भवन प्रमंडल की समीक्षा के क्रम में बताया गया कि वर्तमान में 29 योजनाएं संचालित हैं, जिनमें राजकीय पॉलिटेक्निक परिसर में अतिरिक्त शैक्षणिक भवन, अभियंत्रण महाविद्यालय परिसर की चहारदीवारी, व्यवहार न्यायालय परिसर में लॉयर्स हॉल और वन स्टॉप सेंटर भवन शामिल हैं। जिलाधिकारी ने सभी योजनाओं को शीघ्र पूर्ण करने के लिए आवश्यक कार्रवाई करने का निर्देश दिया। बिहार पुलिस भवन निर्माण निगम द्वारा संचालित 12 योजनाओं की प्रगति की भी समीक्षा की गई और संबंधित अधिकारियों को इन्हें जल्द से जल्द पूरा करने का निर्देश दिया गया। पूर्वी तटबंध प्रमंडल, कोपरिया की समीक्षा के दौरान बताया गया कि क्षेत्र में तटबंध और अन्य संरचनाएं सुरक्षित हैं तथा कटाव निरोधात्मक कार्य के तहत चार योजनाओं पर कार्य प्रगति पर है। जिलाधिकारी ने इन कार्यों को भी जल्द पूरा करने का निर्देश दिया। साथ ही अन्य तटबंध प्रमंडलों को बाढ़ सुरक्षा से संबंधित कार्यों को सर्वोच्च प्राथमिकता के आधार पर समय पर पूरा करने की हिदायत दी। बैठक में तीलावे नदी में चल रहे उड़ाही कार्य की भी समीक्षा की गई। जिलाधिकारी ने संबंधित एजेंसी को निर्देश दिया कि शेष कार्य को अप्रैल माह के अंत तक अनिवार्य रूप से पूरा किया जाए। बैठक में उप विकास आयुक्त श्री गौरव कुमार, जिला योजना पदाधिकारी सहित अन्य संबंधित अधिकारी उपस्थित थे।

पीयू छात्र संघ अध्यक्ष को राष्ट्रीय अध्यक्ष ने दिल्ली बुलाया

♦ **एनएसयूआई को पूरे बिहार में फैलाने के निर्देश, विनोद जाखड़ बोले-चुनाव में किए वादे पूरा करें**

लोकतंत्र की शान , पटना

पटना यूनिवर्सिटी छात्रसंघ चुनाव में नवनिर्वाचित NSUI के अध्यक्ष शांतनु शेखर को NSUI के राष्ट्रीय अध्यक्ष विनोद जाखड़ ने दिल्ली बुलाया था। उन्होंने शांतनु को सम्मानित किया और संविधान की एक कॉपी भी दी। इस दौरान उन्होंने शांतनु को छात्रों के हित में काम करने के निर्देश दिए। जो भी वादे चुनाव के दौरान किए गए हैं, उसे पूरा करने को कहा। उन्होंने सबको साथ लेकर चलने की बात कही है, ताकि बिहार में एनएसयूआई छात्र संगठन और मजबूत हो। इस दौरान महासचिव खुशी कुमारी और अन्य प्रत्याशी भी मौजूद रहे।

शिक्षा और युवाओं के मुद्दों की अनदेखी बर्दाश्त नहीं करेंगे- विनोद जाखड़ः विनोद जाखड़ ने कहा कि, 'पटना विश्वविद्यालय के छात्रों ने साफ संदेश दिया है कि शिक्षा और युवाओं के मुद्दों की अनदेखी बर्दाश्त नहीं की जाएगी। छात्र लोकतांत्रिक तरीके से अपनी आवाज़ बुलंद करते रहेंगे।'

शांतनु ने कहा कि, जिस दिन विनोद जाखड़ राष्ट्रीय अध्यक्ष बने थे, उसी दिन मैं पटना यूनिवर्सिटी का अध्यक्ष निर्वाचित हुआ था। उन्होंने हमें समझाया कि हमारे पास एक बड़ा अपॉर्चुनिटी है। हमें लोगों की हित के लिए काम करना है। NSUI के शांतनु शेखर ने अध्यक्ष पद पर अपने निकटतम प्रतिद्वंद्वी छात्र जदयू के प्रिंस कुमार को 1496 वोटों से हराया। शांतनु को 2896, जबकि प्रिंस कुमार 1400 वोट मिले। महासचिव पद पर एनएसयूआई की खुशी कुमारी को जीत हासिल हुई। खुशी को 2164 वोट हासिल हुए। दूसरे स्थान पर छात्र राजद के प्रत्यूष राज को 1611 वोटों से संतोष करना पड़ा। खुशी ने 553 मतों से जीत दर्ज की।

जीविका से जुड़कर पूजा देवी ने बदली अपनी और परिवार की तकदीर, बनीं महिलाओं के लिए प्रेरणा

लोकतंत्र की शान

सहरसा, मो. जियाउद्दीन, जिला संवाददाताः सहरसा जिले के नौहट्टा प्रखंड के मोहनपुर पंचायत की निवासी पूजा देवी ने जीविका परियोजना से जुड़कर अपने जीवन की दिशा ही बदल दी है। कभी खेतिहर मजदूरी करने वाली पूजा देवी आज न केवल आर्थिक रूप से सशक्त हुई हैं, बल्कि अपने गांव की महिलाओं के लिए प्रेरणा का स्रोत भी बन गई हैं। पूजा देवी 'राधिका जीविका स्वयं सहायता समूह' की सक्रिय सदस्य हैं, जो मिनिट ग्राम संगठन के अंतर्गत संचालित है। पहले उनके परिवार की आर्थिक स्थिति काफी कमजोर थी। उनके पति पप्पू कुमार दास गांव में चप्पल-जूते की एक छोटी दुकान चलाते थे, लेकिन परिवार की जिम्मेदारियों के प्रति उदासीनता और नशे की लत के कारण घर का माहौल अक्सर तनावपूर्ण रहता था। ऐसे हालात में बच्चों की पढ़ाई और परिवार का भविष्य असुरक्षित नजर आता था। करीब चार वर्ष पूर्व पूजा देवी स्वयं सहायता समूह से जुड़ीं। समूह से जुड़ने के बाद उनके अंदर आत्मविश्वास बढ़ा और उन्होंने अपने पति को समझाकर नशे से दूर रहने के लिए प्रेरित किया। साथ ही उन्होंने अपने पति के व्यवसाय में भी सहयोग करना शुरू किया। पूजा देवी इंटरमीडिएट तक शिक्षित हैं, जिसके कारण उन्हें 'जीविका मित्र' के रूप में काम करने का अवसर मिला। जीविका मित्र के रूप में कार्य करते हुए उन्हें विभिन्न प्रकार के प्रशिक्षण और जानकारी प्राप्त हुई, जिससे उनके व्यक्तित्व और आत्मविश्वास में उल्लेखनीय वृद्धि हुई। उन्होंने स्वयं सहायता समूह के माध्यम से कई बार ऋण लेकर अपने पति की दुकान में पूंजी निवेश किया, जिससे व्यवसाय धीरे-धीरे आगे बढ़ने लगा। साथ ही वह समय पर ऋण की अदायगी भी करती रही हैं। आज पूजा देवी का परिवार आर्थिक रूप से सुदृढ़ हो चुका है और उनके सभी बच्चे अच्छे विद्यालयों में शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं। उनकी सफलता केवल उनके परिवार तक ही सीमित नहीं है, बल्कि गांव की सैकड़ों महिलाओं के लिए प्रेरणा बन गई है। जीविका परियोजना के माध्यम से पूजा देवी जैसी महिलाएं आत्मनिर्भर बनकर समाज को नई दिशा दे रही हैं।

होली के बाद पटना जंक्शन पर उमड़ी प्रवासियों की भीड़

लोकतंत्र की शान , पटना

होली का त्योहार खत्म होते ही बिहार से प्रवासी मजदूरों का अपने कार्यस्थलों की ओर लौटना शुरू हो गया है। इसका असर पटना जंक्शन पर साफ दिखाई दे रहा है। शुक्रवार शाम संपूर्ण क्रांति एक्सप्रेस और मगध एक्सप्रेस जैसी दिल्ली जाने वाली ट्रेनों में यात्रियों की भारी भीड़ उमड़ पड़ी। ट्रेन के प्लेटफॉर्म पर पहुंचते ही सीट पाने के लिए यात्रियों में होड़ मच गई। कई यात्रियों को काफी मशक्कत के बाद ट्रेन में जगह मिल सकी। भीड़ इतनी अधिक थी कि कई डिब्बों में एक सीट पर तीन-तीन लोग बैठकर सफर करते नजर आए।

वैशाली के अमरजीत सिंह ने बताया कि वे दिल्ली में मार्बल और टाइल्स लगाने का काम करते हैं। होली की छुट्टी मनाने घर आए थे, लेकिन अब काम पर लौटना मजबूरी है। उन्होंने कहा कि इस समय ट्रेनों में काफी भीड़ है और उन्हें काफी कोशिश के बाद सीट मिल पाई। अमरजीत के मुताबिक, स्पेशल ट्रेनें अक्सर 20–25 घंटे तक लेट पहुंचती हैं, इसलिए उन्होंने संपूर्ण क्रांति एक्सप्रेस से सफर करना बेहतर समझा, क्योंकि यह ट्रेन आमतौर पर समय पर चलती है। होली के बाद यात्रियों की बढ़ती भीड़ को देखते हुए दानापुर रेल मंडल ने विशेष तैयारियां की हैं। पटना और दानापुर रेलवे स्टेशन पर यात्रियों के लिए होल्डिंग एरिया बनाए गए हैं।

डेंगू को लेकर पटना नगर निगम अलर्ट फॉगिंग और एंटी-लार्वा का हो रहा छिड़काव

लोकतंत्र की शान , पटना

♦ **लकड़ी की कुन्नी और मोबिल से भगाया जाएगा मच्छर**

पटना शहर में बदलते मौसम को देखते हुए मच्छरों की संख्या में बढ़ोतरी हो सकती है। इसे देखते हुए पटना नगर निगम अलर्ट मोड में आ गई है। शहर के विभिन्न इलाकों में लगातार सफाई, फॉगिंग और एंटी-लार्वा छिड़काव जैसे काम किए जा रहे हैं, ताकि मच्छरों के पनपने की संभावना को शुरुआती स्तर पर ही खत्म किया जा सके। नगर आयुक्त यशपाल मीणा ने सभी संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिया है कि वे अपने-अपने क्षेत्रों में मैनहोल और कैचपिट की नियमित सफाई सुनिश्चित करें। इसके साथ ही सफाई के दौरान एंटी-लार्वा दवा का छिड़काव अनिवार्य रूप से कराएं। ऐसा करने से मच्छरों के लार्वा को पनपने से पहले ही नष्ट किया जा सकेगा। शहर में जहां कहीं भी पानी के स्थिर होने की स्थिति देखी जा रही है, वहां विशेष उपाय अपनाए जा रहे हैं। लकड़ी के कुन्नी को कपड़े में बांधकर लगभग 10 सेंटीमीटर व्यास का गोला तैयार किया जा रहा है। इसे जले हुए मोबिल में भिंगोकर स्थिर पानी में चार से पांच की संख्या में डाला जा रहा है, ताकि पानी की सतह पर परत बन सके और मच्छरों के पनपने की संभावना कम हो। नगर निगम ने सभी क्षेत्रों में किए जा रहे कार्यों की रिपोर्ट कंट्रोल रूम को उपलब्ध कराने के निर्देश भी दिए हैं। मच्छरों के प्रभावी नियंत्रण के लिए शहर के विभिन्न क्षेत्रों में नियमित फॉगिंग कराई जा रही है। इसके साथ ही एंटी-लार्वा दवा का छिड़काव भी किया जा रहा है।

छिड़काव की निगरानी जियो-टैग फोटो के माध्यम से की जा रही है। इसके साथ ही जो रिपोर्ट मुख्यालय में समर्पित की जाएगी, उस रिपोर्ट पर स्थानीय नागरिकों द्वारा भी हस्ताक्षर किया जाएगा जिसका सत्यापन कंट्रोल रूम से भी किया जाएगा। नगर निगम के कर्मी शहर के अलग-अलग इलाकों में नालों की उड़ाही के साथ एंटी-लार्वा छिड़काव का कार्य कर रहे हैं, ताकि जलजमाव और मच्छरों के प्रजनन को रोका जा सके।

हेल्पलाइन सुविधाः नागरिकों से अपील की गई है कि वे अपने घरों और आसपास कूलर, पुराने टायर, गमलों और अन्य बर्तनों में पानी जमा न होने दें। यदि किसी क्षेत्र में फॉगिंग या एंटी-लार्वा छिड़काव की आवश्यकता हो, तो नागरिक नगर निगम के हेल्पलाइन नंबर 155304 पर संपर्क कर सकते हैं।

संक्षिप्त समाचार

हिसार में छात्राओं को मुर्गा बनाकर घुमाया, शिक्षा विभाग ने बनाई जांच कमेटी

» महिला आयोग को भेजी गई शिकायत, डिप्टी डीईओ की
» अध्यक्षता में कमेटी करेगी जांच

लोकतंत्र की शान : हिसार। जिले के एक राजकीय हाई स्कूल में छात्राओं को मुर्गा बनाकर घुमाने के मामले की जांच के लिए जिला शिक्षा अधिकारी ने कमेटी गठित की है। डिप्टी डीईओ की अध्यक्षता में गठित कमेटी की रिपोर्ट के आधार पर आगामी कार्रवाई की जाएगी। हाल ही में इस संबंध में तीन वीडियो सामने आए थे। वीडियो के अनुसार एक राजकीय हाई स्कूल में छात्राओं को सजा के तौर पर मुर्गा बनाकर घुमाया गया। मामले में वीडियो के साथ जिला शिक्षा अधिकारी (डीईओ) कार्यालय को ईमेल के जरिए शिकायत भेजी गई है। मामले की गंभीरता को देखते हुए डीईओ ने डिप्टी डीईओ की अध्यक्षता में जांच कमेटी गठित कर दी है। कमेटी को तीन दिन के भीतर जांच कर रिपोर्ट डीईओ कार्यालय को सौंपने के निर्देश दिए गए हैं। शिकायत में आरोप लगाया गया है कि स्कूल में छात्राओं को अनुशासन के नाम पर सजा दी गई और उन्हें मुर्गा बनाकर घुमाया गया। वायरल वीडियो में भी छात्राओं को इसी स्थिति में देखा जा रहा है। यह भी बताया गया है कि राज्य महिला आयोग को भी मामले की शिकायत भेजी गई है। शिक्षा विभाग का कहना है कि जांच रिपोर्ट आने के बाद ही स्पष्ट होगा कि वीडियो में दिख रही घटना कब और कैसे हुई और इसके लिए जिम्मेदार कौन है। विभागीय कार्रवाई भी रिपोर्ट के आधार पर ही तय की जाएगी। अब जांच कमेटी जांच करेगी कि घटना किस दिन और किस कक्षा में हुई, छात्राओं को 'मुर्गा' बनाने के आदेश किस शिक्षक या स्टाफ ने दिए, उस समय स्कूल में मौजूद स्टाफ और प्रबंधन की भूमिका क्या रही, घटना के दौरान मौजूद छात्राओं और अन्य विद्यार्थियों के बयान लिए जाएंगे। जांच के बाद जिम्मेदार शिक्षक या कर्मचारी के खिलाफ विभागीय कार्रवाई की सिफारिश की जाएगी। बताया जा रहा है कि सुरक्षा कारणों से शिकायतकर्ता ने अपना नाम उजागर नहीं किया है। शिकायतकर्ता ने लिखा है कि वीडियो गांव के सरकारी हाई स्कूल का है। यह ना तो फर्जी है और ना ही आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस से बनाया गया है। वीडियो में छात्राओं को मुर्गा बनाकर घुमाया जा रहा है। लड़कियों को मुर्गा बनाना समानता और सम्मान के खिलाफ है। यह स्कूल के माहौल के लिए उचित नहीं है। फिलहाल घटना सामने आने के बाद शिक्षा विभाग में हड़कंप की स्थिति बनी हुई है।

हरियाणा के मुख्यमंत्री से मिले पंजाब के राज्यपाल, सियासी चर्चा तेज

लोकतंत्र की शान : चंडीगढ़। पंजाब के राज्यपाल गुलाब चंद कटारिया ने शुक्रवार रात हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सैनी के साथ मुलाकात की। कटारिया पंजाब में संवैधानिक पद पर हैं इसके बावजूद यह मुलाकात राजनीति के गलियारों में चर्चा का विषय बन गया है। इन दिनों पंजाब व हरियाणा विधानसभा का बजट सत्र चल रहा है। हरियाणा का बजट आ चुका है और पंजाब का बजट रविवार को पेश होगा, जिसमें महिलाओं को एक-एक हजार रुपये सम्मान भत्ता दिया जाएगा। शुक्रवार रात पंजाब के राज्यपाल गुलाब चंद कटारिया चंडीगढ़ में मुख्यमंत्री नायब सैनी से मुलाकात करने के लिए पहुंचे। इस मुलाकात के दौरान बंद कमरे में हुई बातचीत का ब्यौरा बाहर नहीं आया है। मुख्यमंत्री नायब सैनी ने सोशल मीडिया एक्स पर लिखा कि संतकबीर कुटीर (मुख्यमंत्री आवास), चंडीगढ़ में पंजाब के माननीय राज्यपाल गुलाब चंद कटारिया जी से शिष्टाचार भेंट की। इस दौरान विभिन्न समसामयिक विषयों पर सार्थक चर्चा हुई। मुख्यमंत्री की इस पोस्ट के बाद चर्चाओं का दौर जारी है।

पुराने बस स्टैण्ड में व्यवस्था बनाने से परहेज़ कर रही नगर पालिका, नदारद हुई सुविधाएं

सोनांचल बस स्टैंड की बिगड़ी सूरत

लोकतंत्र की शान

सीधी। सोनांचल बस स्टैण्ड का निर्माण तीन दशक पूर्व यात्रियों की बेहतर सुविधा के लिए कराया गया था। लेकिन पालिका प्रशासन द्वारा बस स्टैण्ड में रही सुविधाओं जिसमें टायलेट , पार्किंग व प्रतीक्षालय में रखी कुर्सियां भी हटा दी गई हैं। सरकारी मंशा के मुताबिक जिले वासियों को बेहतर यात्री सुविधा प्रदाय करने के लिए ज्यादा भीड़ को देखते हुए दूसरे बस स्टैण्ड का निर्माण भी कराया गया है। लेकिन पुराना सोनांचल बस स्टैण्ड अपने साथ हो रहे अन्याय से कुछ ज्यादा ही प्रभावित हो गया है। शहरी क्षेत्र में बाजार के बीचोंबीच बने इस बस स्टैण्ड में महानगरों की तर्ज पर सुविधा युक्त प्रतीक्षालय के साथ यात्रियों के लिए आवश्यक वस्तुओं की मांग को देखते हुए उस तरह की दुकानें भी संचालित होती रही हैं। लेकिन दो दशक से पालिका प्रशासन द्वारा ही व्यवसायिक दृष्टिकोण से बस स्टैण्ड की भव्य ईमारत को नुक्ताचीनी करते हुए इधर से उधर तोड़.मरोडकर टायलेट व लैट्रिन, वाथरूम में दुकान व कार्यालय के लिए आवंटन कर दिया गया। फिर पार्किंग वाले स्थान में कुछ फुटपाथी दुकानें लगवानी शुरू कर दी गई। यही हाल बीच वाले यात्री प्रतीक्षालय में भी है। तब यात्रियों के खड़े होने के लिए भी जगह नहीं बच पाई है। आश्चर्य की बात तो यह कि फुटपाथ में उन्ही जगहों पर ठेलों में नाश्ते,चाय के दुकानों के अलावा चौपाटी वाली दर्जनों दुकानें लग रही हैं। जिससे आवागमन भी प्रभावित हो रहा है। इधर नपा इन अव्यवस्थाओं में अपनी निगाह भी नहीं दौड़ा रही है।

प्रतीक्षालय में बैठने की जगह नहीं

मुख्य द्वार वाले प्रतीक्षालय के बरामदे से सटे टायलेट को पालिका द्वारा गिराकर वहां दरवाजे में ताला लगा दिया गया है। उसी दीवाल से सटे सार्वजनिक पेयजल वाले नल की टोटियों के लगे स्थान पर भी पानी की सुविधा अर्से से बंद है। जिसमें इन दिनों पार्टीशन के लिए दीवाल भी उठाई जा रही है। यात्री बसों के खांचे में लगने के बाद ऊपर बने टीनशेड के नीचे की गैलरी वाले जगह में कई तरह की फुटपाथी दुकानें सटाकर लगाई जा रही हैं। जहां से भी यात्रियों को निकलने के लिए जगह नहीं बचती है। फिर उत्तर की तरफ बने वाहन पार्किंग में चौपाटी वाले ठेले दोनों तरफ से जाम लगाकर खड़े हो जाते हैं। जिससे यात्रियों को बाहर की सड़क पर निकलना दूभर हो जाता है।

रौनकता बिगाड़ रहे फुटपाथी व्यवसायी

सोनांचल के मुख्य द्वार पर ही फुटपाथी दुकानदारों की दुकानें कुछ ऐसी लगी रहती हैं जिनमें दरवाजे की रौनकता तो बिगड़ती ही हैए फिर उन दुकानों में खड़े ग्राहकों की वजह से यात्री रास्ता नहीं निकल पाते हैं। चारों तरफ से दरवाजे होने के बावजूद सोनांचल बस स्टैण्ड में आवागमन इतना अवरूद्ध हो जाता है कि जब वहां से बसे निकलती हैं तब चीटी की चाल में वे बसे पटेलपुल तक इधर गोपालदास पुल तक इधर वाईपास वाले मार्ग में भी वाहनों का सडक़ में कुछ ऐसा खड़ा होना होता है कि राहगीर सडक़ों में लगे जाम से अपने को बाहर नहीं निकाल पाते हैं। फिर तो जब ट्रैफिक की पुलिस पहुंचती है तभी उन मार्गों को खोला जा पाता है। कुल मिलाकर यदि देखा जाय तो सोनांचल बस स्टैण्ड के प्रतीक्षालय व वहां यात्री बसों के लिए बने खांचों और पार्किंग वाले क्षेत्र में जूठन का पानी सराबोर भरा रहता है। फिर भी पालिका प्रशासन इस अवव्यवस्था पर कोई ध्यान नहीं दे रहा है।

बेलगाम मोटरसाइकिल सवार ने महिला को मारी ठोकर, उपचार के दौरान मौत

लोकतंत्र की शान

सीधी। जिले के जमोड़ी थाना क्षेत्र अंतर्गत बम्हनी के पास हुए दर्दनाक सडक़ हादसे में गंभीर रूप से घायल महिला की उपचार के दौरान मौत हो गई। मृतका की पहचान सुशीला साहू पति मुन्ना साहू निवासी ग्राम पोस्ट पनवार, थाना जमोड़ी, तहसील गोपद बनास जिला सीधी के रूप में हुई है। प्राप्त जानकारी के अनुसार सुशीला साहू अपने मायके बम्हनी आई हुई थीं। शुक्रवार को वह पहाड़ के पास पैदल जा रही थीं, तभी एक तेज रफ्तार बाइक ने उन्हें जोरदार टक्कर मार दी। हादसे में उन्हें गंभीर चोटें आईं, वहीं उनके पैर की हड्डी भी टूट गई। दुर्घटना में बाइक चालक भी घायल हो गया। घटना के बाद स्थानीय लोगों की मदद से घायल महिला को तत्काल जिला चिकित्सालय सीधी लाया गयाए जहां उनका प्राथमिक उपचार किया गया। हालत नाजुक होने के कारण डॉक्टरों ने उन्हें बेहतर इलाज के लिए रीवा रेफर कर दिया। रीवा में रातभर इलाज चलता रहा, लेकिन गंभीर चोटों के कारण उनकी स्थिति में सुधार नहीं हो सका। शनिवार सुबह करीब 8 बजे उपचार के दौरान सुशीला साहू की मौत हो गई। बताया जा रहा है कि बाइक चालक का इलाज अभी जिला अस्पताल सीधी में जारी है। मृतका सीधी शहर में मनोज पेट्रोल पंप के पास मोहल्ले की रहने वाली थीं और अपने मायके बम्हनी गई हुई थीं। घटना की रिपोर्ट अस्पताल में दर्ज कर ली गई है तथा पुलिस पूरे मामले की जांच में जुटी हुई है।

ठंडी के जाते ही मच्छरों का प्रकोप तेज, जनता के हित में नगरपालिका की नहीं निकली फागिंग मशीन

» शाम ढलते ही मच्छरों का शुरू हो जाता है हमला

लोकतंत्र की शान

सीधी। शहर में गर्मी के दस्तक के पूर्व ही मच्छरों का प्रकोप गंभीर रूप से बढऩे लगा है। स्थिति यह है कि शाम ढलते ही मच्छरों का प्रकोप भयावह हो जाता है। लोगों को घरों के अंदर चैन से रहना भी मुश्किल हो जाता है। मच्छरों के प्रकोप से बचने के लिए लोग अपने स्तर से उपाय भी कर रहे हैं किन्तु यह उपाय मच्छरों के आगे नाकारा सावित हो रहा है। चर्चा के दौरान कई इलाकों के नागरिकों ने कहा कि नगर पालिका परिषद द्वारा मच्छरों के प्रकोप को कम करने के लिए कुछ भी उपाय नहीं किए जा रहे हैं। लाखों की लागत से खरीदी गई फागिंग मशीन को कार्यालय के कमरे में कैद करके रखा गया है। इसका उपयोग करने में नगर पालिका पूरी तरह से लापरवाह बनी हुई है। मच्छरों के प्रकोप को कम करने के लिए शाम ढलने के बाद से फागिंग मशीन को रिहायसी इलाकों में भ्रमण कराया जाना चाहिए जिससे मच्छरों की संख्या कम हो सके। पूर्व में नगर पालिका द्वारा कभी-कभार फागिंग मशीन का उपयोग किया जाता था किन्तु धीरे-धीरे यह परम्परा भी खत्म कर दी गई है। नागरिकों का कहना था कि आर्थिक रूप से सक्षम लोग मच्छरों के प्रकोप से बचने के लिए विभिन्न उपाय कर रहे हैं किन्तु गरीब तबका के लोग यह भी नहीं कर पा रहे हैं। हालांकि मास्कीटो क्वाइल, मच्छर मार अगरबत्ती, समेत अन्य उपायों का असर भी अब मच्छरों पर कम हो चुका है।

अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस पर विशेष

लोकतंत्र की शान

लखनऊः उत्तर प्रदेश में अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस पर कार्यक्रम अब केवल रस्म अदायगी नहीं, बल्कि महिलाओं की आजादी, सशक्तीकरण और स्वावलंबन का जीता जागता पर्याय हैं। योगी सरकार में पिछले 9 साल के भीतर महिला सशक्तीकरण की एक नई तस्वीर सामने आई है। सुरक्षा, शिक्षा, रोजगार और आर्थिक स्वावलंबन के क्षेत्र में अनेक योजनाएं लागू की गई हैं। महिलाओं की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए मिशन शक्ति अभियान मील का पत्थर साबित हुआ। दिन हो या रात, बहन-बेटियां भयमुक्त होकर स्कूल या ऑफिस आ-जा रही हैं। प्रदेश में आज मातृशक्ति स्वतंत्र, आत्मनिर्भर, स्वस्थ और स्वावलंबी है।

मिशन शक्ति- महिला सशक्तीकरण की नई इबारत- प्रदेश सरकार की ये सबसे बड़ी उपलब्धि है कि महिलाएं भयमुक्त होकर जीवन जीने के लिए स्वतंत्र हैं। महिलाओं की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए वर्ष 2020 में मिशन शक्ति अभियान की शुरुआत की गई। इसके तहत प्रदेश में 1694 एंटी रोमियो स्क्वायड सक्रिय हैं, जिन्होंने अब तक 1 करोड़ 18 लाख से अधिक सार्वजनिक स्थलों की चेकिंग की है और 4 करोड़ 52 लाख से अधिक व्यक्तियों की जांच की। इस दौरान 24,871 अभियोग दर्ज हुए और 33,268 आरोपितों को गिरफ्तार किया गया, जबकि 1 करोड़ 64 लाख से अधिक लोगों को चेतावनी दी गई। सेफ सिटी योजना के अंतर्गत 17 नगर निगमों और गौतम बुद्ध नगर में 7,95,699 सीसीटीवी कैमरे लगाए गए तथा 4,150 हॉटस्पॉट चिन्हित किए गए। इन कदमों से महिलाओं के प्रति अपराधों में उल्लेखनीय कमी दर्ज हुई है। मिशन शक्ति के प्रभाव से रेप, महिलाओं और बच्चों के अपहरण, दहेज हत्या व घरेलू हिंसा के मामलों में उल्लेखनीय कमी दर्ज की गई है।

मजबूत सुरक्षा व्यवस्था और संस्थागत तंत्र- प्रदेश में महिलाओं की सुरक्षा के लिए व्यापक संस्थागत ढांचा विकसित किया गया है। अब तक 44,177 महिला पुलिसकर्मियों की भर्ती की जा चुकी है और सभी थानों में महिला हेल्प डेस्क स्थापित किए गए हैं, जहां प्रशिक्षित महिला पुलिसकर्मी शिकायतें सुनती हैं। महिला हेल्पलाइन 1090 और आपातकालीन सेवा 112 के एकीकरण से त्वरित पुलिस सहायता उपलब्ध कराई जा रही है। राज्य में 9,172 महिला बीट सक्रिय हैं और करीब 19,839 महिला पुलिसकर्मी तैनात हैं। लखनऊ में 100 पिंक बूथ स्थापित किए गए, जहां 25,216 शिकायतें प्राप्त हुईं और इनमें से 24,659 मामलों का समाधान काउंसिलिंग के माध्यम से किया गया। मिशन शक्ति फेज-5 में 50 लाख लोगों को जागरूक किया गया।

कौशल और शिक्षा से बढ़ते अवसर- महिलाओं को सक्षम बनाने के लिए राज्य सरकार ने शिक्षा व कौशल विकास पर विशेष जोर दिया है। उत्तर प्रदेश स्किल डेवलपमेंट मिशन के माध्यम से युवतियों को आईटी, हेल्थकेयर, फैशन डिजाइनिंग, इलेक्ट्रॉनिक्स, ब्यूटी एंड वेलनेस और रिटेल सहित लगभग 35 सेक्टरों में 1300 से अधिक जॉब रोल्स में प्रशिक्षण दिया जा रहा है। प्रशिक्षण केंद्रों में डिजिटल स्किल, सॉफ्ट स्किल और व्यक्तित्व विकास का प्रशिक्षण भी दिया जा रहा है, ताकि युवतियां आधुनिक अर्थव्यवस्था के अनुरूप खुद को तैयार कर सकें। वित्त वर्ष 2026-27 के बजट में भी कौशल विकास और व्यावसायिक शिक्षा को सशक्त बनाने के लिए महत्वपूर्ण प्रावधान किए गए हैं।

आर्थिक भागीदारी में ऐतिहासिक वृद्धि- 9 वर्षों में उत्तर प्रदेश में महिला श्रम भागीदारी 13% से बढ़कर 36% पहुंची। उत्तर प्रदेश राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन के अन्तर्गत 9.11 लाख से अधिक समूहों, 63,519 ग्राम संगठनों एवं 3272 संकुल स्तरीय संघों का गठन करते हुए ग्रामीण क्षेत्र की 99 लाख से अधिक महिलाओं को जोड़ा गया। लखपति महिला योजना के अन्तर्गत 33 लाख से अधिक दीदियों का चिन्हांकन किया गया और 18 लाख से अधिक महिलाएं लखपति की श्रेणी में आ चुकी हैं। बी.सी. सखी ने कार्य करते हुए रु. 40 हजार करोड़ से अधिक का वित्तीय लेनदेन किया। बी. सी. सखियों ने रु. 109 करोड़ का लाभांश अर्जित किया।

गुरुनानक वार्ड में लगभग 19 लाख की लागत से सड़क डामरीकरण कार्य का हुआ भूमिपूजन

» महापौर ने क्षेत्रीय पार्षद के साथ सब्जी मंडी का किया निरीक्षण, व्यवस्थित दुकानें लगाने की अपील

लोकतंत्र कि शान हसन रसीद जिला ब्यूरो चीफ
जबलपुर कटनी मध्य प्रदेश

कटनी गतः नगर के गुरुनानक वार्ड अंतर्गत सब्जी मंडी क्षेत्र में लंबे समय से सड़क की खराब स्थिति के कारण नागरिकों को आवागमन में परेशानी का सामना करना पड़ रहा था। क्षेत्रवासियों की इस समस्या को ध्यान में रखते हुए लगभग 19 लाख रुपये की स्वीकृत राशि से सड़क डामरीकरण कार्य का भूमिपूजन शनिवार 7 मार्च को विधि-विधान के साथ संपन्न हुआ। कार्यक्रम में महापौर श्रीमती प्रीति संजीव सूरी,निगमाध्यक्ष श्री मनीष पाठक एवं क्षेत्रीय पार्षद प्रियंका बिट्टू एवं अन्य एमआईसी सदस्यों की गरिमा मई मौजूदगी रही। इस अवसर पर महापौर श्रीमती सूरी ने कहा कि नगर निगम द्वारा शहर के विभिन्न वार्डों में मूलभूत सुविधाओं के विकास के लिए निरंतर कार्य किए जा रहे हैं। उन्होंने बताया कि गुरुनानक वार्ड की इस महत्वपूर्ण सड़क के निर्माण से सब्जी मंडी आने वाले नागरिकों एवं व्यापारियों को आवागमन में बड़ी सुविधा मिलेगी। वहीं क्षेत्रीय पार्षद प्रियंका बिट्टू ने बताया कि वार्डवासियों की मांग पर इस सड़क डामरीकरण कार्य को स्वीकृति दिलाई गई है। उन्होंने कहा कि सब्जी मंडी क्षेत्र में प्रतिदिन बड़ी संख्या में लोग आते हैं, ऐसे में सड़क का निर्माण होने से स्थानीय नागरिकों और व्यापारियों को काफी राहत मिलेगी। उक्त डामरीकरण कार्य झूलेलाल मंदिर मार्ग एवं सब्जी मंडी रोड पर कराया जाएगा, जिससे क्षेत्र में आवागमन और अधिक सुगम एवं सुरक्षित हो सकेगा। भूमिपूजन कार्यक्रम के पश्चात महापौर श्रीमती प्रीति संजीव सूरी ने क्षेत्रीय पार्षद प्रियंका बिट्टू के साथ सब्जी मंडी का निरीक्षण भी किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने दुकानदारों से चर्चा कर सभी को व्यवस्थित रूप से दुकानें लगाने का आग्रह किया, ताकि मंडी क्षेत्र में स्वच्छता और आवागमन की व्यवस्था बेहतर बनी रहे। इस अवसर पर एमआईसी सदस्य डॉ. रमेश सोनी, जयनारायण निषाद, सुभाष साहू, उमेंद्र अहिरवार, पार्षद एड. मौसूफ बिट्टू,अवकाश जायसवाल, ओमप्रकाश (बल्ली) सोनी सहित अन्य जनप्रतिनिधि एवं स्थानीय नागरिक उपस्थित रहे।

देवांश पाण्डेय ने देश में जिले का नाम रोशन किया

लोकतंत्र की शान

सीधी। देश की सेना में लेफ्टिनेंट के पद पर चयनित होकर जिले का नाम रोशन किया है उस पद तक पहुंचने के लिए एड़ियां घिस जाती है फिर भी नसीव नहीं होता है लेकिन मेरे जनपद क्षेत्र के सगौनी भरतपुर निवासी युवा देवांश पाण्डेय ने यह मुकाम हासिल कर सभी का मान बढ़ाया है उक्त बातें कपुरी कोठार के प्राचीन हनुमान मंदिर के प्रधान पुजारी हनुमान प्रसाद मिश्र ने देवांश के लेफ्टिनेंट बनने पर बधाई संदेश देते हुए कहा है। श्री मिश्र ने बताया देवांश पाण्डेय रामपुर नैकिन जनपद पंचायत के पूर्व उपाध्यक्ष वरिष्ठ समाजसेवी राकेश पाण्डेय के पुत्र हैं देवांश पाण्डेय ने पूरे भारतवर्ष में सीधी जिले का चुरहट विधानसभा काए भरतपुर सगौनी का नाम रोशन किया है। बता दे की गत वर्ष देवांश पाण्डेय का चयन सेना के लेफ्टिनेंट के पद पर हुआ है। जिनकी ट्रेनिंग पूरी होने पर आज शुक्रवार को उनके माता-पिता को बुला कर गौरव सम्मान से सम्मानित किया गया है। बताया गया है की लेफ्टीनेंट देवांश पाण्डेय के पिता राकेश पाण्डेय जनपद स्तरीय राजनीति करते हुए समाजसेवी है, तो माता श्रीमती रमा पाण्डेय जी शिक्षिका है, दोनों को चेन्नई बुलाकर गौरव सम्मान से सम्मानित किया गया है। आज सात मार्च को लेफ्टिनेंट देवांश बैच बिल्ला लगाकर देश सेवा के लिए समर्पित किए। लेफ्टिनेंट देवांश पाण्डेय के इस देश भक्ति कार्य करने के लिए मिली सफलता पर बधाई देने वालों का तांता लगा हुआ है।

पत्रकार हत्याकांड में डेरामुखी राम रहीम बरी, पंजाब-हरियाणा हाईकोर्ट का फैसला

लोकतंत्र की शान

चंडीगढ़। पंजाब-हरियाणा हाईकोर्ट ने एक अहम फैसला सुनाते हुए डेरा सच्चा सौदा प्रमुख गुरमीत राम रहीम को पत्रकार हत्याकांड में बरी कर दिया है। यह फैसला शनिवार सुबह चीफ जस्टिस शील नागू तथा जस्टिस वीरेंद्र अग्रवाल की खंडपीठ ने सुनाया। हाईकोर्ट का यह फैसला सीबीआई कोर्ट द्वारा करीब सात साल पहले पत्रकार रामचंद्र छत्रपति हत्याकांड में दोषी ठहराए जाने के बाद सुनाया गया है। रामचंद्र छत्रपति की हत्या वर्ष 2002 में हुई थी। लंबी जांच के बाद मामला सीबीआई को सौंपा गया। जिसने राम रहीम और दूसरों पर हत्या का मुकदमा चलाया। राम रहीम अभी दूसरे मामलों में जेल की सज़ा काट रहा है, जिसमें रेप और दूसरे अपराधों से जुड़े आरोप शामिल हैं। हाई कोर्ट का नया फैसला लंबे समय से चल रहे छत्रपति मर्डर केस में एक बड़ा कानूनी मोड़ है। इस मामले की सीबीआई जांच के बाद वर्ष 2019 में दोषी ठहराया गया था। रामचंद्र छत्रपति सिरसा से अपना एक अखबार निकालते थे। उन्होंने डेरा से जुड़े कई समाचार प्रमुखता से उठाए थे। सबसे पहले साध्वी यौन शोषण हत्याकांड की खबर उन्होंने अपने लोकल अखबार में प्रकाशित की थी। जिसके कुछ समय बाद उनकी हत्या कर दी गई। हाईकोर्ट ने शनिवार को राम रहीम को इस मामले में बरी करते हुए तीन अन्य कुलदीप सिंह, निर्मल सिंह व कृष्णलाल की अपील खारिज कर उनकी सजा को बरकरार रखा है।

चौकी खितौली थाना बरही पुलिस द्वारा अवैध रेत परिवहन करते हुए तीन ट्रैक्टर-ट्राली जप्त

लोकतंत्र की शान हसन रसीद जिला ब्यूरो चीफ
जबलपुर कटनी मध्य प्रदेश

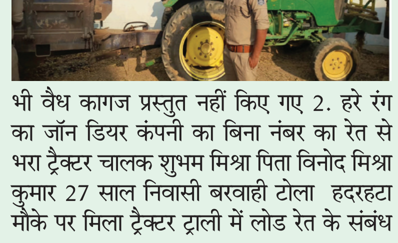

पुलिस अधीक्षक अभिनय विश्वकर्मा के निर्देशन में तथा अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक डॉ संतोष डेहरिया एवं अनुविभागीय अधिकारी महोदय पुलिस विजयराघवगढ़ वीरेंद्र धार्वे के मार्गदर्शन में अवैध रेत परिवहन के विरुद्ध लगातार प्रभावी कार्रवाई की जा रही है इसी क्रम में दिनांक 07/03/26 को खितौली पुलिस द्वारा अवैध रेत का खनन की सूचना पर ग्राम करचुलहाखितौली-चंदिया मार्ग के पास अवैध रूप से रेत का परिवहन करते हुए तीन ट्रैक्टर ट्राली पड़े जो कम से 1. नीले रंग का आइसर कंपनी का ट्रैक्टर बिना नंबर प्लेट का पकड़ा गया जांच के दौरान ट्रैक्टर चालक गोविंद सिंह पिता गुलाब सिंह गौड़ उम्र 36 साल निवासी करचूलहा थाना बरही जिला कटनी मौके पर मिला है ट्रैक्टर ट्राली में लोड रेत के संबंध में दस्तावेज पता करने पर कोई भी वैध कागज प्रस्तुत नहीं किए गए 2. हरे रंग का जॉन डियर कंपनी का बिना नंबर का रेत से भरा ट्रैक्टर चालक शुभम मिश्रा पिता विनोद मिश्रा कुमार 27 साल निवासी बरवाही टोला हदरहटा मौके पर मिला ट्रैक्टर ट्राली में लोड रेत के संबंध में कोई वैद्य दस्तावेज पता करने पर कागजात प्रस्तुत नहीं किया 3. हरे रंग का जॉन डीरे ट्रैक्टर बिना नंबर का पकड़ा गया जांच दौरान ट्रैक्टर चालकरामजी यादव पिता कमल यादव उम्र 35 साल निवासी करचुलहा ट्रैक्टर ट्राली में लोड रेत के संबंध में पूछताछ पर कोई वैद्य दस्तावेज प्रस्तुत नहीं किए गए उक्त वाहन को अवैध रूप से रेत का परिवहन करते पाए जाने पर समक्ष गवाहों के कब्जे में लेकर ट्रैक्टर ट्राली जप्त की गई तथा आवश्यक कार्रवाई करते हुए ट्रैक्टर ट्राली को सुरक्षित चौकी परिसर में खड़ा कराया गया विशेष भूमिका- इस संपूर्ण कार्यवाही में थाना प्रभारी निरीक्षक अरविंद कुमार चौबे चौकी खितौली प्रभारी ऋषभ सिंह बघेल,आरक्षक 328 आशीष पटेल ,आरक्षक 675 दिलीप कुमार कोल ,आरक्षक 669 अंकित की विशेष भूमिका रही कटनी चौकी खितौली थाना बरही पुलिस के द्वारा अवैध खनन एवं अवैध परिवहन के विरुद्ध आगे भी सख्त कार्रवाई जारी रहेगी

संक्षिप्त समाचार

नेपाल में भारत विरोधी नेता केपी ओली की हार तय, अपने ही गढ़ में 40,000 वोटों से पिछड़े

काठमांडु। नेपाल में आम चुनाव की मतगणना जारी है। 165 सीटों पर शुरुआती रुझान आ चुके हैं। रैपर और काठमांडू के मेयर रहे बालेन शाह की राष्ट्रीय स्वतंत्र पार्टी (RSP) सबसे बड़ी पार्टी बनकर उभरी है। RSP ने अब तक 46 सीटें जीत ली हैं, जबकि 73 सीटों पर आगे चल रही है। यह पार्टी सिर्फ 4 साल पहले एक पत्रकार रहे रबि लामिछाने ने बनाई थी। पूर्व प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली झापा-5 सीट पर बालेन शाह से 40 हजार वोटों से पीछे चल रहे हैं। उन्हें सिर्फ 15,409 हजार वोट मिले हैं, जबकि बालेन शाह को 55,934 वोट मिल चुके हैं। ओली ने झापा-5 सीट से 2017 और 2022 का चुनाव जीता था। नेपाल में 110 सीटें पार्टियों को मिले कुल वोट प्रतिशत के आधार पर मिलती हैं। इसमें वोटर किसी उम्मीदवार को नहीं बल्कि किसी पार्टी को वोट देती है। पूरे देश में पार्टी को जितने प्रतिशत वोट मिलते हैं, उसी हिसाब से उन्हें संसद में सीटें मिलती हैं। इसमें भी बालेन शाह की RSP आगे है। चुनाव आयोग के अनुसार अब तक RSP को 54.8 प्रतिशत वोट मिले हैं। पिछले साल सितंबर में हुए हिंसक प्रदर्शनों के बाद 5 मार्च को हुए चुनाव में 58% लोगों ने वोट डाले। वोटों की गिनती पूरी होने में 3 से 4 दिन लगने की उम्मीद है। चुनाव आयोग ने कहा है कि 9 मार्च तक काउंटिंग पूरी करने की कोशिश की जाएगी। नेपाल में चुनाव की व्यवस्था मिश्रित चुनाव प्रणाली पर आधारित है। यानी यहां दो तरीकों से सांसद चुने जाते हैं- सीधे चुनाव से और पार्टी को मिले कुल वोट के हिसाब से। संसद की 275 में से 165 सीटों पर सीधे चुनाव होता है। हर इलाके (निर्वाचन क्षेत्र) में लोग अपने उम्मीदवार को वोट देते हैं। जिस उम्मीदवार को सबसे ज्यादा वोट मिलते हैं, वही जीतता है।

एपस्टीन फाइल- ट्रम्प पर नाबालिग के यौन शोषण का आरोप, नए दस्तावेज में खुलासा

वॉशिंगटन। अमेरिका में न्याय विभाग ने कुख्यात यौन अपराधी जेफ्री एपस्टीन से जुड़े नए दस्तावेज जारी किए हैं। एफबीआई को दिए इंटरव्यू में महिला ने दावा किया कि एपस्टीन ने उसकी मुलाकात डोनाल्ड ट्रम्प से कराई थी। ट्रम्प ने उनका यौन शोषण किया। तब वे नाबालिग थीं। ये पेज पहले जारी नहीं किए गए थे। एफबीआई ने महिला के दावों से जुड़े 4 इंटरव्यू किए थे। पर शुरुआती रिलीज में सिर्फ एक इंटरव्यू का सार दिखा, जिसमें महिला ने एपस्टीन के खिलाफ आरोप बताए थे। बाकी तीन इंटरव्यू गायब होने पर सवाल उठ रहे थे। अधिकारियों ने अब कहा कि इन्हें गलती से 'डुप्लीकेट' मानकर रोक दिया गया था। बाद में रिव्यू किया तो यह बात गलत निकली। अमेरिका की विपक्षी डेमोक्रेटिक पार्टी के नेता एपस्टीन से जुड़े डॉक्यूमेंट हैंडल करने के तरीके को लेकर ट्रम्प सरकार पर सवाल उठा रही है। उनका आरोप है कि ट्रम्प प्रशासन ने एपस्टीन जांच से जुड़ी ऐसी जानकारियां दबाईं, जो ट्रम्प को नुकसान पहुंचा सकती थीं। हाउस की एक कमेटी ने अटॉर्नी जनरल पाम बॉन्डी को नोटिस जारी करने के पक्ष में वोट किया। उन्हें कोर्ट में जवाब देना होगा। ट्रम्प पर आरोप लगाने वाली महिला के 2019 में FBI ने कई इंटरव्यू लिए थे। गुरुवार को जो डॉक्यूमेंट जारी हुए हैं, उनमें इन्हीं इंटरव्यू के डिटेल्स शामिल हैं। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार इस इंटरव्यू में उस महिला ने आरोप लगाया कि जब उसकी उम्र 13 से 15 साल के बीच थी, तब एपस्टीन और ट्रम्म ने उसका यौन-शोषण किया था। एक इंटरव्यू में महिला ने कहा कि एपस्टीन उसे न्यूयॉर्क या न्यूजर्सी ले गया था और वहीं ट्रम्प से मिलवाया था। महिला ने जांचकर्ताओं को बताया कि जब ट्रम्प उस पर सेक्स करने के लिए दबाव डाल रहे थे, तब उसने उन्हें काट भी लिया था।

बजट सत्र का दूसरा चरण 9 मार्च से, पहले दिन ही आएगा लोकसभा स्पीकर को हटाने का प्रस्ताव

नई दिल्ली। संसद का बजट सत्र का दूसरा चरण 9 मार्च से शुरू होकर 2 अप्रैल तक चलेगा। भाजपा और कांग्रेस दोनों ने अपने लोकसभा सांसदों को 9 से 11 मार्च तक सदन में मौजूद रहने के लिए 3-लाइन व्हिप जारी किया है। कांग्रेस ने अपने सांसदों से कहा है कि वे इन दिनों सदन में मौजूद रहें क्योंकि लोकसभा स्पीकर को हटाने के प्रस्ताव पर चर्चा की संभावना है। वहीं भाजपा ने भी सांसदों को मौजूद रहने का निर्देश दिया है। विपक्ष ने स्पीकर ओम बिरला को पद से हटाने के लिए प्रस्ताव का नोटिस दिया है। विपक्ष के 118 सांसदों ने इस प्रस्ताव पर हस्ताक्षर किए हैं। हालांकि तृणमूल कांग्रेस के सांसदों (29) ने इस नोटिस पर हस्ताक्षर नहीं किए। वहीं, तृणमूल कांग्रेस के सांसदों ने अपनी पार्टी के चेयरपर्सन के निर्देश के अनुसार अविश्वास प्रस्ताव का समर्थन करने का मन बना लिया है। सूत्रों के मुताबिक TMC सांसद लोकसभा अध्यक्ष के खिलाफ वोट करेंगे। आरोप है कि स्पीकर बिरला ने सदन की कार्यवाही चलाने में पक्षपातपूर्ण रवैया अपनाया और विपक्षी नेताओं को बोलने का मौका नहीं दिया। नियमों के अनुसार स्पीकर को हटाने का प्रस्ताव लोकसभा में साधारण बहुमत से पारित होता है। मौजूदा लोकसभा में एनडीए के पास करीब 290 से अधिक सांसदों का समर्थन है, इसलिए प्रस्ताव पारित होना कठिन है। प्रस्ताव पर चर्चा के दौरान स्पीकर स्वयं सदन की अध्यक्षता नहीं करेंगे, लेकिन उन्हें अपना पक्ष रखने और मतदान करने का अधिकार होगा।

स्क्वाड्रन लीडर अनुज का राजकीय सम्मान से अंतिम संस्कार, रोहतक में छोटे भाई ने मुखाग्नि दी

रोहतक। असम में सुखोई फाइटर प्लेन क्रैश में शहीद हुए एयरफोर्स के स्क्वाड्रन लीडर अनुज शर्मा का शनिवार को राजकीय सम्मान के साथ अंतिम संस्कार किया गया। रोहतक के ककराना गांव में अनुज के छोटे भाई मनुज ने उन्हें मुखाग्नि दी। अनुज का शव दोपहर को उनके पैतृक गांव ककराना पहुंचा, जहां परिवार के सदस्यों ने उनके अंतिम दर्शन किए। उन्हें श्रद्धांजलि देने के लिए रोहतक से कांग्रेस सांसद दीपेंद्र हुड्डा और मंत्री अरविंद शर्मा भी पहुंचे। अनुज शर्मा का रिश्ता तय हो गया था और परिवार के लोग सगाई व शादी की तैयारियों में जुटे थे, लेकिन इससे पहले ही वे शहीद हो गए। अनुज से जिसकी शादी होनी थी, वह भी एयरफोर्स में पायलट हैं। अनुज के अंतिम संस्कार के बाद मंत्री अरविंद शर्मा ने कहा कि यह शहादत देश के लिए बहुत बड़ी क्षति है। आज पूरा देश शोक में डूबा हुआ है। इस शहादत ने ककराना गांव का नाम बहुत ऊंचा किया है। हम अनुज को श्रद्धांजलि देने के लिए यहां पहुंचे हैं। हमारी संवेदनाएं उनके परिवार के साथ हैं। उनकी शहादत का वर्णन करने के लिए हमारे पास शब्द नहीं हैं। अनुज शर्मा का जन्म 9 अगस्त 1993 को रोहतक के ककराना गांव में हुआ। जब अनुज मात्र 7 साल के थे तो परिवार गुरुग्राम शिफ्ट हो गया। अनुज शर्मा की पढ़ाई लिखाई गुरुग्राम में ही हुई। पढ़ाई में शुरू से ही होनहार होने के कारण अनुज शर्मा का 2015 में एयरफोर्स में सिलेक्शन हो गया। ट्रेनिंग पूरी करने के बाद 2016 में ककराना गांव में अनुज का भव्य स्वागत भी किया गया।

कतर ने ईरान के 9 ड्रोन मार गिराए

एजेंसी, इस्तांबुल

◆ सऊदी अरब और यूएई ने भी हमलों को किया नाकाम

पश्चिम एशिया में अमेरिका-इजरायल और ईरान के बीच जारी युद्ध के बीच खाड़ी क्षेत्र में तनाव और बढ़ गया है। ईरान की ओर से सऊदी अरब, संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) और कतर की तरफ दागे गए मिसाइलों और ड्रोन को इन देशों की वायु रक्षा प्रणालियों ने बड़े पैमाने पर इंटरसेप्ट कर नाकाम कर दिया। कतर का दावा है कि उसने ईरान के 10 में से 9 ड्रोन मार गिराए, जबकि एक सुनसान इलाके में गिरा और किसी तरह की जनहानि नहीं हुई। तुर्किए की सरकारी न्यूज एजेंसी अनादोलु एजेंसी ने कतर रक्षा मंत्रालय के हवाले से बताया कि ईरान ने देश पर 10 ड्रोन हमले किए। इनमें से 9 ड्रोन को वायु रक्षा प्रणाली ने हवा में ही निष्क्रिय कर दिया, जबकि एक ड्रोन दूरदराज के सुनसान इलाके में गिरा। इस घटना में किसी प्रकार की जनहानि या बड़े नुकसान की खबर नहीं है। मंत्रालय ने कहा कि कतर की सशस्त्र बल देश की संप्रभुता और सुरक्षा की रक्षा करने में पूरी तरह सक्षम हैं और नागरिकों एवं विदेशियों से शांत रहने तथा आधिकारिक निर्देशों का पालन करने की अपील की गई है।

सऊदी रक्षा मंत्रालय के मुताबिक अल-खार्ज स्थित प्रिंस सुल्तान एयर बेस की ओर दागी गई दो बैलिस्टिक मिसाइलों को सफलतापूर्वक इंटरसेप्ट कर नष्ट कर दिया गया। इसके अलावा शायबा ऑयलफील्ड की ओर बढ़ रहे छह ड्रोन भी मार गिराए गए। इससे पहले रियाद के पूर्व में एक अन्य ड्रोन को भी नष्ट किया गया था। यूएई के रक्षा मंत्रालय ने बताया कि उसकी वायु रक्षा प्रणाली ईरान से आने वाले मिसाइल और ड्रोन खतरों का लगातार जवाब दे रही है। तनाव के बीच दुबई में हवाई यातायात भी प्रभावित हुआ। एयरलाइन ट्रैकर फ्लाइटरडार24 के अनुसार दुबई जाने वाली कई उड़ानें एयरपोर्ट के ऊपर होल्डिंग पैटर्न में रहीं।

बहरीन के गृह मंत्रालय ने नागरिकों को सतर्क रहने और नजदीकी सुरक्षित स्थानों पर जाने की सलाह दी है। कुछ ही घंटों के भीतर देश में दूसरी बार चेतावनी सायरन बजाए गए। कतर की सिविल एविएशन अथॉरिटी ने बताया कि सुरक्षा एजेंसियों के समन्वय से सीमित क्षमता के साथ एयर नेविगेशन दोबारा शुरू किया जा रहा है। इस चरण में यात्रियों को निकालने के लिए कुछ निर्धारित उड़ानों का संचालन किया जाएगा। विशेषज्ञों ने कहा कि भले ही ईरान के जवाबी हमलों की तीव्रता कम हो, लेकिन कुछ घटनाएं भी वैश्विक तेल बाजार, हवाई यात्रा और क्षेत्रीय सुरक्षा को प्रभावित करने के लिए पर्याप्त हैं।

गौरतलब है कि 28 फरवरी से ईरान इजराइल और खाड़ी देशों की ओर मिसाइल और ड्रोन हमले कर रहा है। इन देशों में कई जगह अमेरिकी सैन्य ठिकाने मौजूद हैं। कुछ हमलों में बंदरगाहों और रिहायशी इमारतों जैसे नागरिक ठिकानों को भी नुकसान पहुंचने की खबरें सामने आई हैं। तेहरान का कहना है कि ये हमले ईरान के खिलाफ अमेरिका और इज़राइल के सैन्य अभियान के जवाब में किए जा रहे हैं।

ममता बनर्जी का धरना दूसरे दिन भी जारी, रातभर धरनास्थल पर रहीं

बोलीं- एसआईआर में वोटर्स के नाम बंगाल को बांटने के इरादे से हटाए

एजेंसी, कोलकाता

पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी का धरना शनिवार को लगातार दूसरे दिन भी जारी है। ममता ने शुक्रवार की रात धरना स्थल पर ही बिताई। ममता ने राज्य में स्पेशल इंटेसिव रिविजिन (SIR) में वोटर लिस्ट से नाम हटाने के विरोध में 6 मार्च दोपहर 2 बजे से कोलकाता के एस्प्लेनेड मेट्रो चैनल पर धरना शुरू किया है। ममता बनर्जी ने समर्थकों को संबोधित करते हुए आरोप लगाया कि पोस्ट SIR में वोटर लिस्ट से वोटर्स के नाम हटाना हटाना बंगाल को बांटने के इरादे से किया गया है। भाजपा बंगाल को बांटकर वोट छीनने की योजना बना रही है। वे (भाजपा नेता) अन्य राज्यों में बंगाली भाषी लोगों को परेशान कर रहे हैं और बंगालियों को उनके वोट देने के अधिकार से वंचित करने की साजिश रच रहे हैं। धरना स्थल पर ममता के साथ तृणमूल कांग्रेस (TMC) के वरिष्ठ नेता, विधायक और पार्टी कार्यकर्ता मौजूद हैं।

ममता ने कहा- 10वीं पास बेरोजगारों को 1500 रुपए महीना मिलेंगे: ममता ने कहा कि 10वीं पास कर चुके 21-40 वर्ष आयु वर्ग के युवा बेरोजगार लड़के-लड़कियों को 7 मार्च से प्रति माह 1,500 रुपए मिलेंगे। यह सहायता मूल रूप से अप्रैल में शुरू होने वाली थी, लेकिन अब यह तुरंत शुरू हो जाएगी। हमने बजट में दो योजनाओं की घोषणा की थी। एक है 'बंगालर युवा साथी' और दूसरी है 'भूमिहीन खेत मजदूर'। दोनों योजनाएं अप्रैल से शुरू होनी थीं, लेकिन हमने इन्हें आज से शुरू करने का फैसला किया है। वे बंगाल को बदनाम करने की कोशिश कर रहे हैं क्योंकि हमारा राज्य कई योजनाएं लाने में पहले स्थान पर है।

बराम रहीम पत्रकार छत्रपति हत्याकांड में बरी, हाईकोर्ट ने दिया फैसला

एजेंसी, चंडीगढ़

◆ 7 साल पहले उम्रकैद हुई थी, 3 अन्य की सजा बरकरार

पंजाब एंड हरियाणा हाईकोर्ट ने पत्रकार रामचंद्र छत्रपति हत्याकांड में डेरा सच्चा सौदा के राम रहीम को बरी कर दिया है। हालांकि कोर्ट ने 3 आरोपियों कुलदीप सिंह, निर्मल सिंह और कृष्ण लाल की सजा को बरकरार रखा है। इससे पहले 17 जनवरी 2019 को पंचकूला की स्पेशल CBI कोर्ट ने राम रहीम समेत बाकी सभी आरोपियों को 7 साल कैद की सजा सुनाई थी। जिसके खिलाफ आरोपियों ने हाईकोर्ट में याचिका दायर की थी। फैसला सुनाते हुए हाईकोर्ट ने कहा कि इस हत्याकांड में राम रहीम के साजिशकर्ता होने के पर्याप्त सबूत नहीं हैं। जिस वजह से राम रहीम को बरी कर दिया गया। राम रहीम इससे पहले डेरा मैनेजर रणजीत हत्याकांड में पहले ही हाईकोर्ट से बरी हो चुका है। हालांकि सीबीआई ने इसे सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी है। राम रहीम को साध्वियों के यौन शोषण केस में 10 साल कैद की सजा हुई है। इस वजह से राम रहीम को अभी जेल में ही रहना होगा।

उधर, रामचंद्र के बेटे अंशुल ने कोर्ट के फैसले पर कहा कि सीबीआई ने इस मामले की अच्छी पैरवी की है, सभी सबूत दिए गए। राम रहीम को बाहर निकालना गलत है। हम अब सुप्रीम कोर्ट जाएंगे। 2002 में हुई थी हत्या पत्रकार रामचंद्र छत्रपति ने अपने अखबार में डेरा से जुड़े कुछ गंभीर आरोपों को प्रकाशित किया था, जिसके बाद वर्ष 2002 में उनकी गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। इसको लेकर खूब बवाल मचा था। जिसके बाद मामले की जांच CBI को सौंपी गई थी। CBI की स्पेशल कोर्ट ने लंबी सुनवाई के बाद मामले में डेरा मुखी सहित अन्य आरोपियों को दोषी ठहराते हुए उम्रकैद की सजा सुनाई थी।

जींद की फैक्ट्री में आग, 5 महिलाओं की मौत

एजेंसी, जींद

❑ 17 मजदूर झुलसे, मेन गेट पर बाहर से ताला लगा था, निकल नहीं पाए तो छत से कूदे

हरियाणा के जींद में शनिवार को होली के गुलाल और रंग बनाने वाली फैक्ट्री में भीषण आग लग गई। हादसे में 5 महिलाओं की मौत हो गई, जबकि 17 मजदूर झुलस गए। इनमें ज्यादातर महिलाएं हैं। घटना सफीदों की भाट कॉलोनी की है। आरोप है कि फैक्ट्री के मेन गेट पर बाहर से ताला लगा हुआ था। जब फैक्ट्री में आग लगी तो मजदूर बाहर नहीं निकल पाए। सूचना मिलते ही फायर ब्रिगेड की गाड़ियां मौके पर पहुंचीं और कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। घायलों को सिविल अस्पताल में भर्ती कराया गया है। अभी यह नहीं पता चल पाया है कि आग कैसे लगी। सूचना पर DC मोहम्मद इमरान रजा और SP कुलदीप सिंह भी मौके पर पहुंचे और घटनास्थल का जायजा लिया।

30 मजदूर काम कर रहे थे, अचानक आग भड़की: जानकारी के अनुसार, सफीदों की भाट कॉलोनी में स्थित एक रंग फैक्ट्री में शनिवार को अन्य दिनों की तरह लगभग 30 मजदूर काम कर रहे थे। तभी अचानक आग लग गई और कुछ ही मिनटों में यह पूरे परिसर में फैल गई। चारों ओर धुएं और आग की लपटें उठने के कारण मजदूरों में चीख-पुकार मच गई।

कुछ लोग जान बचाने के लिए छत से कूदे: आग फैक्ट्री के प्रवेश द्वार के पास लगी थी, जिसका संभावित कारण शॉर्ट सर्किट हो सकता है। आग लगने के बाद अंदर मौजूद महिलाएं और अन्य लोग घबरा गए। कुछ लोग ऊपर की मंजिल पर चढ़ गए, तो कुछ अंदर के कमरों में छिप गए। कुछ लोगों ने ऊपर से कूदकर अपनी जान बचाई और बाहर शोर मचाया।

बाहर से बंद था मेन गेट, लोगों ने तोड़ा: मजदूरों के अनुसार, काम के दौरान फैक्ट्री के मुख्य दरवाजे पर बाहर से ताला लगा हुआ था। आग लगने के बाद जब मजदूरों ने बाहर निकलने की कोशिश की, तो ताला लगा होने के कारण वे अंदर ही कैद होकर रह गए।

युवाओं ने बचाई फंसे लोगों की जान: स्थानीय युवाओं ने अपनी जान पर खेलकर फैक्ट्री में घुसकर लोगों को बाहर निकाला। पुलिस ने दीवार तोड़कर रास्ता बनाया ताकि फंसे हुए लोगों को निकाला जा सके। इसके बाद फायर ब्रिगेड और एम्बुलेंस सेवाओं ने रेस्क्यू ऑपरेशन को संभाला।

2 महिलाओं की मौके, 3 की बाद में मौत: दो महिलाओं की झुलसने से मौके पर ही मौत हो चुकी थी। कई लोगों की हालत गंभीर होने के कारण उन्हें पानीपत अस्पताल रेफर कर दिया गया। बाद में 3 और महिलाओं ने दम तोड़ दिया। मृतकों में पूजा निवासी वार्ड नंबर 13 सफीदो, उषा निवासी आदर्श कालोनी सफीदो, पिंकी निवासी सिंघपुरा और गुड्डी निवासी सफीदों की पहचान हो गई है। एक मृतका की पहचान के प्रयास हो रहे हैं।

घायलों में ये शामिल, मृतकों की पहचान नहीं: हादसे के बाद, दो एंबुलेंस की मदद से घायलों को जींद नागरिक अस्पताल ले जाया गया। पहली एंबुलेंस में सफीदों निवासी रानी (45), आदर्श कॉलोनी (सफीदों) निवासी जगबीर (40), और निसिंग (करनाल) निवासी पवन कुमार (30) को लाया गया। जगबीर और पवन कुमार को प्राथमिक उपचार के बाद अस्पताल में भर्ती कर लिया गया। इसके अलावा, सफीदों की शिव कॉलोनी निवासी कश्मीरी (39), गीता कॉलोनी निवासी कमलेश (54) को भी गंभीर रूप से झुलसी हुई हालत में अस्पताल लाया गया। सफीदों निवासी एक अन्य घायल, बिमला (60) को भी उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है। मृतकों और कुछ घायलों की अभी पहचान नहीं हो पाई है।

भोपाल में जलसा-ए-शहादत में अमेरिका-इजराइल मुर्दाबाद के नारे, मौलाना ने ट्रंप पर की आपत्तिजनक टिप्पणी

एजेंसी, भोपाल

भोपाल के नरेला विधानसभा क्षेत्र की बिस्मिल्लाह कॉलोनी स्थित मस्जिद गरीब नवाज में ईरान के सुप्रीम लीडर रहबर-ए-मोअज्जम आयतुल्लाह सैयद अली खामनेई की याद में जलसा-ए-शहादत कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में लोग मौजूद रहे। कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए इलाके में भारी पुलिस बल तैनात किया गया था। कार्यक्रम के दौरान कुछ लोगों ने अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के पोस्टर जमीन पर रखकर पैरों से कुचल दिए। सभा के दौरान इजराइल मुर्दाबाद और अमेरिका मुर्दाबाद के नारे भी लगाए गए। बता दें कि ऐशबाग स्थित गरीब नवाज मस्जिद में यह कार्यक्रम शुक्रवार देर रात आयोजित किया गया था।

मौलाना रजी-उल-हसन हैदरी ने कहा, "आज दुनिया में जालिम ताकतें मजलूमों का खून बहा रही हैं। चाहे इजराइल हो या अमेरिका, उनके हाथ मजलूमों और मासूमों के खून से रंगे हुए हैं। अल्लाह उन्हें गैरत दे।" भाषण के दौरान उन्होंने ट्रंप पर आपत्तिजनक टिप्पणी की। इस दौरान सभा में मौजूद लोगों ने नारेबाजी करते हुए इजराइल और अमेरिका मुर्दाबाद के नारे लगाए।

"भूखे रहेंगे लेकिन तालीम जरूर हासिल करेंगे": मौलाना हैदरी ने कहा, "कुछ लोग कहते हैं कि हम भूखे रहेंगे लेकिन तालीम जरूर हासिल करेंगे। इसी तालीम की वजह से आज दुनिया की सियासत और टेक्नोलॉजी में उनका असर दिखाई देता है।" उन्होंने कहा कि मुसलमानों को भी तालीम के

पोस्टरों को पैरों से कुचला

मैदान में आगे बढ़ना होगा, क्योंकि किसी भी कौम की तरक्की का रास्ता शिक्षा से होकर गुजरता है। उन्होंने कहा, "1979 में जब ईरान में इंकलाब कामयाब हुआ तो वहां इल्म और तालीम पर जोर दिया गया। आज उसी तालीम की वजह से बड़े-बड़े सुपर पावर भी उससे खौफजदा नजर आते हैं।" उन्होंने नौजवानों से तालीम हासिल करने और समाज को मजबूत बनाने की अपील की।

"मुसलमानों को टारगेट किए जाने की वजह हमारी बेइत्तहादी": सैयद अजहर हुसैन रिजवी ने कहा, "आज दुनिया में जिस मुल्क में भी मुसलमान हैं, उन्हें टारगेट किया जा रहा है। इसकी एक वजह यह है कि हम मुतहिद नहीं हैं। अकीदे मुख्तलिफ हो सकते हैं, लेकिन इस्लाम सबका एक ही है।" उन्होंने कहा, "कोई नमाज हाथ बांधकर पढ़ता है, कोई हाथ खोलकर पढ़ता है और कोई अलग तरीके से पढ़ता है, लेकिन कुरान सबका एक है और रसूल भी सबके एक हैं। हमें आपस में लड़ने के बजाय एकजुट होना चाहिए।"

"जालिम के मुकाबले में खड़े होने वाले के साथ अल्लाह होता है": रिजवी ने कहा, "सैयद अली खामनेई वो मर्द-ए-मुजाहिद थे जो बड़ी-बड़ी सुपर पावर ताकतों के सामने खड़े रहे। उन्हें मालूम था कि जालिम के मुकाबले में जो खड़ा होता है, उसके साथ अल्लाह होता है। दुनिया किसी को कत्ल तो कर सकती है, लेकिन उसके मकसद को खत्म नहीं कर सकती।"

"खामनेई ने उम्मत को एकता का पैगाम दिया": एआईएमआईएम के प्रदेश अध्यक्ष मोहसिन अली खान ने कहा, "यह पूरे आलम के लिए गहरे गम और सदमे की बात है कि एक ऐसा काइद हमसे रुखसत हो गया, जिसने पूरी उम्मत को इत्तेहाद और इत्तेफाक का पैगाम दिया।"

शंकराचार्य बोले-दुर्भाग्य है कि धर्मयुद्ध के लिए निकलना पड़ रहा

एजेंसी, वाराणसी

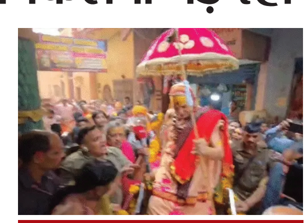

◆ 'जिंदा हिंदू लखनऊ चलें'- लिखे पोस्टर बांटे, गो प्रतिष्ठा धर्मयुद्ध सभा करेंगे

बहुत दुर्भाग्य की बात है कि धर्म युद्ध के लिए निकलना पड़ रहा है। अपने ही देश में, अपने ही वोट से चुनी सरकार के सामने, अपनी ही गोमाता को बचाने के लिए हम लोगों को आंदोलन करना पड़ रहा है। शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद ने ये बातें काशी में लखनऊ रवाना होने से पहले शनिवार को कहीं। शंकराचार्य ने इस आंदोलन को "गो प्रतिष्ठा धर्मयुद्ध सभा" का नाम दिया। वह 11 मार्च को लखनऊ पहुंचेंगे। यहां हजारों संतों की मौजूदगी में सभा करेंगे। इसमें सरकार से गाय को राष्ट्रमाता घोषित करने की मांग करेंगे। शंकराचार्य ने 30 जनवरी को योगी सरकार को 40 दिन का अल्टीमेटम दिया था। उन्होंने तब कहा था- गाय को राष्ट्रमाता घोषित करें। वरना आंदोलन करेंगे। शंकराचार्य काशी से 5 दिन बाद लखनऊ पहुंचेंगे। काशी से शंकराचार्य जौनपुर पहुंचे। यहां उन्होंने कहा- हमारे शंकराचार्यों पर सवाल उठाने का अधिकार किसी को नहीं है। हमारे धर्म में 4 शंकराचार्य हैं। जब सर्वोच्च शंकराचार्यों ने मेरा अभिषेक कर दिया, तो फिर किसी की क्या औकात है कि वह कहे, हम इन्हें नहीं मानते। उन्होंने कहा कि जो शंकराचार्य बनाता है, उसी को हटाने का भी अधिकार है। अभी शंकराचार्य सुल्तानपुर पहुंच चुके हैं। यहां उन्होंने कहा- अरे पहले गो-माता की हत्या तो बंद कराओ। आज हिंदू राष्ट्र घोषित कर दोगे, तो क्या कल सवेरे से वहां गो-हत्या बंद हो जाएगी? अगर हिंदू राष्ट्र में भी गो-हत्या जारी रहती है, तो यह अपमानजनक होगा।

हिमाचल के मैदानी इलाकों में हीट-वेव, आज भी 4 जिलों में यलो अलर्ट

एजेंसी, शिमला

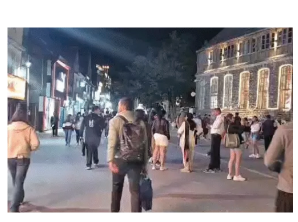

हिमाचल प्रदेश के मैदानी इलाकों में आज हीट वेव महसूस की गई। मंडी के सुंदरनगर, सोलन, धर्मशाला और भुंतर में तेज गर्मी की लहर देखी गई। मौसम विभाग ने अगले कल (रविवार को) भी इन चार जिलों में हीट वेव का यलो अलर्ट जारी किया है। इसे देखते हुए लोगों को दिन के समय धूप में निकलने से बचने की सलाह दी गई है। खासकर गर्भवती महिलाओं, बच्चों, बुजुर्गों और मरीजों को अतिरिक्त सावधानी बरतने को कहा गया है। प्रदेश के अधिकांश शहरों के तापमान में भारी बढ़ोतरी दर्ज की गई है। राज्य का औसत अधिकतम तापमान सामान्य से 9 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम पारा भी सामान्य से 5.3 डिग्री ज्यादा हो गया है। मौसम विभाग के अनुसार 6 मार्च को शिमला का औसत अधिकतम तापमान 15 डिग्री सेल्सियस रहता है, लेकिन इस बार न्यूनतम तापमान ही 15.4 डिग्री पहुंच गया है। शिमला का अधिकतम तापमान सामान्य की तुलना में 10.1 डिग्री के उछाल के बाद 25.3 डिग्री हो गया है।

जन औषधि केंद्रों से रोजाना 15 लाख से अधिक लोग खरीदते हैं दवाइयां: नड्डा

एजेंसी, नई दिल्ली

केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री जेपी नड्डा ने कहा कि आज जन औषधि दिवस मनाया जा रहा है। ऐसे में यह आवश्यक है कि हम प्रधानमंत्री भारतीय जनऔषधि परियोजना की उस महत्वपूर्ण भूमिका को पहचानें, जिसके माध्यम से देशभर के लोगों तक सस्ती दवाइयां पहुंचाई जा रही हैं। मोदी सरकार की यह पहल कम कीमत वाली जेनेरिक दवाओं की उपलब्धता को मजबूत बना रही है। नड्डा ने शनिवार को एक्स पोस्ट पर कहा कि आज देश के शहरों, कस्बों और गांवों में लगभग 18,000 जन औषधि केंद्र संचालित हो रहे हैं, जो लोगों के घरों के नज़दीक आवश्यक दवाइयाँ उपलब्ध करा रहे हैं। ये केंद्र परिवारों को स्वास्थ्य संबंधी खर्चों को संभालने में मदद कर रहे हैं और इलाज के आर्थिक बोझ को कम कर रहे हैं।

वर्तमान में 15 लाख से अधिक लोग प्रतिदिन इन केंद्रों से दवाइयां खरीदते हैं, जिससे जन औषधि केंद्र लाखों लोगों के लिए एक विश्वसनीय और किफायती स्वास्थ्य समाधान बन गए हैं। उल्लेखनीय है कि जन औषधि दिवस भारत के रसायन एवं उर्वरक मंत्रालय के तहत डिपार्टमेंट ऑफ फार्मास्यूटिकल्स द्वारा आयोजित एक वार्षिक जागरूकता अभियान है। हर साल 7 मार्च को मनाए जाने वाले इस दिवस का उद्देश्य लोगों को जेनेरिक दवाओं के बारे में जानकारी देना और उन्हें सस्ती दवाओं के उपयोग के लिए प्रोत्साहित करना है। इस अवसर पर देशभर में कई कार्यक्रम आयोजित किए जाते हैं, जैसे स्वास्थ्य शिविर, जागरूकता अभियान, मुफ्त जांच और परामर्श, जन औषधि केंद्रों के बारे में जानकारी- इन कार्यक्रमों के माध्यम से लोगों को बताया जाता है कि वे कम कीमत में भी अच्छी क्वालिटी की दवाएं प्राप्त कर सकते हैं।

अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस 2026 केवल एक उत्सव नहीं बल्कि एक वैश्विक आंदोलन का प्रतीक- गिव टू गेन अभियान, शक्ति वॉक-शी लीड्स,बिल्ड्स भारत पदयात्रा-समग्र विश्लेषण

एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानीं

» जब महिलाएँ शिक्षा,रोजगार, नेतृत्व और निर्णय- निर्माण में समान भागीदारी प्राप्त करेंगी, तब ही समाज वास्तव में न्यायपूर्ण और समृद्ध बन सकेगा।

» भारत सहित दुनियाँ के अनेक देशों में आयोजित कार्यक्रम यह दर्शाते हैं कि महिलाओं का सशक्तिकरण ही मानवता की प्रगति का आधार है -एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानी गोंदिया महाराष्ट्र

गोंदिया - वैश्विक स्तरपर हर वर्ष मनाया जाने वाला अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस विश्व समुदाय के लिए एक महत्वपूर्ण अवसर होता है,जब महिलाएँ समाज, अर्थव्यवस्था,राजनीति,विज्ञान,शिक्षा,संस्कृति और मानव विकास के हर क्षेत्र में अपने योगदान के लिए सम्मानित की जाती हैं।वर्ष 2026 में यह दिवस विशेष महत्व रखता है, क्योंकि इसकी केंद्रीय भावना केवल उत्सव तक सीमित नहीं है बल्कि अधिकार, न्याय और हर महिला तथा बालिका के सशक्तिकरण के लिए वास्तविक कार्रवाई पर केंद्रित है।आज जब विश्व तेजी से बदल रहा है,तब महिलाओं की भागीदारी और नेतृत्व को विकास का आधार माना जा रहा है। यह दिवस हमें याद दिलाता है कि लैंगिक समानता केवल सामाजिक न्याय का विषय नहीं,बल्कि स्थायी विकास और वैश्विक शांति की अनिवार्य शर्त है।मैं एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानी गोंदिया महाराष्ट्र यह मानता हूं क्िअंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस केवल समस्याओं पर चर्चा का मंच नहीं है, बल्कि यह महिलाओं की उपलब्धियों का उत्सव भी है।आज महिलाएँ विज्ञान,अंतरिक्ष, राजनीति, खेल, रक्षा, व्यवसाय और कला जैसे क्षेत्रों में अद्भुत उपलब्धियाँ हासिल कर रही हैं। विश्व भर में महिला वैज्ञानिकों, उद्यमियों, खिलाड़ियों और नेताओं ने यह साबित किया है कि अवसर मिलने पर महिलाएँ किसी भी क्षेत्र में उत्कृष्टता प्राप्त कर सकती हैं। इस दिन विभिन्न देशों में सम्मान समारोह, सम्मेलन, सांस्कृतिक कार्यक्रम और जागरूकता अभियानआयोजित किए जाते हैं, जिनका उद्देश्य महिलाओं के योगदान को पहचान देना और समाज को प्रेरित करना होता है। साथियों बात अगर हम गिव टू गेन अभियान औरवैश्विक सहयोग को समझने की करें तो, अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस 2026 के अवसर पर विश्व स्तर पर गिव टू गेन अभियान भी चर्चा में है। इस अभियान का मुख्य संदेश है कि लैंगिक समानता को प्राप्त करने के लिए सहयोग, सहानुभूति और उदारता आवश्यक हैं। समाज में जब महिलाएँ शिक्षा, स्वास्थ्य और आर्थिक अवसरों में आगे बढ़ती हैं, तो उसका लाभ पूरे समाज को मिलता है। इसलिए यह अभियान लोगों को प्रेरित करता है कि वे अपने संसाधनों, समय और ज्ञान का उपयोग महिलाओं को सशक्त बनाने के लिए करें। इस प्रकार यह अभियान सामूहिक प्रगति के विचार को मजबूत करता है।भारत में अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस विशेष महत्व रखता है क्योंकि यहाँ महिलाओं की भूमिका सामाजिक, सांस्कृतिक और आर्थिक जीवन के हर क्षेत्र में महत्वपूर्ण रही है। भारतीय समाज में महिलाओं को शक्ति, ज्ञान और सृजन की प्रतीक माना जाता है। हालांकि इतिहास के कई दौर में उन्हें सामाजिक सीमाओं और असमानताओं का सामना भी करना पड़ा है। आज भारत सरकार और विभिन्न सामाजिक संगठनों द्वारा महिलाओं की शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार और सुरक्षा के लिए अनेक योजनाएँ चलाई जा रही हैं। महिला दिवस के अवसर पर इन प्रयासों को आगे बढ़ाने और नई पहल शुरू करने का एक सटीक अवसर मिलता है। साथियों बात अगर हम भारत सरकार का राष्ट्रीय समारोह, मानेकशॉ सेंटर, नई दिल्ली को जानने की करें तो, 8 मार्च 2026 को भारत सरकार अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस का भव्य राष्ट्रीय समारोह आयोजित कर रही है। महिला एवं बाल विकास मंत्रालय द्वारा नई दिल्ली स्थित मानेकशॉ सेंटर में इस कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा। इस समारोह की मुख्य अतिथि भारत की राष्ट्रपति होंगी। कार्यक्रम में महिला एवं बाल विकास मंत्री तथा राज्य मंत्री भी उपस्थित रहेंगी।यह आयोजन भारत में महिला- नेतृत्व वाले विकास को आगे बढ़ाने की दिशा में सरकार की प्रतिबद्धता को दर्शाता है।विभिन्न ऑडियो -विजुअल प्रस्तुतियाँ प्रदर्शित की जाएँगी, जिनमें महिलाओं की कार्यबल में बढ़ती भागीदारी और सरकार की प्रमुख योजनाओं को

दर्शाया जाएगा। पैनल चर्चाएँ और नीति संवाद कार्यक्रम के दौरान दो महत्वपूर्ण पैनल चर्चाएँ आयोजित की जाएँगी। पहली चर्चा श्रम संहिता, महिलाओं के सशक्तिकरण को बढ़ावा विषय पर होगी, जिसमें कार्यस्थलों पर समान अवसर, सुरक्षा और श्रम अधिकारों पर विचार किया जाएगा। दूसरी पैनल चर्चा उद्यमी के रूप में स्वयं सहायता समूह की महिलाएँ" विषय पर केंद्रित होगी, जिसमें ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों में महिला उद्यमिता को बढ़ावा देने के उपायों पर चर्चा होगी। इन चर्चाओं में विशेषज्ञ, नीति निर्माता और महिला नेता भाग लेंगे।इस समारोह में 150 से अधिक मंत्रालयों, विभागों और संगठनों की लगभग 1,000 महिलाओं के शामिल होने की संभावना है। इनमें सशस्त्र बलों, पुलिस, मीडिया, स्वास्थ्य सेवा, खेल और उद्योग जैसे विभिन्न क्षेत्रों की महिला प्रतिनिधि होंगी। यह विविधता इस बात का प्रतीक है कि भारत में महिलाएँ हर क्षेत्र में सक्रिय भूमिका निभा रही हैं और देश के विकास में बहुत ही सटीक योगदान दे रही हैं। साथियों बात अगर हम शक्ति वॉक-शी लीड्स,बिल्ड्स भारत पदयात्रा को जानने की करें तो अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर महिला एवं बाल विकास मंत्रालय द्वारा नई दिल्ली के कर्तव्य पथ पर शक्ति वॉक- शी लीड्स,बिल्ड्स भारत शीर्षक से एक महिला नेतृत्व वाली पदयात्रा भी आयोजित की जाएगी। यह पदयात्रा सुबह 7:30 बजे से 10 बजे तक चलेगी और इंडिया गेट से विजय चौक तक लगभग दो किलोमीटर का मार्ग तय किया जाएगा।इस आयोजन में लगभग 3,000महिलाओं के भाग लेने की उम्मीद है, जिनमें विभिन्न मंत्रालयों, संगठनों, सशस्त्र बलों, पुलिस, मीडिया और सामाजिक संस्थाओं की प्रतिनिधि शामिल होंगी।इस पदयात्रा का उद्देश्य यह संदेश देना है कि भारत के विकास में महिलाओं की भूमिका केंद्रीय है। जब महिलाएँ नेतृत्व करती हैं, तो समाज में समावेशी और संतुलित विकास की संभावना बढ़ती है। इसलिए शी लीड्स, बिल्ड्स भारत का संदेश यह दर्शाता है कि महिलाएँ केवल विकास की सहभागी ही नहीं, बल्कि उसकी निर्माता भी हैं।शक्ति वॉक के दौरान कर्तव्य पथ के किनारे प्रदर्शनियाँ लगाई जाएँगी, जिनमें महिलाओं के लिए सरकार की प्रमुख योजनाओं को प्रदर्शित किया जाएगा। इसके साथ ही इंडिया गेट पर सांस्कृतिक प्रस्तुतियाँ आयोजित होंगी, जिनमें डोलू कुनिथा,कलरिपयट्टूश्रृंगा रिमेलम,रंचंडी और घूमर जैसे पारंपरिक नृत्य शामिल होंगे। ये प्रस्तुतियाँ भारत की सांस्कृतिक विविधता और महिलाओं की शक्ति का प्रतीक होंगी। साथियों बात अगर हम नारी शक्ति से विकसित भारत राष्ट्रीय सम्मेलन को जानने की करें तोमहिला दिवस के अवसर पर नई दिल्ली के विज्ञान भवन में नारी शक्ति से विकसित भारत विषय पर राष्ट्रीय सम्मेलन भी आयोजित किया जा रहा है। यह सम्मेलन भारती नारी से नारायणी शीर्षक के अंतर्गत आयोजित होगा।इसका उद्देश्य महिलाओं को परिवार की सीमाओं से आगे बढ़ाकर राष्ट्र निर्माण की सक्रिय शक्ति के रूप में स्थापित करना है।सम्मेलन का उद्देश्य और दृष्टिकोण इस सम्मेलन का लक्ष्य एक ऐसा मंच तैयार करना है जहाँ महिलाएँ जुड़ें, विचार साझा करें और समाधान प्रस्तुत करें। यह मंच नीति निर्माण में महिलाओं की भागीदारी को बढ़ाने और आत्मनिर्भर भारत के लक्ष्य को मजबूत करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है। सम्मेलन के माध्यम से सरकार को बहुआयामी नीति सुझाव दिए जाएंगे और महिला नेतृत्व का राष्ट्रीय नेटवर्क तैयार करने का प्रयास किया जाएगा। साथियों बात अगर हम सम्मेलन में आठ प्रमुख विषयों परहोने वाले विचार-विमर्श को समझने की करें तो विद्या, शक्ति, मुक्ति, चेतना, प्रकृति, संस्कृति, सिद्धि और कृति। ये विषय भारतीय महिला की आंतरिक यात्रा और विकास के विभिन्न आयामों को दर्शाते हैं।शिक्षा,आर्थिक आत्मनिर्भरता सामाजिक स्वतंत्रता, नेतृत्व, स्वास्थ्य, सांस्कृतिक मूल्यों और व्यावहारिक कार्य योजनाओं पर गहन चर्चा की जाएगी।इस राष्ट्रीय कार्यक्रम में विश्व बैंक, यूनिसेफ, संयुक्त राष्ट्र महिला,संयुक्त राष्ट्र विकास कार्यक्रम और संयुक्त राष्ट्र जनसंख्या कोष जैसे अंतरराष्ट्रीय संगठनों के प्रतिनिधि भी शामिल होंगे। इससे यह स्पष्ट होता है कि महिला सशक्तिकरण का मुद्दा केवल राष्ट्रीय नहीं बल्कि वैश्विक महत्व का विषय है। सोशल मीडिया अभियान-शी बिल्ड्स भारत महिला दिवस के अवसर पर शी बिल्ड्स भारत हैशटैग के साथ एक सोशल मीडिया अभियान भी चलाया जा रहा है। इस अभियान का उद्देश्य महिलाओं की प्रेरणादायक कहानियों को साझा करना और समाज में सकारात्मक बदलाव के लिए जागरूकता बढ़ाना बहुत जरूरी है। साथियों बात अगर हम महिला सशक्तिकरण और विकसित भारत 2047 को समझने की करें तो, भारत ने वर्ष 2047 तक विकसित राष्ट्र बनने का लक्ष्य निर्धारित किया है। इस लक्ष्य को प्राप्त करने में महिलाओं की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है। शिक्षा, उद्यमिता, नवाचार और नेतृत्व मेंमहिलाओं की भागीदारी बढ़ाकर ही भारत समावेशी और टिकाऊ विकास हासिल कर सकता है।समाज में बदलाव की आवश्यकता हालांकि प्रगति के बावजूद महिलाओं के सामने कई चुनौतियाँ अभी भी मौजूद हैं। घरेलू हिंसा, लैंगिक भेदभाव, असमान वेतन और शिक्षा में असमानता जैसी समस्याएँ कई समाजों में देखी जाती हैं। इसलिए अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस हमें यह याद दिलाता है कि सच्ची समानता के लिए सामाजिक सोच और व्यवहार में बदलाव आवश्यक है। अतः अगर हम उपरोक्त पूरे विवरण का अध्ययन करें इसका विश्लेषण करें तो हम पाएंगे क्ि समानता और सशक्तिकरण की ओर वैश्विक यात्रा,अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस 2026 केवल एक उत्सव नहीं बल्कि एक वैश्विक आंदोलन का प्रतीक है, जो महिलाओं के अधिकार, सम्मान और समानता के लिए निरंतर प्रयासों को प्रेरित करता है। भारत सहित दुनिया के अनेक देशों में आयोजित कार्यक्रम यह दर्शाते हैं कि महिलाओं का सशक्तिकरण ही मानवता की प्रगति का आधार है। जब महिलाएँ शिक्षा, रोजगार, नेतृत्व और निर्णय-निर्माण में समान भागीदारी प्राप्त करेंगी, तब ही समाज वास्तव में न्यायपूर्ण और समृद्ध बन सकेगा। इसलिए यह दिवस हमें यह संकल्प लेने का अवसर देता है कि हम एक ऐसे भविष्य का निर्माण करें जहाँ हर महिला और बालिका सुरक्षित, सम्मानित और सशक्त जीवन जी सके।

-संकलनकर्ता लेखक - क्रर विशेषज्ञ स्तंभकार साहित्यकार अंतरराष्ट्रीय लेखक चिंतक कवि संगीत माध्यमा सीए (एटीसी) एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानीं गोंदिया महाराष्ट्र
9284141425

अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस पर महिलाओ के सम्मान में परिसंवाद की जरुरत

लेखक-संजय गोस्वामी

परिसंवाद एक औपचारिक वैचारिक सभा है, जहाँ विशेषज्ञ किसी निश्चित विषय या समस्या पर अपने विचार, शोध और दृष्टिकोण प्रस्तुत करते हैं। इसमें प्रश्नोत्तर, परिचर्चा और गहन विश्लेषण के माध्यम से विषय की व्यापक खोज की जाती है। यह एक संरचित संवाद विधि है, जो अंतःक्रिया (interaction) को प्रोत्साहित करती है।हर साल 8 मार्च के दिन को अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के रूप में मनाया जाता है। 8 मार्च, 1917 को, रूस के पेट्रोग्राड में महिलाओं ने चार दिनों तक हड़ताल की, और अंततः मतदान का अधिकार जीत लिया - यह एक महत्वपूर्ण क्षण था जिसके कारण 8 मार्च को अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस की आधिकारिक तिथि के रूप में स्थापित किया गया। इस दिन को संयुक्त राष्ट्र द्वारा 1975 में आधिकारिक रूप से मान्यता दी गई थी। अतः महिलाओ के सम्मान हेतु हिंदी विज्ञान साहित्य परिषद, मुंबई व एसोसिएशन ऑफ़ म्यूचुअल फंड्स इन इंडिया द्वारा दिनांक 6 मार्च 26 को शाम 7 बजे एक नेशनल वेबिनार का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में शाम 7 बजे ए एम एफ आई की ओर से ऑनलाइन मोड में परिषद के आमंत्रित वार्ताकार डॉ संजय कुमार अग्रवाल ने लेटस टॉक ऑफ मनी विषय पर अपना व्याख्यान दिया जैसा की मालूम है एसोसिएशन ऑफ़ म्यूचुअल फंड्स इन इंडिया (AMFI) भारत में सभी रजिस्टर्ड एसेट मैनेजमेंट कंपनियों की सबसे बड़ी संस्था है। इसे 22 अगस्त, 1995 को बनाया गया था, ताकि तेज़ी से बढ़ते म्यूचुअल फंड सेक्टर को रेगुलेट करने के लिए स्टैंडर्ड्स के एक बड़े सेट और एक भरोसेमंद मीडिएटर की ज़रूरत को पूरा किया जा सके।वहीँ हिंदी विज्ञान साहित्य परिषद, मुंबई का गठन मुंबई के वरिष्ठ वैज्ञानिकों द्वारा विज्ञान को हिंदी में जनमानस तक पहुंचाने के उद्देश्य से 1968 में इसका गठन हुआ जिसमें राष्ट्रभाषा प्रेम, जनसामान्य तक वैज्ञानिक साहित्य को पहुंचाने, वैज्ञानिक साहित्य की रचना तथा प्रसार के काम को सुसंगठित रूप में चलाने के उद्देश्य से हुआ था। परिषद की गतिविधियों में सबसे मुख्य एवं स्थाई गतिविधि वैज्ञानिक पत्रिका का नियमित प्रकाशन है वेबिनार का परिचय हेतु परिषद के अध्यक्ष के के वर्मा ने वेबिनार के बारे व परिषद के बारे में अपना विचार व्यक्त किया तत्पश्चात परिषद के कार्यकारणी के सदस्य श्री प्रकाश कश्यप ने वार्ताकार का परिचय दिया उन्होंने बताया की डॉ. संजय कुमार अग्रवाल एक जाने-माने एकेडमिशियन, डेटा साइंटिस्ट, फाइनेंशियल लिटरेसी एक्सपर्ट और एंटरप्रेन्योरशिप मेंटर हैं, जिनका एजुकेशन, रिसर्च, इनोवेशन और स्टार्टअप इकोसिस्टम डेवलपमेंट में काफी रिकॉर्ड है। उनकी एक्सपर्टीज़ मैथमेटिकल मॉडलिंग, स्टैटिस्टिकल एनालिसिस, डेटा साइंस, फाइनेंशियल लिटरेसी और एंटरप्रेन्योरशिप डेवलपमेंट तक फैली हुई है। पीएच.डी. के साथ गणितीय मॉडलिंग में स्नातक और कैलिफोर्निया विश्वविद्यालय, यूएसए से डी. स्टैट के साथ, डॉ. अग्रवाल ने शैक्षणिक और व्यावसायिक दोनों क्षेत्रों में महत्वपूर्ण योगदान दिया है फिर की नोट स्पीकर डॉ. संजय कुमार अग्रवाल ने लेटस टॉक ऑफ मनी पर शाम 7.00 बजे वेबिनार में यह बताया की यह कार्यक्रम इंटरनेशनल विमेंस डे पर आयोजित किया गया है जैसा की मालूम है हर साल इंटरनेशनल विमेंस डे,8 मार्च को मनाया जाता है जो दुनिया भर में महिलाओं की सामाजिक, आर्थिक, सांस्कृतिक और राजनीतिक उपलब्धियों का जश्न मनाने का दिन है।अतः महिलाओ में पैसा को सही तरीके से निवेश की समझ हो और जागरूकता पैदा हो ओर यह कार्यक्रम सिर्फ महिलाओ हेतु नहीं बल्कि आम नागरिक को निवेश की सही जानकारी मिले पर चर्चा की बात पैसे की. पैसा कमाने के लिए . उनका प्रमुख उद्देश्य ऐसी व्यवस्था के बारे में बताना है जिससे जीवन-भर की कमाई के बारे में हम निर्णय ले सकें और पूरे साल चिंता से मुक्त रहें।लेट्स टॉक में म्यूचुअल फंड्स में सही तरीके से कैसे निवेश करें इसके बारे में वार्ताकार ने बताया उन्होंने बताया की म्यूचुअल फंड्स म्यूचुअल फंड्स की कार्यप्रणाली और सोच-समझकर निवेश संबंधी निर्णय लेने के तरीके को समझने के लिए हमें सही कंपनी में निवेश कैसे करें ताकि आपका पैसा सुरक्षित रहे । उन्होंने बताया कि म्यूचुअल फंड्स के विभिन्न प्रकारों, उनके अलग-अलग जोखिम कारकों और कर संबंधी प्रभावों को सरल भाषा में समझाया है।

"यत्र नार्यस्तु पूज्यन्ते रमन्ते तत्र देवताः" : हे शक्ति स्वपणी,श्रृष्टि की जननी,तुझे शत-शत नमन

» अन्तराष्ट्रीय महिला दिवस पर विशेष आलेख

बिनोद कुमार सिंह, स्वतंत्र पत्रकार एवं स्तम्भकार

भारतीय संस्कृति की विराट परंपरा में एक वाक्य सदियों से गूँजता रहा है -"यत्र नार्यस्तु पूज्यन्ते रमन्ते तत्र देवताः"।यह केवल एक शास्त्रीय उक्ति नहीं,बल्कि भारतीय सभ्यता की आत्मा का घोष है।इसका आशय है कि जिस समाज में नारी का सम्मान होता है,वहाँ देवत्व का वास होता है,वहाँ संवेदनाएँ जीवित रहती हैं,वहाँ संस्कृति साँस लेती है और वहाँ मानवता का दीपक कभी बुझता नहीं। नारी केवल एक व्यक्ति नहीं है; वह जीवन की सृजनधर्मी ऊर्जा है। वह माँ के रूप में ममता की गंगोत्री है, बहन के रूप में स्नेह की सरिता है, पत्नी के रूप में जीवन की सहयात्री है और बेटी के रूप में भविष्य की मुस्कान है।भारतीय परंपरा ने नारी को केवल सामाजिक भूमिका में नहीं देखा,बल्कि उसे सृजन की मूल शक्ति माना है।यही कारण है कि हमारे यहाँ प्रकृति को भी माँ कहा गया और ज्ञान,धन तथा शक्ति को सरस्वती, लक्ष्मी और दुर्गा के रूप में पूजित किया गया। भारत की सभ्यता में नारी का स्थान सदैव गौरवपूर्ण रहा है।वेदों के युग में जब ज्ञान और दर्शन के संवाद होते थे, तब वहाँ नारी भी समान रूप से उपस्थित थी। गार्गी और मैत्रेयी जैसी विदुषियों ने केवल शास्त्रों का अध्ययन ही नहीं किया, बल्कि दार्शनिक विमर्शों में अपनी तेजस्विता से सबको चकित किया। उस समय समाज में यह विश्वास गहरा था कि ज्ञान और संवेदना का कोई लिंग नहीं होता।मनुष्य की पहचान उसके विचार और कर्म से होती है। समय की धारा में कई उतार-चढ़ाव आए। मध्यकालीन परिस्थितियों ने सामाजिक संरचनाओं को बदल दिया और अनेक रूढ़ियाँ समाज में घर करने लगीं।नारी की स्वतंत्रता पर कई प्रकार के बंधन लगाए गए। शिक्षा और सामाजिक भागीदारी के अवसर सीमित होने लगे। किंतु इतिहास इस बात का साक्षी है कि भारतीय नारी की चेतना कभी पूरी तरह दबाई नहीं जा सकी।वह समय-समय पर अपनी ऊर्जा और आत्मविश्वास से इन बंधनों को तोड़ती रही।भारत के स्वतंत्रता संग्राम ने नारी शक्ति को नई दिशा और नई पहचान दी।जब देश पराधीनता की जंजीरों में जकड़ा हुआ था, तब अनेक महिलाओं ने घर की चौखट लांघकर स्वतंत्रता के महासंग्राम में भाग लिया।रानी लक्ष्मीबाई की तलवार केवल अंग्रेजी सत्ता के विरुद्ध नहीं थी; वह भारतीय नारी के स्वाभिमान का प्रतीक बन गई। सरोजिनी नायडू की वाणी में कविता भी थी और क्रांति की चेतना भी।कस्तूरबा गाँधी का त्याग और समर्पण राष्ट्र की आत्मा से जुड़ा हुआ था।स्वतंत्रता आंदोलन ने यह सिद्ध कर दिया कि नारी केवल घर की परिधि में सीमित रहने वाली सत्ता नहीं है,बल्कि वह राष्ट्र की नियति को भी दिशा देने की क्षमता रखती है।यही कारण है कि स्वतंत्र भारत के संविधान निर्माताओं ने महिलाओं को समान अधिकार और समान अवसर प्रदान करने का संकल्प लिया। संविधान ने स्पष्ट शब्दों में कहा कि राज्य किसी भी नागरिक के साथ लिंग के आधार पर भेदभाव नहीं करेगा। यह केवल कानूनी प्रावधान नहीं था; यह उस नए भारत की परिकल्पना थी जिसमें नारी और पुरुष दोनों समान गरिमा के साथ आगे बढ़ें। स्वतंत्रता के बाद के दशकों में भारतीय समाज ने धीरे-धीरे परिवर्तन की यात्रा तय की।शिक्षा के विस्तार ने महिलाओं के जीवन में नई रोशनी जगाई। विद्यालयों और विश्वविद्यालयों के द्वार खुलने लगे। ज्ञान के साथ आत्मविश्वास भी बढ़ा और आत्मविश्वास के साथ नई संभावनाओं के द्वार खुलते चले गए।आज का भारत उस परिवर्तन का साक्षी है जहाँ नारी केवल घर की धुरी नहीं बल्कि समाज और राष्ट्र की सक्रिय सहभागी बन चुकी है। विज्ञान की प्रयोगशालाओं से लेकर अंतरिक्ष के प्रक्षेपण केंद्रों तक, खेल के मैदानों से लेकर प्रशासनिक दायित्वों तक,कला, साहित्य,पत्रकारिता,शिक्षा और उद्यमिता के हर क्षेत्र में भारतीय महिलाएँ अपनी प्रतिभा का परिचय दे रही हैं। जब कोई भारतीय बेटी अन्तर्राष्ट्रीय मंच पर देश का तिरंगा लहराती है, तब यह केवल उसकी व्यक्तिगत सफलता नहीं होती; यह उस संपूर्ण नारी शक्ति का सम्मान होता है जिसने सदियों की चुनौतियों के बीच अपनी पहचान बनाई है। फिर भी यह कहना कि यात्रा पूरी हो चुकी है,शायद वास्तविकता से आँखें मूँद लेना होगा।समाज में अभी भी कई ऐसी चुनौतियाँ मौजूद हैं जो नारी के मार्ग को कठिन बनाती हैं।कई स्थानों पर सामाजिक रूढ़ियाँ और असमानताएँ आज भी उसके आत्मविश्वास को चुनौती देती हैं। कहीं शिक्षा का अभाव है तो कहीं अवसरों की कमी।कहीं सुरक्षा का प्रश्न है तो कहीं सामाजिक मानसिकता का संकीर्ण दायरा। इन चुनौतियों के बावजूद भारतीय नारी की यात्रा रुकी नहीं है।वह निरंतर आगे बढ़ रही है।उसकी आँखों में स्वप्न हैं,उसके कदमों में विश्वास है और उसके भीतर वह अदम्य शक्ति है जो कठिनाइयों को भी अवसर में बदल देती है। दरअसल नारी शक्ति को समझना केवल अधिकारों के संदर्भ में संभव नहीं है।यह एक गहरी सांस्कृतिक और मानवीय चेतना का विषय है। जिस समाज में नारी का सम्मान होता है,वहाँ संवेदनाएँ जीवित रहती हैं।वहाँ परिवार मजबूत होते हैं, वहाँ संस्कृति सुरक्षित रहती है और वहाँ भविष्य उज्ज्वल होता है।नारी जीवन की वह मौन धारा है जो बिना किसी शोर के सभ्यता को आगे बढ़ाती रहती है।वह घर के आँगन में बच्चों के सपनों को आकार देती है,परिवार के रिश्तों को प्रेम की डोर से बाँधती है और समाज को संवेदनशील बनाती है। उसकी मुस्कान में आशा होती है और उसके संघर्ष में प्रेरणा।आज जब अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस का अवसर हमारे सामने है,तब यह केवल उत्सव का क्षण नहीं बल्कि कृतज्ञता का भी क्षण है।यह वह समय है जब समाज को उन अनगिनत महिलाओं को याद करना चाहिए जिन्होंने अपने त्याग,श्रम और संवेदना से इस दुनिया को बेहतर बनाया है।हर माँ जो अपने बच्चों के भविष्य के लिए अपना सर्वस्व न्योछावर कर देती है, हर बेटी जो सपनों के साथ आगे बढ़ती है,हर बहन जो परिवार की खुशियों का आधार बनती है और हर वह महिला जो समाज को बेहतर बनाने के लिए संघर्ष करती है - वे सभी नारी शक्ति की जीवंत प्रतिमाएँ हैं। भारत की सांस्कृतिक चेतना में नारी को शक्ति कहा गया है।यह शक्ति केवल बाहुबल की नहीं बल्कि धैर्य, संवेदना,करुणा और सृजन की शक्ति है।यही शक्ति जीवन को अर्थ देती है और समाज को दिशा प्रदान करती है।आज आवश्यकता इस बात की है कि हम नारी सम्मान के इस आदर्श को केवल शब्दों में नहीं बल्कि अपने व्यवहार और सामाजिक जीवन में भी उतारें।जब समाज की मानसिकता बदलेगी, जब बेटी और बेटे के बीच कोई भेद नहीं रहेगा,जब हर महिला को सम्मान और अवसर मिलेगा-तभी वह आदर्श सच में साकार होगा जिसकी कल्पना हमारे ऋषियों ने की थी।नारी शक्ति को प्रणाम करना केवल औपचारिकता नहीं है;यह उस सृजनशील ऊर्जा के प्रति श्रद्धा है जिसने मानव सभ्यता को आकार दिया है। इस अवसर पर समूची नारी शक्ति को हृदय से नमन करते हुए यही कहा जा सकता है कि जहाँ नारी का सम्मान है, वहीं जीवन की सुंदरता है,वहीं संस्कृति की ज्योति है और वहीं मानवता का उजाला है।सच तो यह है कि नारी केवल समाज का हिस्सा नहीं,बल्कि समाज की आत्मा है।जब यह आत्मा सम्मानित होती है,तभी सच्चे अर्थों में देवत्व पृथ्वी पर उतरता है। यही वह भावना है जो हमें फिर से स्मरण कराती है—"यत्र नार्यस्तु पूज्यन्ते रमन्ते तत्र देवताः।".हे शक्ति स्वपणी,श्रृष्टि की जननी,तुझे शत-शत नमन ।

आधी दुनिया पर बढ़ते अत्याचार कब रुकेंगें

लेखक - नरेन्द्र भारती

बेशक 8 मार्च 2026 को विश्व महिला दिवस मनाया जा रहा है। महिला दिवस पर ऐसे आयोजन केवल मात्र औपचारिकता भर रह गए है क्योंकि हर वर्ष एक संकल्प लिया जाता है कि महिलाओं कों अत्याचारों से मुक्ति दिलाई जाएगी अत्याचारों का खात्मा किया जाएगा सुरक्षा के लिए बड़े-बड़े दावे किए जाते हैं मगर धरातल की सच्चाईयां बेहद ही खौफनाक तस्वीरें प्रस्तूत कर रही है। है।साल 1910 में कोपेनहेगन मे कामकाजी महिलाओं द्वारा एक सम्मेलन का आयोजन किया गया था।जिसमें 8 मार्च को विश्व महिला दिवस के तौर पर हर साल मनाने का सुझाव दिया गया था।तभी से विश्व महिला दिवस मनाया जाने लगा है। सबसे पहले 1911 में आस्टरिया डेनमार्क जर्मनी औा स्विटजरलैंड में विश्व महिला दिवस मनाया गया था।आज महिलाएं हर क्षेत्र में सफलता की बुलंदियां छु रही हैं चांद तक अपनी काबलियत का परचम लहरा रही है।महिलाओं की सुरक्षा के लिए सैंकड़ों कड़े कानून बनाए गए है मगर यह कानून सरकारी फाईलों की धूल चाट रहे है अगर सही तरीके से लागू किए होते तो इन मामलों में इजाफा नहीं होता।आज महिलाएं कहीं भी सुरक्षित नहीं है चाहे घर हो दफतर हो बस सड़क गली या चैराहा हो महिलाएं हर जगह असुरक्षित ही महसूस कर रही है।प्रतिदिन हैवानियत की हदें लांघी जा रही है महिलाओं की अस्मिता का जनाजा निकाला जा रहा है।कश्मीर से कन्याकुमारी तक मंहिलाएं असुरक्षित है।आज हर जगह दुशासन महिलाओं की इज्जत नीलाम कर रहे हैं।विश्व गुरु कहलाने वाले भारत में महिलाओं पर जुल्मों की सूची लम्बी होती जा रही हैं।जब देश की राष्ट्रीय राजधानी ही सुरक्षित नहीं है तो महानगरों व छोटे कस्बों का क्या हाल होगा इससे अदांजा लगाया जा सकता है।2020 में लाकडाउन के समय महिलाएं सुरक्षित थी मगर ज्यों ही लाकडाउन खुल गया हैवानों ने हैवानियत शुरु कर दी थी।2025 में भी दरिदगी की हदें पार होती रही थी।आधी दुनिया पर बढतें अत्याचार देंश के लिए अशुभ संकेत है।वर्ष 2026में भी हालात सुधर नहीं रहे है देश में बेटियां हर जगह असुरक्षित महसूस कर रही हैं।बेटियों की सुरक्षा के दावे कहां है।यह एक यक्ष प्रशन है यह सुलगते प्रशन है कि बेटियां कब सुरक्षित होगी। साल के 365 दिन महिलाओं पर अत्याचार होते रहते हैं।आज महिलाओं पर अनगिनत अत्याचार हो रहे है मगर सरकारों की कुम्भकरणी नींद नहीं टूट रही है। आज कोई भी विश्वास के योग्य नहीं रहा है किस पर विशवास करें अपने ही हैवान बन रहे हैं।आज बाबुल की गलियां ही नरक बन गई हैं। अपने रक्षक ही भक्षक बन गए हैं बहु-बेटियां घर में ही असुरक्षित हैं समय-समय पर ऐसे घिनौने कर्म होंतें है कि कायनात कांप उठती है कि आदमी इतने नीच काम क्यों कर रहा है। महिलाएं कही भी महफूज नहीं है। महिलाओं पर बढते अत्याचार रुकने का नाम नहीं ले रहे है। देश में प्रतिदिन घटित हो रही वारदातों से महिलाओं की सुरक्षा पर प्रश्नचिन्ह लगता जा रहा है कि महिलाएं कहीं भी सुरक्षित नहीं है।इन वारदातों से हर भारतीय उद्वेलित है।सुरक्षा के दावों की पोल खुल गई है।महिलाओं की सुरक्षा के लिए पुख्ता इतंजाम करने होगें तभी इन पर रोक लग सकती है। जघन्य व दिल दहला देने वाली दुष्कर्म की घटनाओं से जनमानस खौफजदा है।आखिर कब तक बेटियां दरिदगी का शिकार होती रहेगी। ऐसी बारदातें बहुत ही चिंतनीय हैं।बेखौफ दरिदें अराजकता फैला रहे है दरिदों की दरिदगी की वारदातें कब रुकेगी अपराध की तारीख बदल जाती है मगर तस्वीर नहीं बदलती। हर रोज अस्मत लूटी जा रही है।दरिदों द्वारा हर राज्य में दरिदगी का सामाज्य बना रहे है।दरिदों की अराजकता बढ़ती ही जा रही है।जंगलराज स्थितियां बन रही है।कानून को धता बताकर दरिदें दरिदगी का तांडव कर रहे है। दरिदों को सरेआम मौत के घाट उतारना हागा ताकि आने वाले समय में दरिदे कई बार सोचेगें की उनकी करतूतो का क्या अंजाम होगा। अब समय आ गया है कि दरिदों को फांसी की सजा से ही इन मामलों पर विराम लग सकता है।वर्ष 2026 के जनवरी माह से देश के हर राज्य में इन मामलों में बेतहासा वृद्धि होती जा रही है।साल के दो माह में यह दुष्कर्म रुकने का नाम नहीं ले रहे हैं। सरकार को इन मामलों पर त्वरित कारवाई करनी होगी।हर रोज दरिदें दरिदगी का तमाशा कर रहे है।देश में दुष्कर्म के मामले थमने का नाम नहीं ले रहे है। प्रतिदिन इन अपराधों में इजाफा होता जा रहा है।देश में दरिदगी की वारदाते कब रुकेगीं।गत वर्ष हिमाचल में भी गुडिया कांड हुआ था।इससे पहले देश की राजधानी दिल्ली में दिल दहला देने वाला कृत्य हुआ था जब द्वारका नार्थ इलाके में देर रात टैक्सी से घर लौट रही एक महिला से उबर जैसे रेप का मामला घटित हो गया था।यह बहुत ही घिनौना कृत्य है कि ऐसे प्रकरण थमने का नाम नहीं ले रहे हैं। देश में लड़कियां कितनी महफूज है इन घटनाओं से अंदाजा लगाया जा सकता है। देश में हर रोज अबोध बच्चियों से लेकर अधेड़ उम्र की महिलाओं से दुष्कर्म कर रहे है।फांसी की सजा से ही इन मामलो पर विराम लग सकता है। 2025 में भी अत्याचारों का सिलसिला बेखौफ चलता रहा दरिदों ने अपनी दरिदगी का नंगा नाच जारी रखा। हजारों महिलाएं व नाबालिग बच्चीयां दुष्कर्मो का शिकार हुई। वर्ष 2026 के प्रथम माह जनवरी से ही महिलाओं पर अत्याचारो की शुरुआत हो चुंकी है जनवरी से लेकर 8 मार्च तक में देश में हजारों घटनाएं घटित हुई हैं ।प्रतिदिन ऐसे मामले हो रहे है और निरंतर इन मामलों में बेतहासा वृद्धि हो रही है। छेड़छाड के अलावा तेजाब व दुष्कर्म की घटनाएं भी बदस्तूर जारी है वर्ष 2019 में एक खौफनाक व दरिदगी की हदें पार करने वाला घटनाक्रम पंजाब के मोगा में हुआ था जब बदमाशों ने चलती बस में लडकी से छेड़छाड़ की और विरोध करने पर बस से फैंक दिया जिस कारण उस लड़की की मौत हो गई थी। गत वर्ष उतर प्रदेश का बंदायू एक बार फिर शर्मसार हुआ था जहां एक बार फिर दो नाबालिग चचेरी बहनों से गैगरेप का मामला प्रकाश में आया था पांच आरोपियों ने शौच को गई नाबालिगों को अगवा करके उनके साथ बदूंक की नोक पर दुष्कर्म किया था।

पॉप स्टार रिकी मार्टिन क्लोजिंग सेरेमनी में परफॉर्म करेंगे

- 2 ग्रैमी अवॉर्ड जीते, अहमदाबाद में फाइनल से पहले टीम इंडिया ने होटल बदला

अहमदाबाद (एजेंसी)। इंटरनेशनल पॉप सुपरस्टार रिकी मार्टिन, पंजाबी पॉप सिंगर सुखवीर और फाल्गुनी पाठक टी-20 वर्ल्ड कप की क्लोजिंग सेरेमनी में परफॉर्म करेंगे। यह परफॉर्मेंस भारत और न्यूजीलैंड के बीच 8 मार्च को फाइनल से पहले होगी। फाइनल मैच अहमदाबाद नरेंद्र मोदी स्टेडियम में खेला जाएगा।

आईसीसी ने एक सोशल पोस्ट में बताया कि मार्टिन की लाइव परफॉर्मेंस शाम 5-30 बजे से शुरू होगी। आईसीसी ने एक्स पोस्ट में लिखा- 'हमें यह घोषणा करते हुए बेहद खुशी हो रही है कि ग्लोबल आइकन और सुपरस्टार रिकी मार्टिन आईसीसी मेंस टी-20 वर्ल्ड कप 2026 के फाइनल से पहले होने वाली क्लोजिंग सेरेमनी के हेडलाइन परफॉर्मर होंगे। यह एक ऐसा शानदार जश्न होगा, जिसे आप बिल्कुल मिस नहीं करना चाहेंगे।

जनरल हॉस्पिटल में काम कर चुके हैं मार्टिन- रिकी मार्टिन 'लिविन' ला विडा लोका' और 'द कप ऑफ लाइफ' जैसे हिट गानों के लिए जाने जाते हैं। सिंगिंग के साथ-साथ रिकी मार्टिन टीवी और लाइव स्टेज शो भी करते हैं। उन्होंने 1994-95 में टीवी शो 'जनरल हॉस्पिटल' में काम किया था।

कोडी रोड्स बने नए अनडिस्प्यूटेड चैंपियन!

ड्रू मैकिन्टायर को दी पटखनी, रेसलमेनिया 42 में रैंडी ऑर्टन से होगा महा-मुकाबला

रेसलमेनिया (एजेंसी)। डब्ल्यूडब्ल्यूई स्मैकडाउन के 6 मार्च के एपिसोड में इतिहास रच दिया गया। एक हाई-वोल्टेज मेन इवेंट मुकाबले में कोडी रोड्स ने द स्कॉटिश वॉरियर ड्रू मैकिन्टायर को हराकर अनडिस्प्यूटेड डब्ल्यूडब्ल्यूई चैंपियनशिप अपने नाम कर ली है। इस जीत के साथ ही कोडी रोड्स का रास्ता अब सीधे रेसलमेनिया 42 के लिए साफ हो गया है।

मैकिन्टायर का दबदबा और कोडी का पलटवार- मैच की शुरुआत से ही ड्रू मैकिन्टायर बेहद आक्रामक नजर आए। पिछले हफ्ते एलिमिनेशन चैंबर में कोडी रोड्स को मौका गंवाने पर मजबूर करने वाले मैकिन्टायर इस बार उन्हें पूरी तरह खत्म करने के इरादे से उतरे थे। उन्होंने रिंग के बाहर कोडी की पीठ पर जबरदस्त हमला किया और मैच के एक बड़े हिस्से में अपना नियंत्रण बनाए रखा। हालांकि, कोडी ने अपनी फुर्ती का इस्तेमाल करते हुए कोडी कटर के जरिए मैच में वापसी की।

टी-20 वर्ल्डकप का फाइनल आज

● अहमदाबाद की पिच भी सेमीफाइनल की तरह बैटिंग फ्रेंडली होगी

स्पिन कम, पेस और बाउंस ज्यादा, फाइनल में रिचर्ड इलिंगवर्थ अंपायरिंग करेंगे

अहमदाबाद (एजेंसी)। आज भारत दूसरी बार अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में आईसीसी टी-20 टूर्नामेंट का फाइनल खेलेगी। टीम 2023 में यहां वनडे वर्ल्ड कप फाइनल हार चुकी है।

भारत और न्यूजीलैंड के बीच टी-20 वर्ल्ड कप का फाइनल बैटिंग फ्रेंडली पिच पर होगा। ईएसपीएन के मुताबिक अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में फ्रेश पिच का ही इस्तेमाल होगा, जहां टूर्नामेंट के शुरुआत में एक मैच खेला गया था। काली और लाल मिट्टी को मिक्स कर पिच बनाई गई है। यहां गेंद बहुत कम स्पिन होगी, लेकिन पेस और बाउंस जरूर मिलेगा। हालांकि, इससे बैटर्स को ही फायदा होना है। खिताबी मुकाबला 8 मार्च को शाम 7 बजे से खेला जाएगा। आईसीसी ने बताया कि इंग्लैंड के रिचर्ड इलिंगवर्थ और एलेक्स व्हार्फ अंपायरिंग करेंगे।

दूसरे सेमीफाइनल में भी अहमदाबाद जैसी पिच थी- वर्ल्ड कप का पहला सेमीफाइनल न्यूजीलैंड और साउथ अफ्रीका के बीच कोलकाता में हुआ। पिच बैटिंग फ्रेंडली जरूर थी, लेकिन पहली पारी में बॉलर्स को भी मदद मिली। साउथ अफ्रीका 169 रन ही बना सका, न्यूजीलैंड ने 12.5 ओवर में 1 ही विकेट के नुकसान पर टारगेट हासिल कर लिया।

दूसरा सेमीफाइनल भारत और इंग्लैंड के बीच मुंबई के वानखेड़े स्टेडियम में खेला गया। यहां की पिच दोनों ही पारियों में बैटिंग के लिए बहुत आसान रही। जहां टॉस हारकर पहले बैटिंग करने उतरी टीम इंडिया ने 253 रन बना दिए। इंग्लैंड ने भी हार नहीं मानी और भारत के करीब पहुंचते हुए 246 रन बना दिए। 40 ओवर के मैच में 499 रन बने। अब फाइनल में भी ऐसी ही पिच मिलने वाली है।

फाइनल की पिच पर एक ही मैच हुआ

फाइनल की पिच लगभग फ्रेश ही रहेगी, क्योंकि यहां टूर्नामेंट का इकलौता मैच करीब एक महीने पहले 9 फरवरी को हुआ था। यहां पहले बैटिंग करते हुए साउथ अफ्रीका ने 4 ही विकेट खोकर 213 रन बना दिए थे। जवाब में कनाडा 156 रन ही बना सका। अहमदाबाद में कनाडा-अफ्रीका मैच के बाद भी 5 मुकाबले खेले गए, लेकिन किसी में भी फाइनल वाली पिच का इस्तेमाल नहीं हुआ। हालांकि, उन पिचों पर कभी 200 रन भी बने। 184 पहली पारी में औसत स्कोर रहा। 2 बार पहले बैटिंग और 2 ही पहले बॉलिंग करने वाली टीमों को जीत मिली। जबकि एक नतीजा सुपर ओवर में आया। टीम इंडिया अहमदाबाद में साउथ अफ्रीका के खिलाफ एक मैच हार चुकी है।

काली और लाल मिट्टी को मिक्स किया

अहमदाबाद में काली और लाल मिट्टी को मिक्स कर फाइनल के लिए पिच बनाई गई। वानखेड़े स्टेडियम में भी सेमीफाइनल के दौरान इसी तरह की पिच थी। अब फाइनल में भी स्पिनर्स के लिए मदद कम रहेगी, पेसर्स को अच्छा बाउंस मिलेगा, लेकिन इससे बैटिंग बहुत ज्यादा आसान हो जाएगी। पहली पारी में 200 से ज्यादा रन बनाए तभी जीत के चांस हैं।

भारत 2 मैच खेल चुका

टूर्नामेंट में अहमदाबाद के मैदान पर भारत ने 2 मैच खेले हैं। ग्रुप स्टेज में नीदरलैंड के खिलाफ पहले बैटिंग करते हुए टीम इंडिया ने 193 रन बनाए थे। हालांकि, डच टीम भी फाइट दिखाते हुए 176 तक पहुंच गई थी। सुपर-8 स्टेज में भारत का सामना फिर साउथ अफ्रीका से हुआ। पहले बैटिंग करते हुए प्रोटियाज टीम ने 187 रन बना दिए। जवाब में टीम इंडिया 111 रन ही बना सकी। दूसरी ओर न्यूजीलैंड यहां दूसरा मैच ही खेलेगा, इन्हें भी साउथ अफ्रीका से ही हार मिली।

टीम इंडिया की प्रैक्टिस

टीम इंडिया आज ही अहमदाबाद में अपनी प्रैक्टिस करेगी। दूसरी ओर न्यूजीलैंड टीम बुधवार को सेमीफाइनल जीतने के बाद गुरुवार को नरेंद्र मोदी स्टेडियम पहुंची। टीम ने उसी दिन प्रैक्टिस भी की। भारत और न्यूजीलैंड लगातार दूसरे आईसीसी व्हाइट बॉल टूर्नामेंट के फाइनल में आमने-सामने हैं। पिछले साल ही 9 मार्च को भारत ने चैंपियंस ट्रॉफी फाइनल में न्यूजीलैंड को हराया था।

रिचर्ड इलिंगवर्थ अंपायरिंग करेंगे

आईसीसी ने फाइनल मुकाबले के लिए ऑफिशियल्स भी बता दिए हैं। इंग्लैंड के रिचर्ड इलिंगवर्थ और एलेक्स व्हार्फ ऑन फील्ड अंपायर होंगे। दोनों पहले सेमीफाइनल में भी अंपायर थे। इलिंगवर्थ 2024 के टी-20 वर्ल्ड कप फाइनल में भी क्रिस गैफनी के साथ अंपायरिंग कर रहे थे। वे पिछले वनडे वर्ल्ड कप और चैंपियंस ट्रॉफी फाइनल में भी अंपायर थे।

प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट के दावेदारों की घोषणा, 4 खिलाड़ी जिनका प्रदर्शन दमदार रहा

आईसीसी ने प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट के दावेदारों में नहीं दी जगह

नईदिल्ली (एजेंसी)। आईसीसी ने टी20 विश्व कप 2026 के प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट के दावेदारों की घोषणा कर दी है। इसमें इंग्लैंड के विल जैक्स, भारत के संजू सैमसन, पाकिस्तान के साहिबजादा फरहान, अमेरिका के शैडली वैन शाल्कविक के साथ साउथ अफ्रीका के एडेन मार्करम और लुंगी एनगिडी शामिल हैं। न्यूजीलैंड के रचिन रविंद्र और टिम सिफर्ट भी प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट बनने की रेस में हैं। हालांकि आईसीसी ने कई ऐसे खिलाड़ियों को इग्नोर किया है, जिनका प्रदर्शन भी काफी दमदार रहा है।

हार्दिक पंड्या- 8 विकेट और 199 रन- 8 मैचों में हार्दिक पंड्या ने भारत के लिए 8 विकेट लिए हैं। सेमीफाइनल में उन्होंने भी कमाल की बॉलिंग की थी। बल्लेबाजी में हार्दिक के बल्ले से दो अर्धशतक की मदद से 199 रन निकले हैं। प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट की रेस में आने के लिए हार्दिक और क्या कर दें।

फिन एलन- 289 रन- टिम सिफर्ट प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट की रेस में हैं लेकिन फिन एलन नहीं हैं। 7 पारियों में एलेन ने 289 रन बनाए हैं। उनका स्ट्राइक रेट 203 का है। वह टूर्नामेंट में सबसे ज्यादा 20 छक्के मारने वाले बल्लेबाज भी हैं।

● ऑल इंग्लैंड बैडमिंटन चैंपियनशिप

तीसरी बार टॉप-4 में एंट्री

लक्ष्य सेन सेमीफाइनल में पहुंचे

- नंबर-1 के बाद नंबर-6 रैंक प्लेयर को हराया

नईदिल्ली (एजेंसी)। भारत के लक्ष्य सेन ने शानदार खेल दिखाते हुए ऑल इंग्लैंड बैडमिंटन चैंपियनशिप के सेमीफाइनल में एंट्री कर ली। उन्होंने चीन के पूर्व चैंपियन और वर्ल्ड नंबर-6 ली शिफेंग को सीधे गेम में हराया। लक्ष्य ने तीसरी बार टूर्नामेंट के सेमीफाइनल में एंट्री की है। उन्होंने पहले राउंड में वर्ल्ड नंबर-1 चीन के शी यूकी को हराया था। टूर्नामेंट की इनामी राशि 14,50,000 अमेरिकी डॉलर है।

ली शिफेंग को 21-12, 21-16 से हराया- दुनिया के नंबर-12 खिलाड़ी और 2022 के रनर-अप लक्ष्य ने दुनिया के नंबर-6 प्लेयर ली शिफेंग को एक घंटे चले मुकाबले में 21-12, 21-16 से हराया। अब उनका मुकाबला सेमीफाइनल में कनाडा के विक्टर लाई से होगा। विक्टर ने अन्य क्वार्टरफाइनल में जापान के कोकी वतानाबे को 18-21, 21-17, 21-15 से मात दी। मुकाबला शनिवार शाम 4.30 बजे से शुरू होगा।

लंबी रैली के बावजूद अच्छा खेल जारी रखा- मैच के बाद लक्ष्य ने कहा, मैं दोनों गेम में अपने खेल से खुश हूं। शिफेंग ने भी अच्छा खेला। लंबी रैलियां हुई और हम दोनों थक रहे थे, लेकिन मैंने लंबी रैलियों के बाद भी अच्छा खेल जारी रखा। उन्होंने कहा, कोच ने कहा था कि लंबी रैलियों के बाद ज्यादा तैयार रहो, क्योंकि वह भी थक रहा है, इसलिए आसान गलती मत करो।

शिफेंग के ओवरहेड क्रॉसकोर्ट स्मैश को पढ़ने में दिक्कत हुई

मैच में लक्ष्य ने आत्मविश्वास के साथ शुरुआत करते हुए 4-1 की बढ़त बनाई और आक्रामक खेल से इसे 10-4 तक पहुंचाया। ब्रेक तक वे 11-6 से आगे थे। हालांकि, उन्हें शिफेंग के ओवरहेड क्रॉसकोर्ट स्मैश को पढ़ने में थोड़ी दिक्कत हुई, फिर भी उन्होंने 15-11 की बढ़त बना ली। शिफेंग ने लंबी रैली जीतकर स्कोर 13-15 किया, लेकिन लक्ष्य ने नेट कॉर्ड की मदद से बढ़त 18-13 कर दी और पहला गेम 24 मिनट में अपने नाम किया।

व्यापार

विदेशी मुद्रा भंडार फिर पहुंचा ऑल टाइम हाई पर

मुंबई, एजेंसी। अंतरराष्ट्रीय बाजार में पिछले दिनों एक बार फिर से सोना (त्रश्वद्यस्र) महंगा हुआ है। साथ ही भारत का फॉरेन करेंसी एसेट या एफसीए) भंडार भी बढ़ा है। तभी तो अपना विदेशी मुद्रा भंडार एक बार फिर से रिकॉर्ड उच्चतम स्तर, ,728.494 बिलियन पर पहुंच गया। भारतीय रिजर्व बैंक की तरफ से शुक्रवार को जारी आंकड़ों के मुताबिक 27 फरवरी 2026 को समाप्त सप्ताह के दौरान भारत के विदेशी मुद्रा भंडार में ,4.885 बिलियन की बढ़ोतरी हुई है। इससे एक सप्ताह पहले इसमें 2.11 बिलियन की गिरावट दर्ज की गई थी। अब अपना भंडार बढ़ कर ,728.494 बिलियन के ऑल टाइम हाई पर पहुंच गया है। इससे पहले 13 फरवरी 2026 को समाप्त सप्ताह के दौरान अपना विदेशी मुद्रा भंडार ,725.727 बिलियन का था, जो कि इससे पहले का रिकार्ड उच्चतम स्तर था। रिजर्व बैंक की तरफ से जारी साप्ताहिक आंकड़ों के अनुसार 27 फरवरी 2026 को समाप्त सप्ताह के दौरान भारत की विदेशी मुद्रा आस्तियों में ,561 मिलियन की बढ़ोतरी हुई। एक सप्ताह पहले इसमें ,1.039 बिलियन की कमी हुई थी। अब अपना एफसीए भंडार बढ़ कर ,573.125 बिलियन का हो गया है। उल्लेखनीय है कि देश के कुल विदेशी मुद्रा भंडार में विदेशी मुद्रा आस्तियां या फॉरेन करेंसी असेट एक महत्वपूर्ण हिस्सा होता है। डॉलर में अभिव्यक्त किये जाने वाले विदेशी मुद्रा आस्तियों में यूरो, पौंड और येन जैसे गैर अमेरिकी मुद्राओं में आई घट-बढ़ के प्रभावों को भी शामिल किया जाता है। आलोच्य सप्ताह के दौरान अंतराष्ट्रीय बाजार में सोने के मूल्य में वृद्धि हुई। इस वजह से बीते 27 फरवरी को समाप्त सप्ताह के दौरान रिजर्व बैंक के सोने के भंडार की वैल्यू में ,4.141 बिलियन की बढ़ोतरी हुई। इसी के साथ अब अपने सोने के भंडार का वैल्यू बढ़ कर ,131.630 बिलियन का हो गया है। उल्लेखनीय है कि इस समय आरबीआई के पास सोने का भंडार 880 टन के पार चला गया है।

जेब में सिर्फ 4 रुपये लेकर आए थे मुंबई, आज अंबानी, तेंदुलकर, बॉलीवुड सेलिब्रिटी पहुंचते हैं उनके रेस्टोरेंट

नई दिल्ली, एजेंसी। सपनों के शहर मुंबई के कालबादेवी की भीड़-भाड़ वाली तंग गलियों में एक रेस्टोरेंट है। श्री ठाकर भोजनालय। खाने के शौकीनों के लिए जन्नत। खासकर उन लोगों के लिए जिन्हें दिल को छू लेने वाली गुजराती थाली पसंद है। यह फैमिली रेस्टोरेंट मगनभाई पुरोहित ने 1945 में शुरू किया था। उनके नहीं रहने के बाद अब इसे मगनभाई के बेटे गौतम और कृष्ण पुरोहित चलाते हैं। अरबपति उद्योगपति धीरूभाई अंबानी, उनकी प प्रतिशती कोकिलाबेन से लेकर फिल्ममेकर अनुराग कश्यप और सचिन तेंदुलकर की बेटी सारा समेत कई नामचीन हस्तियां यहां आती रही हैं। पुरोहित परिवार मूल रूप से राजस्थान का रहने वाला है। मगनभाई जेब में सिर्फ 4 रुपये लेकर मुंबई आए थे। तब शायद ही उन्होंने सोचा था कि वह एक ऐसे रेस्टोरेंट की नींव रखेंगे जहां जानी-मानी हस्तियों का तांता लगेगा। आइए, यहां इसकी पूरी कहानी जानते हैं। गौतम पुरोहित ने ह्यूमन्स ऑफ बॉम्बे के साथ बातचीत में अपने पिता मगनभाई की जबरदस्त कहानी शेयर की। बताया कि उन्होंने यह मशहूर रेस्टोरेंट

कैसे शुरू किया जहां मिशेलिन-स्टार शेफ और फिल्ममेकर अनुराग कश्यप, सचिन तेंदुलकर की बेटी सारा, त्रिप्ति डिमरी और कई दूसरी जानी-मानी हस्तियां आती रही हैं।

महारत्न कंपनी 33वीं बार दे रही है डिविडेंड

नई दिल्ली, एजेंसी। महारत्न कंपनी इंडियन ऑयल कॉरपोरेशन ने डिविडेंड का ऐलान किया है। कंपनी ने एक शेयर पर 2 रुपये का डिविडेंड देने का फैसला किया है। इस डिविडेंड के लिए कंपनी की तरफ से रिकॉर्ड डेट का भी ऐलान कर दिया गया है। महारत्न कंपनी इंडियन ऑयल कॉरपोरेशन ने डिविडेंड का ऐलान किया है। कंपनी ने एक शेयर पर 2 रुपये का डिविडेंड देने का फैसला किया है। इस डिविडेंड के लिए कंपनी की तरफ से रिकॉर्ड डेट का भी ऐलान कर दिया गया है। बता दें, कंपनी 33वीं बार शेयर बाजार में एक्स-डिविडेंड ट्रेड करेगी। आइए डीटेल्स में जानते हैं कंपनी के विषय में ... स्टॉक एक्सचेंज को दी जानकारी में कंपनी ने बताया है कि एक शेयर पर दो रुपये का डिविडेंड योग्य निवेशकों को दिया जाएगा। इस डिविडेंड के लिए कंपनी ने 12 मार्च की तारीख को रिकॉर्ड डेट तय किया है। कंपनी की तरफ से डिविडेंड 5 अप्रैल 2026 या उससे पहले कर दिया जाएगा।

महारत्न कंपनी ने पहली बार निवेशकों को 2001 में डिविडेंड दिया था। तब कंपनी ने एक शेयर पर 9.5 रुपये का डिविडेंड दिया था। इसके बाद कंपनी ने 2025 में दो बार डिविडेंड दिया था।

3 कंपनियों को मिली आईपीओ लाने की मंजूरी, 3300 करोड़ जुटाने की तैयारी, पैसों का कर लें जुगाड़

नई दिल्ली एजेंसी। इन कंपनियों ने अक्टूबर और दिसंबर के बीच भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) के पास अपने शुरुआती दस्तावेज जमा कराए थे, जिस पर रेगुलेटरी ने चार से पांच मार्च के दौरान अपनी टिप्पणियां जारी कीं। बाजार नियामक सेबी ने एनर्जी सेक्टर की ईस्टमैन ऑटो एंड पावर, पार्ट्स का उत्पादन करने वाली माइलस्टोन गियर्स और आर्टिफिशियल टेक्नोलॉजी सेक्टर की कंपनी बॉनब्लॉक टेक्नोलॉजीज को आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) के माध्यम से कुल 3,300 करोड़ रुपये जुटाने की मंजूरी दे दी है। यानी आने वाले समय में इन तीनों कंपनियों का आईपीओ आएगा। इन कंपनियों ने अक्टूबर और दिसंबर के बीच भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) के पास अपने शुरुआती दस्तावेज जमा कराए थे, जिस पर रेगुलेटरी ने चार से पांच मार्च के दौरान अपनी टिप्पणियां जारी कीं। मर्चेंट बैंकरों के अनुसार, ये तीनों कंपनियां मिलकर आईपीओ के जरिए 3,300 करोड़ रुपये से अधिक जुटाने की तैयारी में हैं। ईस्टमैन ऑटो एंड पावर का आईपीओ 1,800 से 2,000 करोड़ रुपये का होगा। प्रस्तावित आईपीओ नए शेयर जारी करने और ऑफर फार सेल का मिश्रण होगा। बॉनब्लॉक टेक्नोलॉजीज का प्रस्तावित आईपीओ 230 करोड़ रुपये के नए शेयरों और प्रमोटर्स बॉनब्लॉक इंक द्वारा तीन करोड़ शेयरों की बिक्री पेशकश का संयोजन है।

आपके साथ हो गया फ्रॉड तब भी नो टेंशन, 25000 रुपये तक मुआवजा देगा आरबीआई

नई दिल्ली एजेंसी। इसी फरवरी महीने में भारतीय रिजर्व बैंक के गवर्नर संजय मल्होत्रा ने डिजिटल धोखाधड़ी में हो रही बढ़ोतरी के बीच ग्राहकों को धोखाधड़ी वाले ट्रांजैक्शन के लिए 25,000 रुपये तक की क्षतिपूर्ति देने की घोषणा की थी। बीते कुछ साल से साइबर फ्रॉड के मामले लगातार बढ़ रहे हैं। स्कैमर लोगों की गाढ़ी कमाई एक झटके में उड़ा ले जाते हैं। हालांकि, ऐसे मामलों मे अब भारतीय रिजर्व बैंक ने मुआवजा देने की योजना बनाई है। मतलब जो पीड़ित है उसे शर्तों के साथ रिजर्व बैंक मुआवजा देगा। इस संबंध में आरबीआई एक प्रपोजल लेकर आया है। आइए डिटेल में

इसके बारे में जान लेते हैं। दरअसल, इसी फरवरी महीने में भारतीय रिजर्व बैंक ने डिजिटल धोखाधड़ी में हो रही बढ़ोतरी के बीच ग्राहकों को धोखाधड़ी वाले ट्रांजैक्शन के लिए 25,000 रुपये तक की क्षतिपूर्ति देने की घोषणा की थी। ग्राहक को जीवन में केवल एक बार ही क्षतिपूर्ति मिलेगी और वह भी तब जब धोखाधड़ी का कोई गलत इरादा न पाया जाए। रिजर्व बैंक के गवर्नर संजय मल्होत्रा ने कहा था- जब तक पीड़ित के साथ धोखाधड़ी होती है, चाहे वह स्वयं की गलती से हो या किसी और की गलती से, बिना कोई सवाल पूछे 25,000 रुपये का भुगतान किया जाएगा। उन्होंने कहा कि ग्राहकों की भागीदारी सुनिश्चित करना महत्वपूर्ण है और धोखाधड़ी की राशि का 15 प्रतिशत खाताधारक को वहन करना होगा, भले ही धोखाधड़ी 25,000 रुपये की सीमा से कम हो।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक सैयद ज़की हैदर के लिए इरानीयन आर्ट प्रिंटर्स 1534 कासिमजान स्ट्रीट दरियागंज नई दिल्ली 11006 से मुद्रित कराकर, 2684 गली काले खां कूचा चलान दरियागंज नई दिल्ली 02 से प्रकाशित किया।
संपादक : सैयद ज़की हैदर- हैड ऑफिस :- एफ19/4 सेकेंड फ्लोर नफीश रोड जामिया नगर दिल्ली- 110025., सम्पर्क सूत्र :- 9911371802, 9810383593
जितेन्द्र कुमार बिस्वाल ब्यूरो चीफ उड़ीसा/ गोविंद कनोडिया/ पटना/ सैय्यद यूसुफ अली नक़वी-पॉलिटिकल एडिटर। ई-मेल:- (LOKTANTRAKISHAAN@GMAIL.COM

किसी भी प्रकार के विवाद हेतु निपटारे के लिए केवल दिल्ली न्यायालय ही मान्य होगी।
नोट- किसी भी समाचार/आलेख पर दावा प्रति दावा/आपत्ति समाचार प्रकाशन के 15 दिनों के अन्तराल तक ही मान्य होगा। समाचार पत्र में प्रकाशित आलेख से संपादक/प्रकाशक का सहमत होना आवश्यक नहीं है।

क्षेत्रीय कार्यालय अनवार मंजिल नया टोला गंज नंबर 01 बेतिया/ बिहार/ पिन नंबर 84 5438/>> संवाददाता, सना खान/(डॉ. अमानुल हक) स्थानीय संपादक/बिहार)